कोरोनाक संत्रासमे ओझरायल जिनगी

(लकडाउन डायरी)



राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर'

कोरोनाक संत्रासमे ओझरायल जिनगी

(लकडाउन डायरी)

राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर'

प्रकाशक

जनकपुरधाम

कोरोनाक संत्रासमे ओझरायल जिनगी

(लकडाउन डायरी)

KORONAK SANTARAS ME OJHARYAL JINAGI

(LUCKDOWN DAIRY)

RAM BHAROS KAPARI 'BHRAMAR'

प्रकाशक : जनकपुर ललित कला प्रतिष्ठान, जनकपुरधााम

मुद्रक :

प्रति : 500

मूल्य : 2001 ने.

1501–भा.

आवरण

1. डिजाइन : संदीप कुमार कापड़ि

2. चित्र–सौजन्य : अजित साह

प्राप्तिः रेलवे बुक स्टॉल, जनकपुरधााम

शेखर प्रकाशन, पटना

चन्द्रेश : दरभंगा

लेखकीय

लकडाउनक दहशतिमे जनमल एकटा पौध

जहिआ चीनमे एकटा कोनो भाइरसक जन्म आ ताहिसँ भऽ रहल तबाहीक खबरि पसरलैक तँ बहुतोकेँ भेल रहै, इहे आम बेमारी जकाँ कोनो खास क्षेत्रमे अपन खेला–बेला देखाय शान्त भऽ जाएत। आ जँ बढ़िए गेल तँ एकसँ एक वैज्ञानिक सभ छैक, एकरो पार पाबिए जाएत।

मुदा ई सोच बेसी दिनधरि कायम नहि रहि सकलै। ई चीनक छहरदेबालीकेँ तड़पैत सौंसे दुनिआमे छीड़िआ गेल आ एखन धरि कतेको लाख लोककेँ गछड़ि चुकल अछि, कालक मुहमे पहुँचा देने अछि।

वैज्ञानिक सभ लागल अछि। चानपर पहुँचब, मंगल ग्रहपर माटि आ पानि खोजब सहज भऽ गेलैए, कोरोना भाइरसकेँ खोजि केँ ओकरा समूल नष्ट करब कठिन भऽ गेल छैक। एहन महामारी जकर अन्तक कोनो हिसाब–किताब नहि हो, जकर पहिचान एहि आठ–नौ महिनामे समेत सन्दिग्ध रहल हो, ओ कतेक खतरनाक आ डेराओन भऽ सकैछ, ई सोचिए केँ देह सीहरि जाइत अछि।

एहि महामारीक चपेटमे नेपालो पड़ल। आ आइ एत्तहु त्राहिमाम् छैक। सरकार परेशान अछि, हाथ उठौने नागरिककेँ अपन सुरक्षा अपने करबाक लेल फरमान जारी करै छै। एतेक धरि जे आजुक तिथिमे जँ संक्रमण भेल तँ अपन उपचार स्वयं कराबी.......!

तखने एहि संत्रासक बीच नेपालमे 2076 साल चैत 11 गतेसँ लकडाउन शुरू भेल। देश ठप्प भऽ गेलै। पहिल दहशतक प्रभाव रहै, लोक अवाक् भऽ अपन–अपन घरमे कैद भऽ गेल। तेहने सन अवस्थामे एकटा भयावह वातावरण आ अनिश्चित भविष्यक परिकल्पना बीच लिखल हमर ई डायरी तत्कालीन अवस्थाक प्रत्यक्ष चित्रण करैत सन बूझि पड़त। डायरीक अर्थ सोझाँ–सोझी । जे देखल, तकरा उतारल। एहि डायरीमे हम तात्कालिक अवस्थाक विवरण देबाक प्रयास कैनहि छी, किछु परिस्थितिजन्य मोनमे आएल विगतक लेखा–जोखा सेहो कलमबद्ध भऽ गेल अछि। कतहु–कतहु तँ कनेक कठोर प्रतिक्रिया सेहो आएल अछि – किछु व्यक्ति, किछु संस्था अथवा सम्बन्धित निकायक प्रति। जे प्रायः सामान्य अवस्थामे हम नहि लिखितहुँ, आ ने आइधरि लिखल अछि।

हम पूर्वो डायरी लिखैत रहलहुँ अछि जे छपैत रहल। विगत वर्षमे छपल हमर 'चीन जे हम देखल' एहने डायरीपर आधारिक हमर कृति थिक। छिट–फूट रूपमे सेहो हमर डायरी आलेखक रूपमे अबैत रहल अछि।

जतएधरि एहि 'लकडाउन डायरी'क प्रश्न छैक, ई भयावह परिस्थितिमे उबजल दहशति आ भावी संकटक परिकल्पना संग वर्तमानक यथार्थकेँ नजरिमे राखि लिखल गेल अछि। हमरा जनैत लकडाउनक पाँच मास (2076 चैत 11 गते सँ 2077 साओन छओ गते धरि)क अवधिक ई लेखन आबयबला समयक सत्य–तथ्य घटना चक्रक दस्तावेजीकरणमे सहायक सेहो भऽ सकैछ। आ हमर अवधारणाक स्पष्ट विश्लेषणक सेहो।

एकर प्रकाशन 'गामघर साप्ताहिक'मे बैशाख 2077क पहिल सप्ताह सँ साओन 2077 धरि धारावाहिक रूपेँ भेल अछि, जकरा पाठकवृन्द नीक पसीन कएने छलाह। आब ई पुस्तकाकार प्रकाशन भऽ रहल अछि। आशा अछि, पाठककेँ रूचतनि अवश्य।

राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर'

कोजाग्रत पूर्णिमा
14 गते 2077, कातिक
30 अक्टूबर, 2020 ई.

❒❒❒

लकडाउन डायरी–१

कोरोनाक संत्रासमे ओझरायल जिनगी

२०७६ साल चौत २८ गते शुक्रदिन
२०२० अप्रिल १० ता.

आइ नेपालमे कोरोनाकेँ रोकबाक हेतु कएल जा रहल अनेको प्रयासमे अन्तिम आ कष्टकर प्रयास 'लकडाउन'क अन्ततः आइ अठारहम दिन अछि। पहिने ११ गते चौतसँ १८ गते चौत धरि, पुनः १६ गते सँ २५ गते धरि आ तेसर बेर २६ गतेसँ ३ गते वैशाख २०७७ धरि । भारतहुमे ११ ता. केँ २१ दिनक हेतु लकडाउन जारी छै। सम्भावना छैक फेर बढ़त । कतेक दिन ई मोदी जी मात्र कहि सकैत छथि। हमरा ओहिठाम ताही अनुसार बढ़त। भारतक बोर्डर सील तँ नेपालक लेल किए खूजल। मुदा, जहाँ धरि बोर्डरक बात छैक एतेक कड़ा लकडाउनमे सेहो भारतसँ अएनिहार चोरा–नुकाकेँ अपन बाट खोजिए लैत अछि आ सएह सरकारक मथदुखी भ गेल छैक । औजी सोझा–सोझी आएल हजारो भारतीक प्रवासमे रहल नेपाली डिठदानी ढुकि गेल नेपालमे तँ तकर पता धरि नहि लगा सकलकैए आ ई तँ चोर दरबज्जासँ पैसल लोक सभ छै। एकर लगत के राखत....?

तखन एकटा बात देखल गेल छै। लोक चौचंख अछि। गाममे चिन्हलो जानल लोकक प्रवेश होइछ तँ गौआँसभ कान ठाढ कऽ लैत अछि आ गा.पा./न.पा. माध्यमसँ कोराइन्टाइनमे बैसबा लेल बाध्य करैत अछि। ई दोसर बात अछि जे किछुठाम नुक्का–चोरी गामोमे चलै छै। दै–दियाद, अपन परार आ कि बादमे कहा–सुनी, वैर–भाव नहि होख तकर डर...। जे कारण हो कतेको गाममे भारत आ विदेशसँ आएल लोक दबल अछि। सरकार कहाँदन खोज–तलाश कऽ रहल अछि। सूचनो दुहल छैक। आ जँ नहि भेटल तँ सधल जबाब –कोरोना संक्रमणक एकटा सधल समय छै, जँ ताहिमे देखार नहि भेल तँ ठीके हयत...। अर्थात तीन सप्ताह

(आब एक सप्ताह थपल गेल अछि, पहिने दू सप्ताह मात्र छल!) धरि जँ आगुन्तक लोकनि स्वस्थ्य रहलाह तँ कतौ दबल रहथु, कोनो हर्ज नहि, ओ स्वस्थ छथि। खाली एहि अवधिमे सेल्फ क्वारेन्टाइन अथवा सेल्फ आइसोलेशनक जे नियम छै ताहिपर अमल करैत रहथु। जाहिसँ दोसर ककरो नहि संक्रमित करै ....।

लकडाउनक अवधिमे अस्पताल सभमे सामान्य रोगक रोगिकेँ सेहो कोरोनाक रोगी बूझि उपचार नहि करबाक प्रवृत्ति बढल जा रहल छै। शुरूमे तँ चिकित्सक सभ सुरक्षा सामग्रीक अभावमे एहन बजैत छल। आ ताहि अवधिमे कोरोना वाहकक आन रोगक बेमारीकेँ नहि जँचने पाँच गोटेक मृत्यु भऽ गेलैक। मृत्युक बाद जखन ओकर स्वेव टेष्टक परिणाम अएलैक तँ सभ स्तब्ध भऽ गेलै –रिपोर्ट निगेटिभ रहैक। समयपर जाँचक अभाव, जँ जाँच कीट उपलब्धो छै तँ तकरा जाँचक हेतु काठमाण्डूक एकमात्र अस्पताल, टेकुमे पठब पडैत छै। जतसँ रिपोर्ट अएबामे कए कए दिन लागि जाइछ। एहिबीच रोगीमे केओ भिडैत नहि छै –जाहिसँ ओकर मृत्युक सम्भावना बढि जाइछ।

एक दिन एकटा वरिष्ट पत्रकार सन्तोष व्यक्त करैत बाजल रहए –'चलु एकटा सन्तोषक बात छै। लकडाउनक एहि अवधि (दू सप्ताह होइत रहै) मे जाहि कोनो कारणसँ जे मानवीय क्षति (मृत्यु) भेलै ओ दुखद तँ अवश्य अछि, मुदा एहि अवधिमे सडक–दुर्घटनासँ जे जतेक मानवीय क्षति होइछ छलै, ताहिसँ तँ ई बड कम भेलैए ....। लागल रहै ई बात ठीके कहै छै। गाड़ी बन्न छै, मोटरसाइकल नहि चलै छै, तखन दुर्घटना तँ बचलै। मो.सा. दुर्घटना तँ दिनहु होइत छलै...।

मुदा लकडाउनमे दुर्घटना नहि हयबाक बात सामान्य अवस्थापर आधारित अछि। जखन सरकारी डाटा देखबै तँ एहू अवधिमे प्रसस्त व्यक्तिके मृत्यु भेल छै। एकटा तथ्यांक अनुसार लकडाउनक दोसर अबधिमे देश भरिमे सवारी दुर्घटनासँ ४० गोटेक जान गेलैए। लकडाउनक १४ दिनमे देशभरिमे ४६ गोट दुर्घटना भेलैक जाहिमे ४० गोटेक जान गेलै, एकसए पन्द्रहसँ बेसी गम्भीर घायल छै। सरकारी तथ्यांकमे दैनिक ७ सँ ८ गोटेक सड़क दुर्घटनामे मृत्युक आंकड़ा छैक। मुदा १४ दिनक लकडाउनमे भेल ४० गोटेक मृत्यु दैनिक ३ गोटेक तथ्यांक देखबैत अछि। माने एहू अवधिमे मोटा–मोटी आधाक जान गेलैक अछि।

हम सभ दू नं. प्रदेशक बासी छी। अहाँ, अहाँकेँ भ्रम नहि हो। ई कोनो चरित्रक दू नम्वरी नहि, प्रदेशक नाम दू तिहाइ बहुमतसँ पास नहि भेने दू नं. प्रदेशक नामसँ जानल जएबाक कारणेँ दू नम्बर। नेपालमे लकडाउनक आइ अठारहम दिन अछि –एखनधरि एहि प्रदेशमे कोनो कोरोना संक्रमित नहि भेटल अछि। तत्काल सन्तोषक बात। मुदा, भविष्यमे नहि भेटत तकर कोनो गारण्टी नहि। जाँचे

बड मद्धिम भ रहलैए । ओहो कनेक टनमनएलैए एहु दुआरे जे एकटा पोर्टेवल जाँचमशीन (पिसिआर) प्रदेशकेँ भेटल छैक जाहिमे दैनिक दशटा किटसक जाँचल जा सकैछ। अर्थात् मासमे ३०० मात्र। जखन कि एहि प्रदेशमे लगभग सभ ५ सएसँ सात सए धरि लोक क्वारेन्टाइनमे बैसल अछि, आइसोलेशनमे सेहो। सभकेँपहिने जाँचल जएतै ताधरि बाँकी रहल लोक अपने ठीक भऽ जाएत अथवा ....।

नेपालमे कोरोना :

शुरूमे भेल जाँचमे ६ गोटे कोरोना संक्रमित भेटल रहैक। गत शनि दिनधरि भेल १ हजार ४ सए ४१ परीक्षणमे ई परिणाम आएल रहैक। एम्हर गत पाँचदिन अर्थात् रविसँ वृहस्पति धरि भेल परीक्षणमे सभ निगेटिभ आएल अछि। कहबाक मतलब बृहस्पति दिनधरि भेल 2 हजार ८ सए ६४ परीक्षणमे मात्र नौ गोट रोगी भेटल छल। बृहस्पतिकेँ भेल थप १ सए ६५ परीक्षणक प्रतिवेदन आइ सुनाओल जाएत। एखन ई सुनवामे नीक लगैछै, मुदा आगामी दिनमे जे सूची छैक, देशभरिक क्वारेन्टाइनमे भर्तीक संख्या ७ हजार ६ सए ४० छैक, तकर जाँच भेलापर जे संख्या अथवा परिणाम समक्ष आओत, सएह असली प्रशन्नता वा दुखक स्थिति लाओत। तहिना उपत्यका आ प्रदेश सभमे बनाओल गेल आइसोलेशन वार्डमे १ सए १७ गोटे राखल गेल अछि। तिनको सभकेँ जाँच एखन बाँकी छैक। एही जाँचपर सरकारी रणनीति आधारित हयत आ प्रदेश सभमे लोक अपन निजी जीवन चक्रक निर्धारण करत।

<u>वैशाख ६ गते शुक्रदिन</u> :

प्रतिदिन अबैत सूचना एतेक भयावह रहैत अछि जे तकरा अभिलेखमे रखबाक हिम्मत नहि होइछ। तखन चौत २८ गते अर्थात् अप्रिल १० ता.क बाद ठमकल हमर दैनिकी लेखन आइ शुरू करबाक मोन भेल अछि। तखन ई बता दी जे एहि बीच भेलै की सभ?

१ देशमे कोरोनाक जाँच कनेक तेजीसँ भेल अछि। देशक सातो प्रदेश (राज्य)मे एकर जाँचक क्षेत्र बढाओल गेल अछि। मशीन सभ बैसाओल गेल छैक। जतेक बढि रहल छैक. संक्रमित सभ भेटि रहलैक अछि। जे शंकास्पद छैक तकरा कोरेन्टाइनमे बैसाओल गेल छैक। जकरामे लक्षण देखार भेल छैक, सभकेँ आइसोलेशने। नेपाल सरकार एकटा एप्स जारी कएने अछि। 'हाम्रो स्वास्थ्य' अर्थात् हमरा सभक स्वास्थ्य। एकरा सूचनाक आधिकारिक मानल जाइत छैक। मुदा एहिमे सूचनाक प्रवाह ठमकल नदी जकाँ कुहरि केँ बहैत छैक। जाहिसँ झोंक तँ चढै छैक, मुदा आन तरहक अफवाहसँ बचबाक गेल एकरा उपयुक्त माध्यम मानि सन्तोष करय पड़ैत छैक। से ताही एपमे आइ भिन्सर ११ बजेक जे जानकारी छै,

तकरा अनुसार देशमे एखन धरि जाँच भेल ७२४० गोटेमे ७22४ गोटे निगेटिभ भेटल अछि। १०३ गोटे आइसोलेशने राखल गेल अछि। १६ गोटे संक्रमित एखन धरि भेटल छैक। जाहिमे एकटा ठीक भऽ कहिआ ने जा चुकल अछि, १५ गोटे उपचारमे अछि। अन्य स्रोत कहैत अछि उपचाररत पन्द्रहो गोटे स्वस्थ भऽ रहल अछि। किछु प्राविधिक कारणे हुनका सभके नहि छोडल जा रहल छैक। नेपालमे २५–३० दिनक बादो कोरोनाक लक्षण देखल गेलासँ सतर्कता अपनाओल जा रहल छैक। एखन धरि कोरोनासँ ककरो मृत्यु नहि भेलैक अछि। २ नं. प्रदेश (हमर सभक गृह प्रदेश)मे एखन धरि चारि गोटेमे संक्रमण देखल गेल अछि। जनिक उपचार भऽ रहल छैक। लकडउन १५ गते अर्थात २६ अप्रिल तक बढाओलगेल छैक। देशमे लकडाउनमे कडाई भऽ रहलैक अछि। तैयो जनसामान्य विभिन्न बहन्नो घरसँ निकलि जाइए। प्रहरी ओकरा सभके भगएबाक, दण्ड देबाक आ हिरासत धरिमे रखबाक काज भऽ रहल अछि।

देशक अधिकांश लोक घरमे बन्द अछि। नियमित मोर्निंगवाक कएनिहार सभक हेतु आफत आबि गेल छैक। मुधुमेह, ह्रदयरोग आदिमे घुमबाक महत्वके देखैत ई बन्देज दोसर परेशानी उत्पन्न करबाक त्रासयुक्त अवस्था छैक। किछु गोटे अपने घरक छतपर, किछु अंगनइ आ किछु अनरोखे खुजल ठामसभमे जा अपन दैनिकी पुरा करैत अछि।

एहि बन्दीमे खानपीनक सामग्रीक उपलब्धता महत्त्वपूर्ण छैक। खाद्यान्य, तरकारी,दैनिक उपभोग्यक सामान कोनो विश्वस्त माध्यमसँ नहि प्राप्त भऽ रहलैक अछि। हमरासभक जनकपुरधाममे एक दूटा अनलाइन शौप छैक, जे आदेशपर घरमे सामान पहुँचा रहलैक अछि। किछु हद धरि राहत छैक।

घरमे बाहरसँ मंगाओल सामानके उपभोगमे सेहो बारह झंझट रहैछै । घोउ, सुखाउ, सेन्टिाइज्ड करु, फेर हाथ धोउ आर कीकी करू। सभ करैत अछि। भाइरसक शूक्ष्म आक्रमणसँ लोक एतेक डरि गेल अछि जे ओ घरेमे धएल कोनो समान छुबासँ धकाइत अछि। कमसँ कम बीस सेकेण्ड धरि हाथ धोएबाक फरमान फूटसँ। स्वयं पंक्ति लेखक दिनमे कतेक बेर हाथ घोइ छथि, आपनो ज्ञात नहि छन्हि।

ई क्रम एखन बहुत नम्हर जएतै। भले १५ गते वैशाखक हेतु लकडाउन निर्धारित छैक। ई जेठ–अखाढ अथवा आरो आगा नहि जाएत ककरो कहबाक हिम्मत नहि छैक। कोरोना पसारनिहार चीनमे फेरसँ उगलैए कोरोनाक गाछ कहाँदन। एकर १४ दिनक भीतर देखार होबयबला लक्षण महाद्धीप धरि अबैत–अबैत बीससँ तीस दिन धरिक भऽ गेलै तएँ मुहपर मास्क आ लोकसँ दुरी–कतेक दिन

धरि जारी रहत कहब कठिन। किछु अनुसन्धानदाता तँ चारिवर्ष धरि एहिना रहए पडत कहैत अछि। किछु तँ आब मानव जीवन सामान्य नहियों भऽ सकैछै ! तेहनो सन बात कहि आर बेसी डरा दैत छैक ।

से एहि खेरहाकेँ आब बेसी आगा बढएबासँ रोक पडत लकडाउन एकमात्र उपचार छै कोरोनाक। एकर पालन हो। घरमे रहैत कीसभ करी तकर सूची बना मोनकेँ बहटारू। बेसी समय घरमे बन्द रहलासँ एकर साइड इफेक्ट सभ आब लागल छैक। कतेकोकेँ सुगर बढ़लैए। ककरो प्रेसर अनियमित भऽ रहल छैक। गैस आ कब्जियतक शिकायत देखल जा रहल छैक। आ पुरना रोगी सभकेँ कष्ट आर बढ़ैत जा रहल छैक।

हम सभ स्वयं नियमित भोरक टहलब–घुमनाइ बन्न कऽ देने छी। सुगर बढ़त तकर आशंका अछि। खान–पीनमे नियन्त्रण कएने छी। तकर साइड इफेक्ट पेट भोगि रहल अछि। एहनो अवस्थामे किछु ठोस लिखी से संभव नहि भऽ रहल अछि। जेना किछु साहित्यिक मित्रलोकनि सुतारलनि अछि। अपन उपन्यास लिखि वा अन्य गतिविधि करी धन सन। हम किछु नेपाल–भारतक सम्पादक लोकनिक आग्रहपर आलेख धरि पठा सकलियनि अछि। बस।

तखन नियमित भोरमे समाचार देखैछी अनलाइन। खाना खा कँ दक्षिण भारतीय हिन्दी डब फिल्म देखैछी। हँ तखन पत्नीक आग्रहरपर ६ बजे भिनसर डीडी पर रामायण आ सात बजे साँझ महाभारत सेहो देखय लागल छी। भारतीय आ नेपाली समाचार चैनल आब संक्षिप्त रूपेँ देखय चाहै छी। जखन देखू ओएह कोरोना। तखन अपडेट होएबा लेल देखैत छी। घरक अंगनइमे भोर ६–७ बजे मर्निगं वाकक धक मारैत छी। अपन घरक आगाँ दऽ जाइत सकड़ पर नियमित प्रहरीकेँ तरकारी बालाबाली आ घुमनिहारकेँ छौंकी लहरबैत भगाएबाक दृश्य देखैत रहैछी तँ दिनभरि गाम–घरसँ पिपिआत अबैत एम्बुलेन्सक दौड़–बरहा मोनकेँ प्रकंपित करैत रहैत अछि.......। निरन्तर कोनो ने कोनो बेमारकँअनैत एम्बुलेन्सक साइरनसँ बेर–बेर चिहुकैत रहैत छी ।

❒❒❒

<u>लकडाउन डायरी–२</u>

भगवानक भरोसे छोड़ल एकटा देश

२०७७ वैशाख ८ गते

विगत किछु दिन बड़ उथल–पुथल बला रहल। बाबा पशुपतिनाथ आ माँ जानकीक भरोसे सौंसे देशके छोडने सरकार एखन धरि कोनो ठोस काज करैत देखल नहि गेल अछि। लोक कमाइत ठामसँ बदेखल कऽ देलाक बाद अपन घर जाए चाहैए। तकरा सुरक्षित गन्तव्य धरि नहि पहुँचौने काठमाण्डू लगायतक ठामसँ पैदले चलब शुरु कऽ देने अछि। ने गन्तव्य आ ने विश्राम आ भोजनक कोनो उपाय। नेतृत्व विहिन जकाँ प्रत्येक निर्णयमे अनिर्णयक बन्दी बनल सरकार आ तकर मोहकमा आम नागरिकक सुरक्षा आ जीवन यापनक हेतु किछु कऽ रहल हो, लगैत नहि छैक।

कोनोना भाइरसक संक्रमणक जाँच–पड़ताल जारी अछि। मुदा अत्यन्त मध्यम गतिमे। आजुक तारिखमे (२० अप्रिल) सरकारी एप ८०८१ गोटेक परीक्षणक आँकड़ा देखबैत अछि। चौत ११ गते (२४ अप्रिल २०२०) नेपालमे लकडाउन लगाओल गेल छल। भेलै जे एहि बीच शंकास्पद सभक परीक्षण भऽ जएतै जाहिसँ समाजक लोक अनेको आशंका आ असुरक्षासँ किछु राहत महसूस करत। मुदा से भेलैक नहि। एकमास होबए जा रहल छैक। जत्तसँ चलल छी। तत्हि अड़कल छी। सेल्फ क्वारेन्टाइन, क्वारेन्टाइन, आइसोलेशन अहिमे कतेको हजार लोक प्रतिक्षामे अछि। विदेशसँ (तेसर देश) आ भारतसँ सेहो आएल लोक पचासो हजारसँ उपर हयतैक, जकरा सरकारेक निर्णयक अनुसार परीक्षण करब जरूरी छैक। से आब कहिआ धरि!

लोकडाउनकेँ लोक मदति कऽ रहल छैक। एक माससँ घरमे भऽ अनेको कठिनाइ भोगि रहल अछि। मुदा एहि लकडाउनमे आम नागरिक जे विभिन्न पेशा, कार्य–प्रणालीसँ जूड़ल अछि आ एखन बेरोजगार भूखे छटपटा रहल अछि तकरो लेल किछु सहुलियत होइत देखल नहि जा रहलैक अछि।

हम सभ प्रदेश नं. २ मे छी। कहै छी मधेशक अपन सरकार। बात आ निर्णयमे आन छओ सरकारसँ आगाँ छैक ई सरकार। मुदा कतय गड़बड़ी छैक–कार्यान्वयन पक्ष अत्यन्त कमजोर छैक। १ टा एम्बुलेन्स आ एक शव वाहन गाड़ी खरीदक निर्णय, कोविड अस्पताल फूटसँ बनएबाक निर्णय, अपन प्रदेशक सभ महानगरपालिका, उपमहानगरपालिका, नगरपालिका आ गाउँ पालिकाक सभक एकमुस्त रकम उपलब्ध करौलक. गरीब, मजदूर सभकेँ राहत देबाक हेतु ! की भेल ? कतौ सोझसँ वितरण नहि भऽ सकल अछि। फेर निर्णय कएलक अछि ५८ करोड़ टका कोरोना भाइरससँ मुक्तिक हेतु खर्च करत। इहो खर्च हयत कि नहि, के जनैत अछि। मुख्य मन्त्रीजीक नियत जतेक नीक रहओ, हुनक मनोभावनाकेँ उचित प्रतिनिधित्व कएनिहार सचिवालय सक्षम छै कि नहि, प्रश्न चिन्ह ठाढ होइत छैक। जे से, ई हुनका सभक सस्या छन्हि। जनता काज देखय चाहैत अछि।

गत किछु दिनसँ जनकपुरधामक महाबीर चौकपर दू गोट महिलाकेँ पाइ छिटैत–झटकारैत भगैत देखल गेल रहय। हल्ला भेलैक पाइमे थूक लगा फेकने अछि। नुआक पहिरनसँ कोनो खास समुदायक हयब ठेकानल गेलै। सामाजिक संजाल अनेको तरहक टिका–टिप्पणीसँ भरि गेल। धन कही प्रहरी–प्रशासनकेँ, समयेपर पकड़लक। ओकर जाँच भेलैक आ अन्ततः ओ निगेटिभ देखल गेलीह। एकटा बड़ आफत अबैत–अबैत टरि गेल। साम्प्रदायिक सद्भाव राखब जरूरी छैक।

एखन हमरो दैनिकीमे कोनो खास परिवर्तन नहि भेल अछि। हँ, तखन दू–चारि दिन पहिने धीरेन्द्र प्रेमर्षि भिडियो कन्फ्रेरेन्स द्वारा एकटा साहित्यकार सभाक आयोजन कएने छलाह। हम ओना लाइभक हेतु तैआर नहि रहैत छी। मुदा हुनक आग्रह आ सामेल होएबलाक नाम हमरा प्रभावित कयलक। ८ बजे भिन्सरक समय रहितो प्राय १ बजे प्रारम्भ भेल कन्फरेन्स वार्ता नीक रहल। एहिमे छलीह पद्मश्री डा. उषा किरणखान, शेफालिका वर्मा, सियाराम झा 'सरस' आ डा. राजेन्द्र विमल। धीरेन्द्र जी संयोजन कएलनि। कार्यक्रम दू भागमे राखल गेल छल – पहिलमे छल कोरोना महामारीक बीच अपन दैनिक जीवनचर्या आ दोसर छल एहि बीच जँ टटका रचना (कविता/गीत) हो तँ सुनाबी वा पुरानो कोनो। सभ गोटे सुनओलखिन्ह। हम अपन टटके कही तँ एही समागमक हेतु लिखल कविता "मुक्तिक बाट जोहैत" सुनौने रहियनि। नेपाल–भारत दुनू दिश कोरोना आतंकक कारणेँ सामान्य व्याधिसँ ग्रसित रोगिक उपचारमे चिकित्सक सभक ढिलाइ अथवा उपेक्षासँ भेल क्षतिक एकटा शब्दचित्र एहिमे देखाओल गेल अछि। पुनः दोसर खेप नव सन्दर्भक संग एहिना जुटानक हेतु आग्रह करैत एक दोसरकेँ हम क्षेत्रक संग सम्वाद कार्यक्रम सम्पन्न भेल छल।

लकडाउनक अवस्थामे लेखन–काज

२०७७ वैशाख ६ गते मंगल दिन

ओह! एहि अबधिमे लेखन काज हमरा लेल कनेक अबूह जकाँ बुझाएल। से साहित्यिक मात्र। पत्रकारक हैसियतसँ निरन्तर कोरोना गतिविधिसँ अपडेट होइत रहबाक कारणे चारूभर कोरोनाक चर्च छोड़ि आन कोरोनाक चर्च छोड़ि आन कोनो वस्तु घुसबे ने करैत अछि। एहनमे साहित्यिक काज कनेक कठिन अछि हमरा लेल। ओना बहुतो साहित्यिक मित्रलोकनि उपन्यास, कथा, कविता, खण्डकाव्य, महाकाव्य, नाटक आदि। लिखबाक गप सामाजिक संजाल मार्फत प्रचारित करैत रहैत छथि।

सरिपहुँ हमरा हुनका सभसँ इर्षा होइत रहैत अछि। एहन भयावह परिवेशमे निचौनसँ अपन साहित्यकर्मे लीन रहि पबैत छथि। टी.भी., पत्र.पत्रिका, अनलाइन खबरि सभ जत–तत्त कोरोना कोरोनाक प्रहार आ आतंक ।एक तँ ओ सभ टी. भी. समाचार नहि देखैत हयताह ।पत्र–पत्रिकासँ कान्छी कटैत हयताह। कम्प्यूटरसँ संगति नहि हयतनि। आ जँ एहि सभमे लागियो केँ कोरोनाक आतंक आ तकर प्रभावसँ ग्रसित समाज ओ राष्ट्रक हालतिसँ अपनाकेँ किछुओ कालक हेतु मुक्त कए साहित्य–लेखनमे लागि पबैत छथि तँ निश्चय हम हुनक दृढता आ निरपेक्षताकेँ सलाम करैत छियनि। ई गुण दुर्भाग्यसँ हमरा नहि भऽ पौलक अछि। हम तएँ एहि लकडाउनक वितैत समयमे हूसि गेल छी। ककरो अनुरोधेँ एक–आध टा आलेख लिखि केँ पठा देब मात्र हमर शौर्यमे गनल जाएत।

जेना एहि बीच काठमाण्डूक नागरिक दैनिक पत्रिकाक साहित्यिक परिवारिक पत्रिका परिवारक सम्पादक महोदयक आग्रहपर रामनवमीपर आलेख पठाओल आ ओ चैत अंकमे छपल। पटनाक प्रसिद्ध महावीर मन्दिरसँ प्रकाशित होबयबला पत्रिका 'धर्मायण'क बैशाख अंकक हेतु जानकी नवमीपर रचना मांगल गेल छल। तकरा पठाओल। अनलाइन पर आइए प्राप्त भेल अछि। दरभंगासँ आइ चन्द्रेश सेहो एहि बैसारीमे संच–मंच नहि छथि। आग्रह कऽ देने छलाह एकटा आलेखक, से हम दू–चारि दिन पूर्वे पठा देने छियनि, जकर पावक स्वीकृति आइ फोनपर देलनि अछि।

एकर अतिरिक्त चौत ११ गतेसँ आइ धरिक लगभग एक मासक अवधिमे प्रकाशित भेल स्थानीय 'डेली एक्सप्रेस'क सोमबारक अंकक हमर साप्ताहिक स्तम्भ 'सत्य–सम्वाद'क पाँचटा अंक प्रकाशित भऽ गेल छैक जे निश्चित रुपेँ कोरोना गतिविधिपर आधारित छैक। साहित्यिक लेखनक नामपर कोरोना प्रभावपर केन्द्रित हमर एक मात्र कविताकेँ मात्र लेल जा सकैछ। जे एना अछि –

मुक्तिक बाट जोहैत –

एक बेर फेर सुनल अछि
एम्बुलेंसक पिपअएनाइ!
पक्के ई कोनो दुखितकेँ लदने
बेछोह भागल जाइत
एम्बुलेंसे हयतैक!
लकडाउनक अवस्थामे
अपनाकेँ रेमे बन्न कएने
दिनहु सुनैत ई डेराओल आवाजकेँ

निजगुतीक हेतु–

खिड़कियो खोलि कें देखबाक साहस
आब हेरायल जा रहल अछि!
जनकपुरधाम प्रवेशक
एहि मुख्य सड़क दने
नित्यहु हनहमाइत हाक्रोश करैत
प्रत्येक एम्बूलेंसक सायरन
कोनो दुखित–पीड़ितक
अकाल मृत्युक कालध्वनिक रूप
बुझबामे आबय लागल अछि !

ई कहियो ने भेल –

अपन दुखकेँ मेटएबाले
कुहरैत, कनैत, चिचिआइत कोनो रोगी
हारचीटलक बरकापर
उपचारक प्रतीक्षामे एकटक्की लगा
चिकित्सककेँ तकैत हो
आ चिकित्सक कोरोनाक बहन्ने
कतौ कात लागल दबकल हो!
समयक एहि निर्मम अध्यायक परिणति
भगवान बनल चिकित्सकसँ
दूर भेल जा रहल रोगीक मनःदशा

एकटा दीर्घकालीन त्रास उत्पन्न कर लागल छै।
परम्परागत विश्वासक बीच
उत्पन्न भेल जा रहल ई संकट
कोना घुमाओल चिकित्सक आ
रोगिक बीचक आत्मीयता, विश्वास!
जँ सएह तँ की हयतै समाजकेँ ?
एहिना एम्बुलेंसक सीटी बजैत रहतै
लोक ओहिना अस्पतालक बरण्डापर छटपटाइत
चिकित्सकक बात जोहैत–जोहैत
मुक्तिक बाट दिश शनैः शनैः बढ़ैत रहल !!

कोरोना रोगक एकटा खास लक्षण छैक जे विश्वव्यापी रूपमे प्रसार–प्रसार भऽ रहल छैक। जँ ताहिसँ अतिरिक्त शरीरक आन दुखःरोग होइत छैक आ ओ अस्पताल जाइए तँ तकर परीक्षणो नहि कएल जाइछ। आ कतेको जान अनेरे चल जाइछै। नेपालमे एहन कएगोट घटना भऽ गेल छैक – बिना कोरोनो जान चल गेलै।

बस ! हमर साहित्य कम एहि लोकडाउनमे एतबे। आइ धरि ....।

❒❒❒

लकडाउन डायरी–३

कोरोना जाँचक दायरा बढाउ, सरकार!

२०७७ वैशाख १२ गते शुक्र
२४ अप्रिल २०२०। ६:१६ भिनसर

गत दू–चारि दिनमे बड़–बड़ नाटक भेलैए। लकडाउन चलि रहल छैक। सामाजिक दूरी बनाकेँ राखब जरूरी छैक। सरकारद्धारा उपलब्ध कराओलगेल जाँच मशीन आ किट्स सब जाँचक जे परिणाम दऽ रहल छैक ओ आर त्रसित करैत छैक। सर्लाहीक एकटा युवकक रैपिड टेस्ट पोजेटिभ आएल रहैक। ओकरा जनकपुरक पीसीआरमे जाँच कएल गेलै। निगेटिभ अएलै। ओकरा गाम पठादेल गेल रहै। तैयो ओकर स्वाब लए काठमाण्डू पठौने रहै। जे काल्हि देल गेल सूचना अनुसार ओ पोजेटिभ निकलल अछि। आब ओइ १४ वर्षीय बालककेँ लाबि उपचारमे रखबाक तैयारी चलि रहल छैक तँ गाममे ओकर सम्पर्कमे आएल व्यक्ति सभकेँ ताकल रहल छैक।

गलत मशीन, जाँच प्रविधिक कारणेँ प्रदेश नं. २ मे एखन धरि देखल जाइत सहज वातावरणकेँ आर डेराओन बनाओल जा रहल छैक। सामाजिक अभियन्ता सरोज राय अपन फेसबुक स्टेट्समे लिखने छथि–मशीन आ कीट्स पर भरोसा नहि कएल जा सकैछ। एकरा तत्काल बदलल जाए। मुदा केओ सुनत से लगैत नहि अछि। लकडाउन बढ़ौने चली। ने जाँच, ने नागरिककेँ कोनो तरहक सुविधा। ई तँ छै सरकार सभक क्रिया–कलाप।

ताहि परसँ ओली सरकार तँ हदे कए देलक। कोरोना संक्रमितसँ त्राहिमाम देशक जनताकेँ अपने हालपर छोड़ि दूटा अध्यादेश पास करौलक अछि। एकटा सम्बैधानिक परिषद सम्बन्धी, दोसर दल विभाजन सम्बन्धी। दुनू पूर्व कानूनमे

संशोधन छैक। उद्देश्य–ओलीजीक कथनानुसार कहाँ दन मधेशवादी दलकेँ तोड़बामे सहजता हएतै।

आ से भेलै। १० गते वैशाखकेँ खूब दिन भरि खेला चललै। सांसद डा. सुरेन्द्र यादवकेँ काठमाण्डू लऽ जाएब, नेतृ रेणु यादवक नेतृत्वमे सपा पार्टीक आठ गोट सांसदक गुटबन्दी आ पार्टी फोड़बाक चर्चा। एहि त्रासकेँ बीच सपा आ राजपा बीच मध्य रातिमे आाश्चर्यजनक एकीकरण! सिनेमाक रील जकाँ चलैत घटनाक्रम। अनेको तरहक वयान, आशंका आ मान–मनौअलक बीच अन्ततः पार्टी फोड़बाक निर्णयसँ पाछाँ हटि अपन अडानकेँ बदलैत सांसद लोकनि नेतृत्वपर दवाबक हेतु ई जरूरी कहि सामूहिक आ लोकतांत्रिक पद्धतिसँ पार्टी चलय, से कामनाक संग नया एकीकरणकेँ स्वागत कएलनि अछि। काल्हिसँ छापा/अनलाइन/ इलेक्ट्रोनिक मिडियामे एकसँ एक खिस्सा आबि रहल अछि– रोचक, रोमांचकारी । तखन जाहि तरहेँ राजपा आ सपा एक भए जनता समाजवादी दलक गठन कऽ काल्हिए निर्वाचन आयोगमे दर्ता प्रक्रिया बढ़एबाक लेल निवेदन दर्ता करौलनि अछि –एहिसँ मधेशमे किछु कथित नेताक असन्तुष्टिकेँ छोड़ि सामान्य मधेशीक हेतु सुखद समाचार मानल जा रहल छैक। हँ, तखन बहुत ताम–झाम मिलाएब जरूरी छैक। अध्यक्ष सभक पदस्थापन, बरीयताक्रम, कार्यशैली आ अधिकार आदिपर बादमे बहस हयत। एखन तँ एकटा क्रूर षडयनक अन्त करबाक हेतु भेल ई ऐतिहासिक एकता आबयबला कोनो बाधा–विरोधक सामना करैत आगाँ बढ़त एहन आशा लोक कएने अछि।

तखन दुनू विधेयक आनि जाहि तरहेँ प्रधानमन्त्री अपने पार्टीमे आलोचित भऽ रहलाह अछि से ततबे रोचक भऽ गेल अछि। आब तँ खबरो आबय लागल छै–कहाँ दन सरकार दुनू अध्यादेश फिर्ता करत! करओ...! जेकरा एहि बातक कोनो खिआल रहै तखने ! ई नहि सही, फेर दोसर दाओ खेलल जाएत।

२ नं. प्रदेशक सरकारकेँ खारिज कऽ अपन वर्चश्वक सरकार बनएबाक शुरुएसँ प्र.म.ओली लगायत नेकपा नेताक अर्जुनदृष्टि पर बेर–बेर मधेशी जनताक एकबध्यतापर प्रहार करैत रहल अछि आ एहि बेर तँ आर ठोस आ सजग रूपेँ प्रतिकार कए २ नं. प्रदेश सरकारकेँ पाँच वर्षक पूर्ण अवधिक हेतु लालमोहर लगा देलक अछि।

मुख्यमन्त्रीक रूपमे लालबाबू राउतक अक्रामक भूमिकाक प्रति निरन्तर आक्रोशित रहल संघीय नेतृत्व एहि बेर असफल भेल अछि। आब जिम्मा २ नं. प्रदेश सरकारक छैक. जनता आ सरकारक बीचक दूरीकेँ कम कए सभक विचारकेँ मोजर दैत एखन कोरोना महामारीसँ जनताक प्रत्यक्ष अनुभूति होबयबला राहतक व्यवस्था करए। समुचित स्वास्थ्य–परीक्षणक व्यवस्था हो।

आ सभसँ उपर भ्रष्टाचारक जे आरोप लगैत रहल अछि, ताहिसँ अपनाकेँ स्वच्छता प्रदान करबाले सम्पूर्ण खर्च आ काम–प्रक्रिया पारदर्शी राखल जाए।

हमरा लगैत अछि गत दू–चारि दिनक गतिविधिसँ प्रदेश सरकारक दायित्व बढ़ि गेल अछि।

२०७७ वैशाख १३ गते शुक्रदिन
२०२० अप्रिल २५

अन्ततः नेपाल सरकार दुनू अध्यादेश फिर्ता लेबाक निर्णय कैलक अछि, जकरा औपचारिक रूपेँ राष्ट्रपति कार्यालय मोहर लगा देलक अछि। मधेशवादी दलकेँ फोरबाक क्रूर आशयसँ लाओल गेल ई अध्यादेश अपन लक्ष्यकेँ पूरा नहि कयल गेलापर ओकरा खारिज करबाक अतिरिक्त आन बात नहि छलै, से भेल। दलकेँ तोड़ि नेकपामे समाहित (महेश वस्नेतक आशयक आधारमे, इन्टरभ्यू, प्राइम टीभी ऋषि धमला संग) करबाक मनशाय देखार भेलै ओ मधेशी दलकेँसावधान करबा लेल काफी छैक। मुदा, जाहि तरहेँ अन्तरवार्तामे प्र. म. ओलीक अत्यन्त लगक एकटा सांसद बात रखलक ओ कतेक विश्वसनीय छैक ई बादमे बूझल जएतै, मुदा खतरा तँ छैहे – एहिसँ सावधान रहब जरूरी।

एखन २ नं. प्रदेशमे जाँच रूकल अछि। मशीन ठीकसँ काज नहि कए पाबि रहल छैक। २५ लाख टकाक पोर्टेवल मशीन सहज हयतै बूझि ओम्नी कम्पनीसँ किनने छल सरकार, आब ओकर परिणाम शंकास्पद होबय लागल छैक। तँ की एखनधरि आएल निगेटिभ शंकाक घेरामे अछि? नहि, एहन नहि हो, नहि तँ अनर्थ भऽ जएतै। सभ जाँच कराए घर चल गेल अछि। तैयो सभकेँसावधान तँ रहहि पड़तै।

एहनो लकडाउनमे ‘आंजुर’क चैत–वैशाख २०७७क अंकक तैआरी चलि रहल अछि। कम्पोज करबामे कठिनता छैक। नेपाल–भारत दूनु ठाम सएह अवस्था छैक। तैँ केओ कोनो तरहेँरचना पठा रहल छथि, पठौने छथि तकरे रखबाक प्रक्रिया चलि रहल अछि। ई अंक नेपालीय मैथिली कथा साहित्यक अवस्थापर केन्द्रित हो तकर तैआरी चलि रहल छलै कि लकडाउन भऽ गेलै। सभ चौपट भऽ गेलै, आब सम–सामयिक विषयपर केन्द्रित भऽ ई अंक निकलत। आ से लकडाउनक बादे सम्भव!

‘डेली एक्सप्रेस’क हेतु स्तम्भ लिखब नियमित प्रत्येक रविकेँ होइत अछि। से काल्हि हयबे करत। तखन विषय की हो – सोचैत छी। से काल्हिए फाइनल करब।

काठमाण्डू कोरोना मुक्त भऽ गेल अछि। सन्तोष भेल। बच्चासभ एखन

सुरक्षित अछि, आर सुरक्षित अनुभव करैत हयत। ओना घरेमे अछि। पटनाक चिन्ता बढ़ल अछि। पटनामे एक दर्जनसँ उपर संक्रमित भेटि गेलैए। आब तँ डाकबंगला चौराहा आ पटेलनगर सेहो लाक कऽ देल गेल छैक। पटेलनगर सएह हमर चिन्ताक कारण अछि। पश्चिमी पटेल नगर, आदर्श चौक दिश हमर बचिया रहैत अछि, आदर्श कोलोनीमे। सावधान अछि, घरेमे अछि। तैयो संत्रासक वातावरण तँ छैके।

२०७७ बैशाख १७ बुधदिन
अप्रिल २६, २०२०

जनकपुरधाममे रहल पीसीआर मशीनमे खराबीक आशंकामे जाँचक काज एतय रूकल छैक। यद्यपि चिन्हित क्षेत्र सभमे केन्द्रित आ स्थानीय प्राविधिक सभक टोली स्वाब जाँच करा रहल अछि–हेटौडा अथवा धरानसँ। जे से काज एकदम्मे नहि रूकल छैक। तथापि, एखनो क्वारेन्टाइन, आइसोलेशनमे रहल शंकास्पद सभक तेजीसँ जाँच प्रक्रिया आगाँ नहि बढि रहल अछि। मात्र भगवती जानकीक आशा छै–जँ डेढ़ मास ठहरि गेलै तँ अगुओ स्वस्थ रहतैक। अर्थात सरकारी तत्परताक अभावें भगवानपर भरोस टिकल छैक। साँच कही तँ प्राकृतिक उपचार। ने दवाइ, नेदारु, ने डाक्टर ने अस्पताल। बस घरमे दबल रहू, मन मारि कँे, सभ इच्छा–आकांक्षाकेँ दाबि कँे राखू। सरकार किछु नहि करत, करू अपने। ओ सोचैत हएत– डेढ़ मास बितिए गेलै तँ कोरोना आब आओतैक कत्तसँ। सएह ने!

ओना २ नं. प्रदेशमे फेर बढलैए। संघीए सरकारक कोनोरा सम्बन्धी सूचना अस्पष्ट होइ छै। प्रदेश सरकार की करैए, हमरा ज्ञात नहि अछि। साफ–साफ जानकारी अएने कोनो राय बनाबमे सुविधा होइत छैक। नहि तँ अन्हार घर, सांपे–सांप ।

संघीय सरकार एखन दबाबमे अछि। कही तँ प्रधानमंत्री के.पी. ओलीकेँ सभ फकरा संटकि गेल छन्हि–सभ अपन / परार गद्दीपर चढाइ कऽ देने छन्हि। एकटा छोड़ू नहि तँ दुनू। आ ओली जी कहिते छोड़ि देलनि तँ खड़क प्रसाद कथी ले। दुनू दिश रसाकस्सी चलि रहल छैक। आइ अपराहन दिश सचिवालय छैक। अपन गद्दीक सुरक्षा ठीक जाधरि नहि लगलनि, बैठक–बैसब नहि चाहैत छलाह। आब लगैत छन्हि। प्र.म. गद्दी तँ बाँचि जएतनि, अध्यक्ष पद पर आशंका छन्हि। प्रदेश सभमे मुख्यमन्त्री सब बदलल जा सकैत अछि। केन्द्रीय मन्त्रिमंडलमे थप–घट भऽ सकैत अछि। माने किछु हएतैक जरूर! एखन कमजोर कड़ी भेटल छैक तएँ सभ

हथौड़ाकेँ सोझिया कए रखने अछि। ओना राजनीति छै – किछु भऽ सकैछ, आ किछुओ नहि हएत।

२ नं. प्रदेश सरकार एखन तँ ठीके लगैत अछि। भऽ सकैछ खतरा अबैत–अबैत टरि गेल हो। राजपा–समाजवादीकेँ मिललासँ सरकार तँ मजबूत हयबे करतै–सरकारक स्वरूपमे परिवर्तन भऽ सकैछ। मुख्यमन्त्री बदलतै से नहि लगैए। ओना जातीय समीकरणक बलपर राजनीति कयनिहार पूर्वहिसँ हिनक खुरसीपर गिद्धदृष्टि रखने छल, आब तँ किछु अवसरो छैक। नया समीकरण, नया अनुहार! मधेशक हकहितमे निरन्तर आक्रामक रुपेँ प्रस्तुत होइत आबि रहल मुख्यमन्त्री लालबाबू राउत कोनो तरहें बदनामी नहि कमौने छथि। हुनक इएह यश आगाँ काज लागि सकैत छनि।

आब जनता समाजवादी पार्टीक एकीकरण स्वरूप, पदाधिकारी सभक सर्वसम्मत चयनपर निर्भर करैत अछि।

अपना पार्टी भीतरक अन्तरविरोधकेँ अपना अनुकूल बनएबाक हेतु लाओल गेल दू गोट विधेयक पर अपनो पार्टीक व्यापक विरोधक बाद खारिज कएला पर भलहिं ओ विवश भऽ गेल छथि, मुदा आन्तरिक बैठक मधेशवादी दलकेँ विभाजनक हथियारक रूपमे प्रस्तुत करबाक कारणेँ जबरदस्ती डा. सुरेन्द्र यादवक कथित अपहरण प्रकरणक संग सजपाक असन्तुष्ट सभकेँ गोलबन्द करबाक सरकारी प्रयास अपन वचनकेँ पार्टीमे सत्य साबित करबाक एकटा प्रयास मात्र बुझल जा रहल अछि। नहि तँ अध्यादेश अनबासँ पूर्बे संघीय साजवादी पार्टीसँ कथित असन्तुष्ट रणनीति बनएबा लेल राजधानी काठमाण्डू आबि विमर्श करितथि। सरकारी माध्यमक प्रयोग कऽ होटल सम्मिटमे किएक जम्मा होआए पड़ितैक। एक दिनमे जम्मा भऽ पार्टी फुटएबाक आन्तरिक प्रक्रिया पूरा करबाक प्रयास असफल भऽ गेलैक। रातिमे राजपा आ सपा एक नहि भेने फूटल सभक नवका पार्टी दर्ता होइतैक, जँ डा. सुरेन्द्र यादव अपन विचार नहि बदलितथि। परिस्थितिक भयावहताकेँ गमि ओ जनकपुरेमे अपन, सुरक्षाक जोगाड़ शुरू कऽ देने छलाह, जकर परिणति होटलसँ डा. बाबूराम भट्टराइक घरमे पदार्पणसँ भेल। डा. सुरेन्द्र यादवकेँ बहराइते एक–आध कछमछाएल हयत आ तखन ई अभियान एहिना भय–त्रासक बीच लटकि गेल हयतैक।

मधेशक जनता लेखेँ दुनू दलक मिलन लकडाउनक एकटा बड़का उपलब्धि लगैत हयतैक। वर्षोक चाहत आइ पूरा भेल छैक–मधेशवादी दल एक हयब आ मधेशी भावनाक सम्मान करब। आब एकर पदाधिकारी सभक पदस्थापनक बात

छैक– नेता लोकनि रुस्सा–फूली नहि कऽ मधेश आ देशक आवश्यकताकेँ बुझथि आ घाटा–नाफाक व्यापार जकाँ डंटी–तराजू सँ नहि तौलि, देश आ मधेशक दशा–दुर्दशापर ध्यान केन्द्रित कऽ सिपाहीक रूपमे एहि धरतीक हेतु आगाँ आबथि। कोनो घटित होबयबला घटनापर आश तँ लगाओल जा सकैछ, विश्वासे करब कठिन। नेता सभमे आत्म गौरब उठएबाक सोच आनसँ फुट राखि केँ एकटा पैघ परम्परागत सोच छै, जाहिसँ एखन मधेश कमजोर हयत। ककरो हँसी उड़ेबाक अवसर नहि दऽ केन्द्रीय नेता लोकनिक उपयुक्त दर्जाक संग सम्मानपूर्वक काज करबाक स्वतन्त्रता आ गहन विमर्शक हेतु सामूहिक सहमतिक मूलमंत्र लऽ आगाँ लाएल जाए तँ पार्टी आ प्रदेश – दुनूक हितमे हयत, एहिमे विश्वास कएल जा सकैछ।

एहि बीच साहित्यिक काज शून्य सन। 'आंजुर' (चैत.वैशाख ७७)क तैयारी चलि रहल अछि। छपत लकडाउनक बादे, मुदा ताहिसँ पूर्व हम एकर अनलाइन संस्करण बाजारमे राखय चाहब। देखी कहिआ सम्भव होइछ।

❒❒❒

लकडाउन डायरी–४

सखी हे हमर दुखक नहि ओर

२०७७ बैशाख २० गते शनिदिन
२ मइ, २०२०

समाचार आबि रहल अछि २ नं. प्रदेशमे कोरोना भाइरसक जाँच रूकल छैक। जे पीसीआर मशीन उपलब्ध कराओल गेल छल ओ आन सभ प्रदेशसँ गेल–गुजरल रहैक। एक सएसँ उपरक जाँचो भेलैक, जाहिमे सभ प्रायः निगेटिभे देखौलक। डर तँ तखन भेलैक, किछु निगेटिभ देखाओल रोगी बादमे आन ठामक जाँचमे पोजेटिभ निकलल। एक दिश जाँच बन्न छैक। दोसर दिश आरडीटी परीक्षणक विश्वसनीयता खतम कऽ चुकल अछि। ई पहिनहु शंकास्पद छल। आब तँ देखारे भऽ गेल छैक। भारतोमे एकर प्रयोगपर कयराज्य रोक लगा देने छैक। सम्बन्धित मंत्रालय कहैत अछि– दोसर पीसीआर मशीन किनबा लेल सम्पर्क कएल जा रहल अछि। मुदा भेटि नहि रहल छैक। तखन भगवान भरोसे जहिया धरि चलि सकै छै, चलाओल जाए।

एखन १६ गते शुक्रधरिक सरकारी आंकडा छैक. संक्रमित ५६ गोट, आइसोलेशनमे ६४ गोटे, नीक भऽ कें घर घुरल १६ गोटे, मृत्यु शून्य। सम्पूर्ण देशकें आगाँ राखि कें देखी तँ ओतेक खराब आंकड़ा नहि छैक। मुदा जखन जाँचक अनुपात देखी तँ झमाकें खसब। ६० हजारसँ किछु बेसी– दुनू जाँच भेल अछि। ताहिमे एखनो कतेक सए रीपोर्ट आएब बाँकी छैक।

दू नम्बर प्रदेशक हाल बेहाल छैक। एखन धरि पाँच हजारसँ किछु उपरक मात्र जाँच भेल छैक। २०६८ सालक जनगणनाक आधारपर धनुषा जिल्ला मात्रक जनसंख्या ७,५४,७७७ छैक। आब कतेको लाख बढिए गेल हयतैक। एहिमे उँटक मुहमे जीरक फोरन जकाँ होइत जाँच स्वास्थ्य समस्याक बारेमे आश्वस्त नहि कऽ सकैत अछि। तखन जानकी जीक कृपा छन्हि ...। जाधरि चलैत अछि, चलैत रहत।

सत्ताधारी लोकनि अपन–अपन गद्दी बचाबमे आ तकरा बाँटयमे लागि गेलाह अछि। देशमे लकडाउन छैक। हर तरहें त्राहिमाम छैक। ओ सभ अपने तँ घुरिआएले अछि, विपक्षी सभकँ तोड़बा–फोड़बाक काजमे लागि ओकरो सभकँ चैनसँ रहय नहि देने अछि। सरकार विहिनताक अवस्थामे एतुक्का लोक गबदी मारने अछि।

१ मइकँ जानकी नवमी रहैक। मने काल्हि। कोरोनाक कारणें समारोह तँ नहि भेलै, मुदा मन्दिरक भीतरमे विधिवत् पूजा–अर्चना भेलैक। किछु बाहिरी व्यक्तिक प्रवेश मात्र सम्भव छल आ से कहाँदन छोटे महन्थक कृपासँ मात्र।

तेहने आगन्तुक एकटा पत्रकार पूजाकालीन चित्र सामाजिक संजालमे सार्वजनिक कएलक–छोटे महन्थक हाथमे 'केक' लेने। लोक स्तब्ध भऽ गेल–जानकी जीक जन्मक अवसरपर केकक प्रयोग। ई कोन विधि भेलै। भयंकर आलोचना भऽ रहल छैक। छोटे महन्थ सफाइ देलनि अछि–ई कोनो भक्तजनक चढ़ौना रहैक, जकरा प्रसाद रूपमे बाँटल गेल रहए ...। सनातन धर्मावलम्बीक संग जनकपुरधामक गरिमाकँ अभियानमे आगाँ रह बलासभमे एहिपर म्भीरतासँ सोचब जरूरी लगैए–आखिर ई कोना आ किएक भेलै?

एहने सन एकटा आर अप्रत्याशित प्रसंग आएल। काल्हि एक गोटे शुभचिन्तकक आग्रह आएल रहए–एकटा आलेख चाही। मधेशवादी दल सभक एकता प्रकरणपर ...। से चौबीस घंटाक भीतर। हम १६०० शब्दक एकटा आलेख तैयार कऽ आइए–काल्हिए बुझा देने छियनि। पता नहि ओ की करैत छथि...।

दरभंगासँ चन्द्रेशजीक फोन अबैत अछि। लेखनपर बातचीत होइत अछि। ओ एहि लकडाउनकँ नीक उपयोग कऽ रहलाह अछि। इतिहास आ दर्शनपर काज कऽ रहल छथि, नीक लागल। लकडाउनक बाद किछु ठोस सामग्री आओत से आशा अछि।

हमर दिन–चर्यामे कोनो परिवर्तन नहि। दिनभरि घरेमे। टी.भी. सिरियल, सिनेमा देखैत। कम्प्यूटरपर अनलाइन समाचार पढैत आ आँजुरक चौत.वैशाख, २०७७ अंकके संयोजन करैत...।

२०७७ साल बैशाख २६ गते
७ मइ, २०२०

गत एक सप्ताहमे बहत किछु घटित भेलैए। संघीय सरकारक दल नेकपा फुटैत–फुटैत जूटल अछि। प्रधानमन्त्रीक पद तँ बँचल छन्हि मुदा पार्टीक आन्तरिक

विवाद कम हयबाक नाम नहि लए रहल अछि। एहि बीच संसदक अधिवेशन बजाओल गेल छैक। बजेट प्रस्तुत करब मुख्य उद्देश्य छैक। संसद भवनमे सांसद लोकनिकेँ सामाजिक दूरी कायम रखैत बैसबाक व्यवस्था कएल जा रहल छैक।

एम्हर कोरोना संक्रमितक संख्या तेजीसँ बढि रहल अछि। ई संख्या भीतरेमे बाहर (खास कए भारत) सँ आएल कोनो एक.आध लोकमे भेटलोपर तकरे प्रभावे परिवार–समाजमे पसरल अछि। वीरगंजमे फेरसँ एक्के परिवारक सत्रह गोटे संक्रमित भेटल अछि जे २ मासक बच्चाक संग ६६ वर्षीय प्रौढ छैक। सरकार निरीह बनल अपन गद्दी बचएबाक जोगारमे लागल अछि। ने प्रयाप्त जाँच बला कीट छैक आने विश्वस्त जाँचबला पीसीआर मशीन। भगवान भरोसे अपन जान जोखिममे राखि जाँचि रहल। पीड़ित भगवानेक कृपासँ एखन धरि ठीक भऽ केँ जा रहल अछि। ६६गोट संक्रमण घुरि गेल अछि तँ तीन गोटेमे पुनः संक्रमण देखल गेलापर फेरसँ उपचारमे राखल गेलैए। ने जाँच ठीक, ने मशीन ठीक आ ने उपचार ठीक। तखन भरोस तँ भगवाने पर ने।

सरकार लकडाउन जेठ ५ गते धरि बढा देलक अछि। लक्ष्य जेठ १८ गते धरिक भऽ सकैछ । कारण सीमा आ हवाइ यातायात सब जेठ १८ गते तक पूर्णतः प्रतिबन्धित रहत।

आब लोकमे आक्रोश होअए लागल छैक। लकडाउन ठीक छै, मुदा सरकारक निष्क्रियतासँ जाँचक प्रतिशत बढ़ि नहि रहल छैक। आ जखन जाँच नहि बढतै तँ स्वास्थ्य सम्बन्धी निर्धारण कोना हयत ! आ से जँ नहि हयत तँ लोक लकडाउनमे कहिया धरि कष्टपूर्ण जीवन वितबैत रहत!

सरकारक संग एहि सम्बन्धी कोनो योजना नहि छैक। जानपर खेलि केँ असुरक्षित तरकारी कीनू, चाउर–दालि–आटा कीनू। दर–दबाइ लाउ। सरकार चारू भरसँ सुरक्षित आवास आ यातायातक संग रणनीति बनबैत रहत।

विदेशमे कमाइत नेपाली सभ अपन देश अएबाक लेल छिछिआ रहल अछि। भारतक सीमापर अहुरिया काटि रहल छैक। ओकरा सभकेँ कोरोनटाइन वा जाँच प्रक्रिया पूरा कए घुरएबाक कोनो तैयारी सरकारक नहि छैक। सोझे हुलबाक नहि छैक। स्वाव जाँच कए निरोगकेँ भीतर लाओल जाए। तकर जोगार तँ सरकारे करतै ने!

नेपालमे सालाना अनुमानित आठ–नओ खरब रुपैया रेमिट्यान्ससँ अबैत छैक। गत वर्षक तथ्यांक अनुसार आठ खर्ब ७६ अर्ब रेमिट्यान्स रकम नेपाल आएल रहैक जे नेपालक कुल गृह उत्पादनक २५.४ प्रतिशत छैक। देशक समृद्धिमे एतेक धरि योगदान देनिहार सभ विदेशमे कोरोना पीड़ित भऽ जीवन–मरनक

संघर्षमे अछि तँ काम छूटि गेने अपन देशमे सुरक्षित आपसक हेतु छटपटा रहल अछि। ई दायित्वसँ सरकारकेँ भागब कतेक उचित छैक। आबयबला समय एकर मूल्यांकन करत।

एहि बीच साहित्यिक काम लगभग रूकले छैक। तखन फेसबुक लगायतक सामाजिक संजालसँ साहित्यकार मित्रसभसँ गप–शप होइत रहैत अछि। एहिमे चन्द्रेश आ महावीर मन्दिर, पटनाक पं. भवनाथ झा प्रमुख छथि। पहिलसँ पूर्णरूपेँ साहित्यिक गतिविधिपर बात होइत अछि तँ दोसरसँ पुरातत्व आ सांस्कृतिक सम्पदापर। ई महज बातचीते नहि, ताहि विधाक कनेको अनछूअल प्रसंगकेँ सहेजबाक सुखद पल सेहो होइत अछि। जकर प्रयोग तत्काल भलहिं नहि हो, बादमे उपयुक्त प्रसंगमे आवश्य हयत।

स्थानीय स्तरपर सभ स्थिर अछि। कोनो सगबगाहटि नहि। तखन एहि चुप्पीकेँ तोड़लक जानकी मन्दिरक कथित छोटे महन्त। जानकी नवमी प्रसंग। १ मइक एकटा चित्र सामाजिक संजाले भाइरल भेलै–जानकी जीकेँ प्रसादक रुपमे केकके वितरण। हल्ला मचि गेलै। आरोप–प्रत्यारोप भेलै। किछु भेलै कि एकरे गओमे एकटा स्थानीय एफ.एम. जानकी मन्दिरक महन्थ राम तपेश्वर दास वैष्णवसँ अन्तरवार्ता लए बैसल। आ ताहिमे ओ जे कथित छोटे/उत्तराधिकारी महन्थ प्रति आक्रोश व्यक्त कएलनि ओ बहुतोकेँ स्तब्ध कए देलकै, एहिमे हमहुँ छी। विना स्वीकृति उत्तराधिकारी महन्थक पद कोना भेलै ? हमर १२.१४ टा शिष्य अछि। ओ तँ साधारण शिष्य छैक। एहि बीच करोड़ो टका विभिन्न मंत्रालय आदिसँ उठौलक, तकर हिसाब नहि देलक अछि। से देबय पड़तै। जल्दी एहि सम्बन्धमे सामाजिक बैसारक घोषणा आ महन्थ नियुक्तिक सल्लाह लेबाक बात सभ....।

विश्व सम्पदा सूचीमे जाएबाक बाटमे रहल विश्वविश्रुत जानकी मंदिरक कर्ता–धर्ता लोकनिक ई करतूतसँ सम्पूर्ण समाज आ धर्मावलम्वी दुखी भऽ गेल अछि। लकडाउन छै तएँ किछु कठिनाइ तँ छैक। नहि तँ, तत्काल सामूहिक बैसार कऽ एहि बातकेँ सोझिआबय पड़तै...।

फेसबुक प्रोफाइलमे लिखल ५ मइ १९५१ हमर जन्मदिनक तिथि पड़ल छल। यद्यपि वास्तविकता किछु दोसरे छैक। से वादमे तकरा व्यवस्थित करबाक प्रयास कएल जाएत। एखन एहि तिथिपर सामाजिक संजालक माध्यमें जाहि तरहें हमर शुभेच्छुक लोकनि स्नेह, सद्भावक पथार लगा देलनि, हम फूट–फूट आभार व्यक्त करबामे असमर्थ भऽ गेलहुँ। नेपाल–भारतक सभ गोटेकेँ हम हृदयसँ आभार अपन फेसबुक स्टेटसमे दऽ देने छियनि। हमरा एहि मुकाम धरि पहुँचबामे एहने सन प्रेम–स्नेहक योगदान रहल अछि।

'जनकपुर एक्सप्रेस' नेपाली दैनिक विगत किछु दिनसँ नियमित प्रकाशित होबय लागल अछि। 'गामघर साप्ताहि'क सेहो आबि रहल अछि। ई सभ छपियो रहल अछि। मुदा 'आँजुर' पत्रिकाक एखन छापब सम्भव नहि भऽ रहल अछि। तथापि ई पत्रिका २०२० चैत–बैशाख अंक तैयार भऽ गेल छैक। भऽ सकैछ एकरा अनलाइन रिलिज कऽ दी। तकरा बाद छापल जाएत यथासमय।

कथा कविता दिश एखन मने ने जाइए। तखन 'गामघर', 'आँजुर' एहिना नवका अंकमे हमर छोट–छीन सम्पादकीय छैक–संक्रमित नया वर्ष 2077। सम्भव थिक ई किछु हद धरि कोरोना माहौलक संग साहित्यिक सुरभि सेहो दऽ सकए ।

२०७७ बैशाख २६ गते शुक्रदिन
२०२० मइ ८

आइ तेहन तँ कोनो एहन घटना नहि भेल जकर विशेष रुपें उल्लेख कएल जएबाक चाही। तखन कोरोना संक्रमण दिश एक डेग आगु –१०२ भऽ गेल सरकारी तथ्यांक । एकटा अद्‍भुत लक्षण छैक कोरोनाक। एखन धरि जतेक संक्रमित भेल अछि नेपालमे तकरामे कोरोना भाइरसक जे निर्धारित लक्षण छैक ओ नहि देखल गेल छैक। दू–तीन सप्ताहक कथित उपचारक बाद घर घुरैत अछि लोक की तँ जाँचमे दोष छैक अथवा कोरोनाक कोनो दोसर प्रकार एतए सक्रिय छैक। भारतहुमे उपचाररत किछु व्यक्तिमे लक्षण नहि देखल गेलैए। मुदा ई संख्या अपवादमे रहैछै। नेपालमे शतप्रशित एहन भेटलैए। तएँ कनेक संशय आ बेसी खुशी लगैछै।

हमरा घरक आगाँ(दक्षिण दिशसँ) जनकपुर–यदुकोहा, जनकपुर– खढिहानी जाएबला पक्की सड़कक दुनू कात भोरमे लगैत तरकारी बाजार आइसँ हटल अछि। ई पुरने रेलवेक जमीनमे पुनः लगाओल जाए लगलैए। एहिसँ हमरा राहत भेटल अछि। ठीक हमरे घरक आगाँक सड़कपर लगबैत छल। ओम्हर पुलिस हुरकैत छलैक तँ फटसँ नाला टापि उत्तर भर हमरा खाली जमीनमे बजार छानि दैत छल, जकरा हटएबाक लेल जोरसँ डाँटय पड़ैत छल। आ भोरमे अंगनईमे ठाढ भऽ पहरदारी करय पड़ैत छल जे कतौ पुलिस खिहारलकैक तँ भागि कें हमरे घरक आंगनमे ने आबि जाए।

लोकक चहल–पहल बढ़लैए नहि। अति आवश्यक काजसँ बाहर नहि जएबाक सरकारी निर्देशकें देखैत हम लगभग दू माससँ घरेमे छी। वाहिरी

काम–तरकारी, दबाइ आदि नातिसँ वा घरे रहल आन सदस्यसँ मंगएबाक प्रयास करैत छी। अपन दैनिकी ओहिना चलि रहल अछि। हमर बूढ़ी सेहो घरेमे रहैत छथि आ हमरासँ बेसी निश्चिन्त रहैत छथि। हुनका कोरोना प्रकोपसँ डर नहि लगैत छन्हि से नहि, ओ अखबार, अनलाइन वा टी.भी. समाचरा देखैत नहि छथि। हमरा जकाँ मोबाइलमे क्षण–प्रतिक्षणक खबरि उधेसबाक कोनो इच्छोने रहैत छन्हि। आ जैँ एहि झंझटिसँ बचल छथि–बेसी खुश–फैल आ निश्चिन्त छथि। हमरा हुनको स्वास्थ्यक सुरक्षाक खियाल राखय पड़ैत अछि। आ नीक लगैए....।

साहित्यक तँ बात किछु करहि पड़त। 'कान्तिपुर'मे प्रकाशनार्थ एकटा आलेख हमरासँ लिखाओल गेल छल पछिला सप्ताह। से एखनधरि आएल नहि अछि। आब आओत तकर आशा नहि अछि। ओ राजनीतिक आलेख रहैक, जकर समसामयिकताक महत्व होइछ। लगैए हमर सभ मेहनति बेकार गेल!

हँ, तखन सन्तोषक बात ई जे काल्हि एकटा गीत लिखल। मिथिला–महिमा। कोनो आत्मीयक आग्रहपर। पता नहि केहन सुतरल अछि। हम आइए एकरा दिल्ली पठादेल अछि। देखी केहन बनैए ...।

❒❒❒

लकडाउन डायरी–५

कोरोनाक दहशतिमे साहित्यक राग

२०७७ बैशाख २८ गते सोम

१२ मइ, २०२०

विश्वस्वास्थ्य संगठन, देश–विदेशक भाइरस विशेषज्ञ, अनुसन्धानदाताक संगहि अपनो देशक सरकार कोरोना भाइरसक आतंकसँ सम्पूर्ण नागरिक समाजकेँ अवगत करबैत रहल अछि। ई नहि करू, ओ नहि किओ ! एना करू तँ ओना करू ! आ सब्सँ उत्तम जनसुरक्षाक लेल घरेमे बैसू, बेर–बेर हाथकेँ बीस सेकेण्डधरि मलि–मलि केँ धोउ!

आइ ४८ दिनसँ ई सन्देश सुनैत–सुनैत मोन बेर–बेर विचलित होइत रहलए। कखनो काल तँ लगैए–घरोक सामान जँ छुबै छी तँ तत्काले हाथ धो लेबाक चाही। ओ चाही पुस्तक होइ, कागज होइ, कलम होइक। टेलिभिजनक रीमोट होइक कि हाथमे निरन्तर बनल रहयबला सहभागी मोबाइल होइक। एहि मनःस्थितिमे लकडाउनमे बैसल छी । अत्यन्त सतर्क आ आँखि–कान खुजल रखने... ।

मुदा देशक आन भागमे, देशक राजनीतिमे पद आ प्रतिष्ठाक खेल खेलनिहारक हेतु कोरोना आतंक सहज भऽ गेल अछि । लगैए ताहि जीवट लोकक आगाँ कोरोनाक बहुत किछु सोचवा पर बाध्य कए देने छैक। मुदा ई बाध्यता महज खियाली पुलाओ मात्र छैक–नेपालमे कोरोनाक संख्या बढिए रहल छैक ।

आ एहि बढोत्तरीसँ निश्चिन्त किछु लोक अपन.अपन दांव सुतारबाक काजमे पाछाँ नहि अछि। टटका प्रसंग जानकी मन्दिरक छैक। जानकी मन्दिरक बहरिया पट बन्द भेलहुँ भीतरका पदाधिकारी लोकनि 'महन्थ–महन्थ' खेलि रहलाह अछि। कखनो मंदिरक महन्थ राम तपेश्वरदास स्थानीय एकटा एफ.एम.के अपन खनकैत अन्तरवार्ता दऽ कथित उत्तराधिकारी महन्थ रामरोशन दासपर अनेको तरहक

आरोप लगौलनि तँ तकर चारि पाँच–दिनक बाद एकटा दोसर अनलाइन पत्रिकाकेँ अन्तर्वार्ता दैत अपन पछिला कतेको बातसँ नासकार जाइत बोली फेरलनि । एहिसँ जनकपुरधामक शुभचिन्तक सभ पहिलुका अन्तरवार्तासँ जाहि तरहेँ स्तब्ध भेल छलाह, तहिना दोसरो अन्तरवार्तासँ अचंभित भेलाह। ई की भऽ रहल छैक जानकी मंदिरक भीतर । पहिलका अन्तरवार्तामे (जे भिजुअल छैक) ओ अपना उपर कथित छोटे महन्थक दवावक बात कहने छलखिन्ह। से हुनक एहि तरहेँ अपन बातकेँ फेरबाक पछाड़ी एहने कोनो डर वा त्रास तँ नहि – हुनक कतेको शुभचिन्तक हमरा बतौलनि अछि।

किछु पत्र–पत्रिकामे आब मंदिरक विवाद समाप्त भऽ गेल सन समाचार सभ आबि रहल अछि। एकटा पत्रकार तँ महनथजी अपनेसँ अपन पूर्वक विचार पर माफी सेहो मंगलनि लिखि तेसर बेर शुभच्छुक सभकेँ मर्माहत कएने छथि ।

तखन आब प्रश्न उठय लागल छैक, की ठीके जानकी मंदिरक विवाद समाप्त भए गेलै ? हमरा जनैत विवाद समाप्ते हो, से नीक। दुनू अपन–अपन गलतीक हेतु आत्मलोचना कऽ मंदिरकेँ सुव्यवस्थित रूपेँ सामूहिक निर्णयक आधारपर चलएबाक जनमानसकेँ विश्वास दिअबथुन। विश्व प्रसिद्ध जानकी मंदिरक गरिमाकेँ ककरो निहित स्वार्थसँ बट्टा नहि लगबाक चाही तएँ एकर समाधान तत्काल हो। मुदा पत्र–पत्रिकामे आएल विचारसँ हमरा सहमत हयबाक लेल मोन कहैत नहि अछि। हमरा नहि लगैए–महन्थ राम तपेश्वर दासक अन्तरवार्ता जे प्रायः युट्यूवमे सेहो राखि देल गेल छैक आ जकर प्रसारण ७ मइकेँ भेल छलैक, आब एतेक जल्दी बातकेँ थम्ह देतैक।

सामाजिक संजालसँ सम्बद्ध लोक एखनो ओहि प्रसारणकेँ अत्यन्त रुचिसँ देखि रहल अछि। १८.२ सेकेण्डक एहि प्रसारणकेँ एखन धरि ३० हजार देखनिहार भए गेल छैक तँ शेयर मात्र ३५२ गोटे कएने छैक। अर्थात् ई निरन्तर प्रसारित आ देखल जा रहल छैक। भलहिं कोरोनाक भय बीच एहिपर बेसी लोक आगाँ आब नहि चाहैत अछि, मुदा लकडाउन खुजितहिं लोक दुनू महन्थसँ अपन चोखगर प्रश्न अवश्य पुछतनि–की ई जानकी मंदिर ककरो निजी सम्पति छैक, जकर उपयोग जेना मोन भेल, करी।

हम एखनो एहि समस्याक सहजीकरणक पक्षमे छी। विश्व सम्पदा सूचीमे रखबाक तैयारी आइ कतेको वर्षसँ भऽ रहल छैक से मन्दिरमे केक कटबाक आ परम्परागत पूजा पद्धतिकेँ बदलि राजनीतिक आ प्रशासनिक पूजाक रूपमे बदललासँ तँ पक्के नहि हयत। विश्वसम्पदा सूचीमे सामेल करबाक अभियानमे लागल लोक एहिसँ निराश भेल हयताह। आबो समय छै–सभ गोटे

विचारिकेँ देखियौ—मंदिर हमरा सभक शान अछि, प्रतिष्ठा अछि, माँ जानकीक चरण स्पर्श करबाक पवित्र पावन स्थल अछि। कोनो व्यक्ति विशेष सभक हेतु एहि महत्ताकेँ कमजोर कएनिहार प्रति समाजकेँ सचेत होअए पड़त। ओ चाहे भीतरसँ हो वा वाहरसँ ....।

आजुक डायरी तँ बस जानकी मंदिरपर अंटकि गेल। बातो तेहने छैक तएँ एहिपर विचार राखब जरूरी रहए।

आब सुनैछी प्रदेशमे कोरोना जाँचक गति बढल अछि। वीरगंजमे बड़का मशीन काज करय लागल छैक। जनकपुरमे प्रादेशिक अस्पतालमे सेहो पीसीआर शुरू भेल अछि। जाँच धमाधम भए रहल छैक। परिणाम धरि बूझल नहि। अथवा बताओले ने गेल हो। हम बेर—बेर कहै छी—जानकारी चाही से आधिकारिक माध्यमसँ। जेना जनकपुरोमे बैंक सभ खूजल अछि तँ लोकक भीड़ लागब शुरू भए गेलै। जे दृश्य आएल अछि, ओतय लकडाउन हटौलाक बादक दृश्यक आनन्द दैत अछि। ई दोसर बात छैक—लकडाउन ने खुजल छैक आने कोनो छूट देल गेल छैक।

<u>२०७७ बैशाख ३० गते मंगल</u>
<u>१३ मइ २०२०</u>

आइ लकडाउनक ठीक पचास दिन भऽ गेल छैक। प्रायः सरकारेक निर्णय हयतैक, मुदा विना सार्वजनिक कैनहि प्रदेशमे सड़क निर्माणक काज शुरु भऽ चुकल छैक। भऽ सकैछ सड़कक संगहि पुल आदिक निर्माण शुरू भऽ गेल हो। हमरा घरक आगाक मुख्य सड़कसँ विगत एक सप्ताहसँ बढका टीपर (जकरा हत्यारा टिपर सेहो कहल जाइछ) आबा जाही शुरू कयने अछि। एहिमे प्रायः बालु वा गिट्टी रहैत छैक जे पूर्व दिशक कोनो निर्माण काजक लेल होइत अछि। लकडाउनमे सरकारी निर्देशनके पालन करैत घरमे रहैत एहि टीपर सभक दौगनाईसँ उठैत गर्दा सोझे हमरा सभक घरेमे पैसैत अछि जाहिसँ कठिनाइ उत्पन्न भऽ रहल अछि। नीक होइतै, लकडाउन अबधि धरि छोटका दोआनी साधनसँ ई काज होइतैक। से कहल जाए ककरा, मानतै के ?

एहिसँ पहिने घरक आगिलका मुख्य सड़कपर लगैत तरकारी बजारसँ परेशान तँ छलाहें, आब ई टीपरक करिश्तानी।

नेपालमे समयक हिसाबसँ कोरोना प्रभावितक संख्या त्रासित करय बला तँ नहि छैक मुदा जाँचक अभावसँ इएह आंकड़ाकेँ अन्तिम मानब मूर्खता हयत। आब जँ कि किछु शंकास्पद क्षेत्रमे जाँच किछु सघन कएल गेलैए—काल्हि २६ गते एक्के दिनमे २४ गोटे संक्रमित देखल गेल अछि। विगत दू मासमे ई पहिल अवसर अछि जे एतेक व्यक्ति पीड़ित भेल अछि।

नेपालक काल्हि धरिक जे तथ्यांक सरकार उपलब्ध करौलक अछि ताहि अनुसार आब १३४ संक्रमित भऽ गेल अछि, जाहि मध्य ३३ गोटे स्वस्थ्य भऽ घर घुरि गेल अछि तँ तीन गोटे फेरसँ संक्रमित भऽ उपचारमे अछि। प्रदेशक स्तरपर जँ देखी तँ प्रदेश १ मे ३५, प्रदेश 2 मे ३२, वागमतीमे ७, गण्डकी प्रदेशमे २, प्रदेश ५ मे ५३ एवं सुदुरपश्चिम प्रदेशमे ५ भेटल अछि। कर्णाली प्रदेश एखनधरि भाग्यशाली प्रदेशक रूपमे अछि, जाहिमे कोनो कोरोना संक्रमित नहि भेटलैक अछि। क्वारेन्टाइनमे कुल १२ हजार ७०१ गोटे अछि तँ आइसोलेशनमे संक्रमित आ सम्भावित संक्रमित संख्या एक सए ५३ गोटेक अछि।

समाचार आबि रहलैक अछि—दान, दक्षिणामे पीसीआरक किट्स चीन लगायतक देश तथा सहयोगी हाथ सभसँ भेटि रहल छैक। तखन भऽ सकैए—जाँचक गति आर तीव्र बनाओल जाए।

नेपालमे राजनीतिक उथल—पुथलक ई नवका वर्ष बहुतो घुरकी सभ देखलक। प्रधानमंत्री ओलीक ब्रह्मास्त्रक रूपमे फेकल गेल अध्यादेश, तकरा बाद समाजवादी फोड़बाक खेल, फेर अपने पार्टीमे अपने लोकक व्यापक विरोधक विस्मयकारी प्रसंग, संसद प्रारम्भ होइते पहिले दिन प्रधान मंत्रीक राजिनामा मंगबाक स्थिति, कोरोनाक भयाक्रांत परिवेशमे बाध्यतावश घटित घटना सभ भेल। आ जखन प्रधानमंत्रीक उपर व्यापक दबाव बढलै तँ लिपुलेकमे भारत द्धारा बनाओल सड़कक उद्घाटनक अवसरके भारत विरोधी अभियानक रूपमे उपयोग कएल गेलैक। आब सभ ओहिमे ओझरा गेल। कतय गेल कोरोनाक आतंकसँ अपस्यांत देशक नागरिक आ ओकर सुरक्षा प्रबन्ध, कहाँ गेल नेकपाक आन्तरिक कलह केर जयघोष आ कहाँ गेल प्रधानमंत्रीक एकपद एक व्यक्तिक अविधारणाके लागू करबाक दवाब।

चलू ई तँ राजनीतिक घटनाचक्र भेल। घरमे बैसल—बैसल सामाजिक संजाल आ कहियो काल टेलिभिजनक पर्दापर उभरैत साहित्यक गतिविधि सन्तोष दैत अछि। चलू बैसारीमे जएह—सएह। एम्हर देवेन्द्र मिश्रजी लगायतक किछु कवि लोकनिकेँ अनलाइन कविता वाचन सुनल—देखल । आठ खण्डबला सभक गीतक प्रसारण देखल गेलाह। किछु दिन पूर्व गायक, संगीतकार सुनिल मल्लिक, हमर भागिन ललित कामतकेँ सुनल। काठमाण्डूमे रहल गीतकार विनीत ठाकुर सेहो तीन पतिया परसलनि। धीरेन्द्र प्रेमर्षिक तँ कथे कोन। शुरुएमे कतेको गीतक रसास्वादन करौने छलाह।

हमरा लागल—एहि लकडाउनमे गीत बेसी अएलै सामाजिक संजालपर। कवितो अएलै, मुदा हुनर तँ गीतेमे ने ! आ जँ अहाँकेँ किछु नाच—ताच अबैए तँ ले बलैया। जय—जय भऽ जाएत। आ से राजविराजक प्रिय शुभचन्द्र झाक

बचियाक मैथिली गीतपर नृत्य हमरा मनमोहि लेलक। बहुतो नुकायल प्रतिभा सामाजिक संजालक कृपासँ अपन गुणकेँ बहार कएलक अछि। हमरा लगैए ई लकडाउनक साइड इफेक्ट छै जे निश्चय हानिकारक नहि, आनन्ददायी आ प्रोत्साहन योग्य अछि। एहि बहैत गंगामे हमर प्रिय नित्यानन्द मंडल सेहो अपन टटका कथा पढ़ि हाथ धो लेलनि।

कहबाक अर्थ लकडाउन बहुतोकेँ बहुत किछु अवसर देलकै। किछुकेँ पाइ कमएबाक, किछुकेँ अपराधो करबाक, किछुकेँ प्रतिभा देखएबाक तँ किछु साहित्यकारकेँ पुस्तक धरि लिखि लेबाक।

साँच बात तँ ई अछि, एहि लकडाउनमे हम किछु नव नहि कऽ सकलहुँ। बस, गओले गीत दोहरबैत रहलहुँ। अपन पत्रिकाक काज, ककरो पत्रिकाकेँ लेल गछल आलेख लेखन, आ एक–आधटा स्वतन्त्र लेखन सेहो। वस! जँ एहि लकडाउन डायरीकेँ ओहि श्रेणीमे रखैत हो तँ बस, मोन बहटारबा लेल लिखि लैत छी। हमरा नहि बूझल अछि–एहिसँ साहित्यकेँ की फायदा हयतै।

भाइ प्रदीप बिहारी एकटा उपन्यास पूरा कएलनि अछि। किछु आर युवा साहित्यकार एहने सन काजक घोषणा कएने छलाह, प्रायः काजो पूरा भेल हयतनि। हमरा सभक युवा प्रौढ़ देवेन्द्र मिश्र सेहो अपन गीताक अनुवादकेँ सस्वर रेकर्ड कैलन्हि अछि। साधु, साधु !! दरभंगाक चन्द्रेश जी सेहो किछु लिखबाक लेल सुगबुगाइत छलाह। पुछला पर दर्शन आ इतिहासक अध्ययनक बात तँ करैत छथि मुदा कोनो पुस्तक आओत तकरा गबदिएने छथि। एहने गबदी मारने छथि पटनाक डा. रमानन्द झा 'रमण'। चन्द्रेश तँ किछु लबर–लबर बजितो रहैत छथि, ई मरदे एक्के बेर पुस्तके लऽ केँ बहराइ छथि। तएँ हिनक साहित्य लेखन वारेमे कोनो अन्दजा नहि अछि। तखन बीच–बीचमे किछु विशिष्ट व्यक्तित्व सभके मोन पाड़ैत रहैत छथि। समय आ स्थानक महत्वकेँ देखैत अपन पूर्व प्रकाशित कतेको रचनाकेँ फेसबुक पर रखैत रहैत छथि, जाहिसँ नियमित पत्रिका निकालनिहार हमरा सन निरीह सम्पादककेँ बड़ कल्याण होइत छैक।

साहित्यक एहि बरिसातमे नेपालक साहित्यकार कत्त छथि, की कऽ रहलाह अछि, लेखनक अवस्था की छन्हि, हमरा ज्ञात नहि अछि। तखन किछु नीक साहित्यकार गीतकार भऽ गेलाह, किछु घरमे दुबूकि गेलाह तँ किछु विन कमएनहि बोनिआहारा बोझ माथपर उघने मठाधीश बनल छथि।

हमरा इएह युक्ति नहि आएल। अनेरे छोटसँ पैघ कार्यक्रम २०३० सालेसँ करैत रहलहुँ, तहिएसँ पत्र–पत्रिका निकालैत रहलहुँ, कतेको साहित्यकारकेँ एहि क्षेत्रमे पदार्पणक अवसर उपलब्ध करौलहुँ आ सभसँ बुड़िबहका काज ई कैलहुँ जे

चारि दर्जनसँ उपर पुस्तक लिखलहुँ, प्रकाशित कैलहुँ, जाहिमे कतेको लाख घरक टाका बूकलहहुँ । मैथिलीकेँ खाली सभ विधामे लिखबाक जुनुन हमरा ई सब करौलक। ५०–५५ वर्षसँ मैथिली भाषा साहित्यक क्षेत्रमे निरन्तर लागि श्रम, शक्ति आ अर्थ तीनूकेँ बुकनी कइयो केँ जे प्राप्त कएलहुँ ओ हमर अपन सामर्थ्यकेँ देखबैत अछि। इएह हमर शक्ति बनल। जे से, विन मेहनति कैने, संगठन कैने, प्रकाशित कैने, एक्को पाइ खर्च कएने नेपालीय मैथिली साहित्यक सिरमौर, महान स्रष्टा, अप्रतिम प्रतिभाक धनी सन विशिष्ट उपाधि प्राप्त कैनिहार सभक आगा तँ तैयो प्रायः झुझुआने बुझल जाइत छी कि ने!

ओह, की सभ लिख बैसि गेलहुँ। कहलहुँ नहि, लकडाउनमे ओगरि केँ घर बैसनाइकेँ साइडइफेक्ट सेहो होइत छैक। एकटा सकारात्मक भेल आ एकटा नकारात्मक। सएह प्रायः एखन नकारात्मक दिश बढि गेल। कोनो बात नहि। सत्य बात बेर–बेर नहि कहल जा सकैछ ने?

जत्तसँ हमर आगमन एत्त धरि भेल अछि, ओ कोनो मंडलीक स्तुतिगानसँ उपरक बस्तु अछि, स्थायी अछि, प्रेरणास्पद अछि। तएँ ई टिप्पणी किए? बेस तँ छोड़ू ई बात सब । मैथिलीमे काज करैत ई सब देखब तँ नव बात नहिएं ने। एहिमे जल्दी केओ ककरो मोजर नहि दैत छैक। तखन काजे एतेक करू जे वाध्य भऽ अहाँ समेटल जाएब, नहि तँ समाजमे अपन परम्परागत विशेष जातीय उपस्थितिक लाभ लैत एकटा मण्डली ठाढ करू। अहाँ केहनो खराब लिखब, चेलासभ जय–जयकार करत। जतेक लाभ हयतैक 'गुट'सँ बाहर नहि जा पाओत। पुरस्कारक की मजाल छैक चौकड़ीसँ फानि केँ आनक दरबज्जा पर ठाढो भऽ जाए। आ जत्त मूल्यांकनक आधारपर ई सब होइछ ओ तँ की मजाल छै जे गुटबन्दी ओहिमे कोनो हस्तक्षेपो कऽ सकत। माने तराजू दुनू कात छै, खाली देखबाक छैक जे पसगां कोम्हर छै.....।

<u>२०७७ बैशाख ३१ गते बुध</u>

<u>१३ मइ, २०२०</u>

हम प्रतिदिन 'डायरी' लिखबा लेल नहि बैसैत छी। कोनो नव बात आएल वा मनमे उठल तखने लिख बैसैत छी। तएँ आइ दोसरो दिन हमरा एतुक्का गतिविधिक कारणें आबय पड़ल। आ ई अछि एखन धरि अत्यन्त सुरक्षित मानैत आबि रहल हमरा सभक जनकपुरधाम कोरोना पीड़ित भऽ गेल। अर्थात् प्रारंभिक रुपें १ गोटे पत्रकार काल्हि संक्रमित भेल से खबर तँ आएले छल, आइ दू गोटेक जानकारी एखन भेटल अछि। एक गोटे मिथिला नगरपालिकाक महिला सेहो संक्रमित भेल

छथि। जानकारी अनुसार ओकरा सभकेँ तकबाक काज शुरू भऽ गेल छैक। पता नहि आर कतेक निकलत।

खतरा तँ तखन भऽ जाइछै, जखन विना कोनो लक्षणक संक्रमित घुमैत रहैत छैक आ जखन जाँच होइछै तँ संक्रमण पता लगैछै। आब ई पत्रकारसभक संक्रमण कत्तधरि पहुँचत, कहब कठिन अछि। प्रहरी ट्रेसिंगक काज शुरू कऽ देने छैक। पता नहि ई संक्रमणक लच्छी कत्तधरि पहुँचौत। ई धरि सत्य थिक, जनकपुर आब भयंकर खतरामे पड़ि गेल। एहिठाम प्रेसपासक व्यापक दुरुपयोग होइत छैक। जकर परिणाम ई छैक। समाचार संकलनक नामपर जहाँ–तहाँ बौआएब, जकरा ने तकरासँ सम्पर्कक लाभ– हानिक बात करब आ ई समाजकेँ भोगय पड़ैत छैक।

दू नम्बर प्रदेश आशंकेँअनुसार संकटमे पड़ि गेल अछि। मात्र रुपैयाक अनुदानसँ रोकथाम प्रभावकारी हयत,से नहि। ने कोरेनटाइन मापदण्ड अनुकूल, ने आइसोलेशनमे कोनो सुविधा। कोरेन्टाइनमे बैसल लोककेँ ने नीकसँ खान–पान, शौच–स्थान आ ने सूतबाक नीक विस्तर। लोक कोरोन्टाइनक नामपर भागैत किए अछि ? सभ तरहेँ जान जोखिममे छैक, मात्र गप्पबाजीसँ स्वास्थ्य सुरक्षा नहि भऽ सकैछ ई सत्य।

❒❒❒

लकडाउन डायरी–६

अपन हाथ, जय जग्गनाथ

२०७७ जेठ १ गते बृहस्पति
१४ मइ, २०२०

फेर आइयो आबय पड़ल। परिस्थिति जाहि तेजीसँ बदलि रहल छै, ताहि अनुसारेँ कलम हाथमे लेबय पड़ैत छैक। आइ ई लिखैत धरि (भिनसर ६ बजे) देशमे २५० गोटे संक्रमित भ गेल हयबाक समाचार अछि। एहिमे दू नम्बर प्रदेश माने हमरा सभक प्रदेशमे अद्‌भुत रूपेँ बढ़ि रहल छैक आ आब १०३ भऽ गेल अछि। ई बड़ बोला सरकार सब आइसोलेशन सेन्टर धरिक प्रर्याप्त व्यवस्था नहि कऽ सकल अछि, परिणामतः संक्रमित देखार होइतो ओकरा सभकेँ अपने घरमे राखल गेल हयबाक समाचार सेहो अछि।

ओ चाहे संघ होइक चाहे प्रदेश नं. २ क मधेशी सरकार कोरोनासँ लडबाक हेतु अनेको आकर्षक घोषणा कएने छल आ दुखक बात ई छैक जे पछिला घोषणा पूरा भेल कि नहि, दोसरो घोषणा दागि देल गेल स्वास्थ्य आ राहतमे ई हयतैक तँ ओ हयतैक। अवस्था ई छैक कोरोन्टाइनक अवस्था दयनीय छैक। जँ शंकाक आधार पर वा बाहरसँ आएल स्वस्थ आदमीकेँ १५–२० दिन ओहि क्वारेन्टाइनमे राखि देल जाए तँ ओ कोरोनासँ होए ने होए, कोनो आनो रोगसँ अवस्से पीड़ित भऽ जा सकैछ। आइसोलेशनक हेतु आब ठाम नहि। अस्पतालमे कोनो बेड खाली नहि तँ संक्रमितकेँ राखल कत्त जाए? बरियाती जकाँ स्कूल अथवा धर्मशाला, सार्वजनिक दलान आदिमे रखबाक विकल्प की?

दू नं. प्रदेश पूर्वोमे खतराक संभावित सूचीमे छल। आब तँ पूरा देखार भऽ गेल अछि। ई देखार कोरोना संक्रमितक मात्रे नहि, बड़बोलीमे जीबन्तताक पहिचान बनल प्रदेश सरकार सेहो । ने कोनो कोरोना संक्रमितक उपचारक हेतु सम्पन्न अस्पतालक व्यवस्था आ ने उपयुक्त स्वास्थ्य जाँचक विश्वसनीय उपकरण। केना

विश्वास करौ जनता ! जँ मूले बस्तुक अभाव तँ दू अरब रुपैयाक खर्च कथी लेल? भऽ सकैए सोकाजेक लेल ई खर्च आवाटित हो, तकर सूचना आम नागरिक समाजके देल जएबाक चाही कि नहि!

कोरोनासँ बंद– व्यापार, कृषि व्यवसाय, नोकरी–चाकरी अस्तव्यस्त भऽ गेलै। लाखो लोक बेरोजगार भ गेल । बैकसँ ऋण लऽ उद्योग–व्यापार, कृषियन्त्र वा कृषि क्षेत्रक लगानी सन स्वरोजगारमूलक काज कएने लोकक हेतु किछु सहुलियतक घोषणा कएल गेल छल। एकरा भीतरमे ब्याज देनिहारकेँ प्रायः २ प्रतिशत छूट देबाक घोषणा सेहो भेल रहैक ।

कृषि कर्जामे प्रदेश नं. २ क सरकार अपूर्व घोषणा कैलक। एहि अबधिमे कृषिऋणक घारकके लाग बला व्याजमे ५० प्रतिशत थप अनुदान देल जएतैक। एहि सप्ताहक रवि–सोममे जखन कार्यालय खुजलैक तँ कृषि विकास बैंक (जे मूलतः कृषिपर कर्जा प्रवाहित करैत अछि)क कर्मचारी सभ ऋणी सभकेँजाहि तरहेँ फोन कऽ आतंकित कैल कैक ई अद्‌भुत बात भेलै। एक तँ कृषि क्षेत्रक व्याज, ताहूमे जेठ मसान्त तक समय आ प्रदेश सरकारक निर्णय धरिकेँ प्रतीक्षा नहि कऽ दवाबक शैलीमे ऋणक व्याज बुझएबाक तागेदा करब–सरकारी नीतिक विफलता कहल जा सकैछ। जखन निर्णय भेलै तँ प्रक्रियामे आगाँ बढाय सम्बन्धित वित्तीय संस्थाक कार्यालयमे जानकारी करा देबाक चाहिऐक। जाहिसँ तत्कालक हेतु कोरोनाक संत्रासमे बैसल ऋणी लोकनि किछु दिनक हेतु चैनक साँस लए सकथि।

आब तँ लगैए–प्रदेश सरकार ऋणमे अनुदानक जे बात कहने रहए कतौ बड़बोलापनक खातिर मुहसँ निकलि गेल रहैक, बादमे ओकरा सम्हारबाक काज कैलक, आब किछु प्रतिशत मात्र ब्याज अनुदान देल जाएत प्रायः। माने किछु काज आगा नहि बढलैए। एहन अवस्थामे कृषक ऋणी की करओ?

हरेक क्षेत्रमे एहने अफरातफरी छैक। भारतमे प्रधानमंत्रीक परसुका घोषणा आ कल्हुका अर्थमंत्रीक लघु उद्यमी आ प्रभावित क्षेत्रक हेतु आर्कषक पैकेजक घोषणा कयल गेलैए। पूरा पारदर्शी रूपमे। नेपालमे अपने खुरसीकेँ बचएबामे अपस्यांत संघीय शासकलोकनि कोरोना व्यवस्थापन दोसर दर्जामे रखने बूझि पड़ैत अछि। ताहूमे एखन उखड़ि गेल छैक लिपुलेक–मानसरोवर बाटक प्रसंग। सभ किछु भऽ गेलाक बाद नीन्न टुटलैए। प्रधानमंत्री कहैत छथि हमरा कोनो जानकारी नहि देल गेल। परराष्ट्रमंत्री कहैत छथि–एकर पूर्वजानकारी रहैक। औजी रहैक तँ कैलिऐ किए ने किछु! कोनो एहन समयक प्रतीक्षा नहि रहए, जखन अपने पर पड़त तँ खट्‌सँ लिपुलेकक पेटारा खोलब आ सभकेँओहीमे घुरिआ देबै!

सर्वदलीय बैठक काल्हिए सम्पन्न भेल अछि। सभ दल एक स्वरसँ सरकारक

संग एहि मुदामे आगाँ रहत से कहि अपन–अपन प्रतिबद्धता व्यक्त कऽ चुकल छैक। आब की चाही ? अपन देशक एक ईंच जमीन केओ लेबऽ चाहत तँ की ओहिना दऽ देबै? अपन प्रभुत्व कायम करबा लेल के रोकलक अछि? जहियासँ एहि जमीनक झंझट शुरू भेलै, कतेको प्रधानमंत्री अएलाह, गेलाह। की सभ भेल? अहीं सभ रही वा अगिला पुस्ताक रहए! कोरोना संकटक एहि कठिन समयमे एहि मुदाकेँ राजनीतिक ढंगसँ समाधान खोजल जाए, सड़क पर उतरि केँ नहि ।

एखन धरिक बहुत किछु भऽ गेल। भरि दिन एखन बाँकी अछि। आब फेर ने कोनो तेहन विषय आ प्रसंग अकस्मात आबए तँ जाहिसँ साँझहुमे बैसय पड़त.... ।

<u>२०७७ जेठ २ गते शुक्र</u>
<u>१५ मइ, २०२०</u>

सभसँ पहिने आइ कोरोना संक्रमण रोकबामे सरकार सभक लाचारी आ प्रदेश सरकारक बड़बोलापनक कारणेँ कोरेन्टाइन आ आइसोलेशनक दुखद अवस्थापर किछु लिखि, स्वास्थ्य सामग्रीक खुलेआम भऽ रहल कालाबाजारी पर प्रशासनक चुप्पीपर प्रश्न चिन्ह लगाबए चाहैत छी।

बहुत दिनक बाद जनकपुरधामक बाजारमे स्वास्थ्य सामग्री सभ उपलब्ध भेल छल । एखनो प्रायः छैहे। हँ, तखन मात्रा कम बेस भऽ सकैछै। हमर इच्छा रहए 'एन ६५' मास्क एकटा मंगाबी, जाहिसँ आवश्यक ठाम सभमे काजे जा सकी। प्रेसमे काज करैत एक गोटे सहयोगीकेँजिम्मा देलिऐक। ओ खोजबीन, कैलक। स्टाक समाप्त भऽ गेल रहैक। अगिला किछु दिनमे आओत कहि सहयोगीकेँ वादमे अएबा लेल कहलकै। सामान आएल। एकटा 'एन ६५' मास्क लऽ केँ ओ अएलाह 'एन ६५' भल्वबाला रहैक, मुदा चिकीत्सकीय प्रयोजनक लेल राखल रहैक। तएँ इहे मास्क देलक। गूगल हमरा बता चुकल छल.'केएन ६५' चीनक उत्पादन अछि तँ 'एन ६५' अमेरिकाक। ओना आब तँ किछु आनो देश उत्पादन शुरू कऽ देने अछि। गत दिन भारतक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतमे सेहो एही अवधिमे दैनिक २ लाख 'एन ६५' मास्कक उत्पादन शुरु भऽ जेबाक जानकारी देलनि। अमेरिकाबला आ चीनबला दुनूक तुलना कएलापर सामान्य कमी–कमजोरी देखि पड़ल छल। तएँ केएन ६५ सँ सन्तोष कएलहुँ ।

आइ भोरे जखन फेसबुकमे एकटा अनलाइन विक्रेताक सूचना देखलहुँ तँ अवाक रहि गेलहुँ। के एन ६५ मास्क (पाँच प्लाइ बाला) मात्र २५०/– टकामे होम डिलेभरी। हमर जे आएल छल ओ ६०० टकामे रहैक। दुनूक गुणवत्ताक हम जाँच करी तँ कोना । मुदा जँ एक्के हयत तँ साढे तीन सए टका बेसी किएक? ओना

चाइनाक मालमे मास्को एक्के नामसँ नक्कली आबि रहल छैक। से देखबाक जिम्मा तँ स्थानीय प्रशासनकेँ छैक ने ! इएह किएक–आनो सामग्री बजारसँ सस्त अनलाइन डिलेभरीमे प्राप्त हयब, जाँचक जरूरति देखबैत छैक। एक तँ कोरोनाक आतंकसँ ओहिना आर्थिक मन्दीमे लोक पड़ल अछि, ताहिपर एहि तरहक कालाबजारी जकाँ मोल लैत सामानक विक्रेता पर कोनो नियंत्रण नहि!

जनकपुरधाम काल्हि धरि सुरक्षित मानल जाइत छल। लागल रहए–किछु ढीलो हयतैक लकडाउनमे। आहिरे बा परसूएसँ उठबैत एकटा उड़न्त खबरि काल्हि बेरियाधरि साँच भऽ गेल–जनकपुरक एकटा पत्रकार आ पत्रकार महासंघक निचा पुस्तक व्यवसायी कोरोना पीडित भऽ गेलाह । आ दूटा महोत्तरीक सेहो जे जनकपुरधाममे रहैत रहए। आब एकरा सभक 'ट्रेभल हिस्ट्री' देखल जाएत। सम्पर्कक खोज हयतैक। महल्ला, घर सील कएल जाएत। जाँचक दायरा बढ़त। माने ई सब हयत। मुदा कहाँदन ने जाँचबला मशीन एत्त विश्वसनीय छैक आ ने प्रर्याप्त कीटे छैक। तखन एकरा लेल काठमाण्डूसँ स्वास्थ्यकर्मीसभक टीम आओत आ जाँच कए काठमाण्डू पठाओत। तखन जे परिणाम आओत ओएह पक्का।

बीरगंजक एकटा आ जनकपुरक दोसर मुखर पत्रकार लोकनि विभिन्न संचार माध्यमसँ बातचीतमे अपने एखनधरि स्वस्थ्य हयबाक बात बतौलनि अछि। मुदा आइसोलेशन वार्डक व्यथा–कथा सुनबैत स्वस्थो बीमार भऽ जा सकैछ–एहन धारणा रखलनि अछि।

धनुषाक पत्रकार बीरेन्द्र रमण खुल्ला अन्तरवार्तामे भीतरी अस्त–व्यस्तता आ कमजोर व्यवस्थापन पर कसगर टिप्पणी करैत स्वयं बीमार रहितो ओतए कोनो खास सुविधा नहि हयबाक बात बतौलनि अछि।

मोनमे क्षोभ उत्पन्न भेल। शुरुएसँ तीनटा पीसीआर मशीन, भेन्टीलेटर, स्वास्थ्य सामग्री किनबाक दाबी करैत आबि रहल प्रदेश सरकार कोरेन्टाइन आ आइसोलेशन वार्डकेँ व्यवस्थित नहि कऽ सकल। आब तँ २ अरब टाका एहि मादे खर्च करबाक ऐलान सेहो कऽ देल गेल अछि। खर्चक हेतु निकासी मुदा परिणाम पूर्ण असन्तोषद। की भऽ रहलैए–सरकार!

एहि सम्पूर्ण गतिविधिमे किछु ठाम आने गोटेक प्रयाससँ वितरित होइत राहत, खाना आदिमे एक–आध हाथ पुण्य कमएबाक हेतु अपन फोटो धरि आबए तकर हेतु पोज बनबैत नगर प्रमुख देखल गेलाह। मुदा हुनक पचीसो वार्डमे सेनिटाइज करबाक घोषणा कतय अंटकि गेलनि प्रचारक अवसर नहि भेटलै ककरो। ने तरकारी बजारक व्यवस्था, ने खाद्यान्नक सामाजिक दूरी राखि वितरणक ओरिआओन, ने वार्ड–मोहल्लामे मच्छरसँ आक्रांत नागरिकक हेतु कोनो तरहक

छिड़काओ –तखन ई उपमहानगर पालिकाक की अर्थ ? एहि कोरोना अक्रांत सभक बीच किछु गाउँपालिका, नगरपालिकाक प्रमुख सभक सक्रियता सैल्यूटक हकदारी रखैत अछि। मुदा, प्रशस्त बजेट राखयबला ई उपमहानगरपालिकाक नेतृत्व कत्त चूकि रहल अछि? बुझबामे किछु आर समय लगतै, बुझाइ छै।

आइ एकटा बात आएल–किएने हम विगतमे आ एखनो लिखि रहल अपन स्तम्भ–लेखन सामग्री पुस्तकाकार प्रकाशन कऽ दी। एक नेपालीमे, एक मैथिलीमे। एहिसँ जनकपुरधाम आ राष्ट्रक समसामयिक सन्दर्भक बारेमे जानकारी लोकके भेटि सकैछै ।

ई विचार मोनमे आएल मात्र अछि। एखन 'लकडाउन डायरी' चलि रहल छै जे लकडाउन अवधि भरि चलैत रहत। भऽ सकैछ, काल्हुक दिनमे एकरो दस्तावेजीकरण भऽ जाए...। मने नहि चाहियो कऽ तीन–चारिटा पुस्तक बनैछै। मुदा आब कतेक? ५० तँ पुगिए गेल छै...।

<u>२०७७ जेठ ३ गते शनि</u>
<u>१६ मइ, २०२०</u>

लिअ, अएलहुँ फेर। जेने कराबे कोरोनाक खेला–मेला। पत्रकार सभ सेहो आइसोलेशनमे गेलाक बाद सरकारक भीतरिया बन्दोबस्त नाङ्ट भऽ गेल अछि। ने सूतबाक हेतु उचित विछाओन, ने निर्धारित खान–पान, पीबाक हेतु पानिक सर्वथाअभाव। शौचालयमे स्वच्छताक सर्वथा अभाव...। कहबाक अर्थ प्रादेशिक अस्पतालक आइसोलेशनमे रहल पत्रकार वीरेन्द्र रमणक शब्दमे–'कोरोनाक उपचार हयत जाहिया तहिया, ओहिसँ पूर्व आने अव्यवस्थासँ बिमार भऽ जा सकैए लोक एत्त.... ।'

ई अति चिन्तनीय छैक। हम स्वयं काल्हि प्रदेश सरकारक स्वास्थ्य सल्लाहकार सभक संयोजक डा. रामकेवल साहकेँकोरेन्टाइन आ आइसोलेशनक दुरावस्था दिश ध्यानाकर्षण कएने रहिअनि। ताहुमे खास जनकपुरक प्रादेशिक अस्पतालक आइसोलेशन वार्डक दुरावस्थापर किछु अपन जानकारी सुनबैत सरकारसँ एहिपर विचार करबा लेल कहलिअनि ओ एहि सभक लेल एकटा मापदण्ड बनल छैक–ताहि अनुसारेँ भेटैत हयतनि बजलाह। नहि भेटैत छन्हि कहि हम जोड़ देलिअनि तखन ओ मे.सु.सँ बात करबाक हेतु कहलनि।

सामाजिक संजालमे काफी लोक एहि पर टिप्पणी कएलनि। सरकार प्रति आक्रोश व्यक्त करैत तत्काल सुव्यवस्था कायम करबाक हेतु कहल गेलै। सरकार मौन अछि। चोर दरवबज्जासँ बातकेँ थोड़–थम्ह करबाक प्रयास कऽ रहल हयबाक समाचार ज्ञात भेल अछि।

एही क्रममे एखन (११:३० बजे भिनसर) भाइ बीरेन्द्रसँ मोबाइलपर बात भेल अछि। सभ किछु अस्तव्यस्त छैक–कहैत परिवार सभकेँ सेहो जे कोरेन्टाइनमे छैक, कोनो तरहक सहजता नहि छैक। पानि पहिल दिन तँ देने रहैक, बादमे हमरा बाहरसँ फोन कऽ केँ मंगबय पड़ल...। घरसँ मंगाओल कपड़ा हमरा नहि देल जा रहल अछि' –रमणक शिकायत छलनि।

कोरोना संक्रमितक संग सम्पर्कसँ स्वास्थ्यकर्मी सेहो डेराइत छैक। ई साँच बात छै। मुदा पीपीई लगायत अन्य स्वास्थ्य सुरक्षा सामग्रीक संग जँ सम्पर्क कएल जाए तँ की हयत.... ई सामान्य लोककेँ बूझक बात नहि छैक। मुदा संक्रमितकेँ ई लगबाक चाही–ओ जाधरि उपचारमे अछि, सहजता रहैक। एक तँ ओहिना ई भयावह रोग छैक, ताहिमे तकर संक्रमित। आइसोलेशन वार्डमे मनोरंजनक साधनक रहब जरूरी छैक। हमरा नहि लगैत एहन सुविधा कतहु छैक?

जे से, चिकित्सक लोकनि अबस्से सहयोगी हयताह। अस्पताल प्रशासन सेहो मापदण्डक पालन करबामे कोताही नहि करत से विश्वास लैत रमणक सुस्वास्थ्यक कामनाक संग शीघ्र कर्मक्षेत्रमे अएबाक प्रतीक्षा करी...।

❒❒❒

लकडाउन डायरी–७

सरकार कतय सूतल अछि, केओ कहत ?

२०७७ जेठ ५ गते सोम

१८ मइ २०२०

कतेक तेजीसँ देशक हालाति बदलै छै। मुदा पहिने अपने बात। आइ लकडाउनक ५४ दिन भऽ गेलै। बहुतो लोक तँ अनेको प्रयोजनसँ मुह–हाथ झाँपियो केँ घरसँ बाहर काज कइयो आएल, हम तँ बस, कैदी भऽ केँ रहि गेल छी। अपन अंगनाइक दरबज्जा टपल नहि छी। एखन जरूरी वस्तुक हेतु गामपर रहल नातिनकेँ बजाए बजार पठबैत छी। गामेसँ तरकारी मंगबै छी। कोहुना दिन ससरि रहल अछि।

तखन अपने प्रयोजनक वस्तु बाजारमे भेटब छोड़ि देने अछि। दाढ़ी बनबयबला पेस्ट आ बनौलाक बादक लोशन–कतहु नहि छै। ई धन सन, जे हम अपन दाढी बना लैत छी नहि तँ की दशा होइत कहल ने जा सकैछ। सैलूनमे जँ दाढी बनाएब त दुर्लभ । तएँ केसो बेस नमहर भऽ गेल अछि। आ तँ बना नहि सकै छी। बाजारमे विस्कुट नहि छैक। सुगरफ्री आ नमकीन। नीक कम्पनी ब्रिटानिया अथवा पतञ्जलिक। दाढ़ी बनबयबला जिलेट गार्ड ब्लेड नहि भेटैत छैक। परिणामतः भोथबे ब्लेडसँ काज चलब पर बाध्य छी।

एखन धरि गामके सुरक्षित मानने छलहुँ। यद्यपि तैयो गाम नहि गेल छी। मुदा आब भेल जे किछु प्रयोजनसँ जएबाक चाही। तँ सुनल जे गामकेँ उच्च मा.वि. मे कोरोन्टाइन बनाओल जाएत। भारत–नेपाल सीमापर अड़कल हजारहु मजदूर, काम कएनिहार सभकेँ देशमे घुरएबाक निर्णय भेल छैक। ओ सभ प्रायः मधेशक प्रत्येक गा.पा.। न.पा.क लगभग प्रत्येक वार्डक भऽ सकैत अछि। तएँ पहिने गामेक क्वारेन्टाइनमे राखल जाएत। एहि बीच ओकर जाँच होएत। जँ पोजेटिभ तँ उपचारक हेतु अस्पताल, नहि तँ घर पठाओल जाएत। ओना रिस्क आब एहु निर्णयमे छै। कतेको घर पठौलाक बादो पोजेटिभ भऽ गेलैए जे आर खतरनाक भेल

जा रहल छैक। सप्ताह धरि कोनो लक्षण नहि देखने ओ समाजमे, सातमे रहैत अछि आ संक्रमण पसारबाक जोखिम ढोइत रहैत अछि।

से जखनसँ गामक क्वारेन्टाइनक खबरि आएल अछि, गाम जएबाक दबलो इच्छा कमजोर पड़ल जा रहल अछि। जँ ओकरा घर पठाओल जएतै तखन ओकर घुमनाइ निर्वाध रहतैक। कतौ कोनो संक्रमण पता लागि गेलै तँ ! एक सँ अनेक नेपालोमे भऽ रहल छैक। से खतरा तँ उठाओले गेल छैक। तखन ओकरा सभके सीमापर रोकौ तँ कोना ? अपन घर–परिवारमे आबि रह तँ चाहैत अछि केओ। ई ओकरो संवेदनासँ जूडल प्रसंग छैक। मुदा हाय रे कोरोना ! सम्पूर्ण मानवीय सम्वेदनाकेँ चिरी–चिरी क देलकैए। पति अपन पत्निक संग बैसवामे हिचक लागल अछि। प्रिय, आत्मियसँ दूरे रहब कल्याण बूझय लागल छैक। भरि पाँज केँ पकड़ि दुख–सुख व्यक्त करबाक परम्परागत सौजन्यता आब हेरा गेल अछि। परिस्थिति ई छैक ने खुशीमे ने दुखमे संग रहबाक अनुभूति करएबाक सभ बाट बन्न कएल जा रहल छैक। जँ, मोबाइलक विस्तार नहि भेल रहैत तँ भले विज्ञानक एहि अद्भुत उत्पादकेँ शरीरक हेतु हानिकारक कहल जा रहल हो, आइ एकर औचित्य प्रमाणित भऽ गेल छैक। जँ फोनक सेवा नहि रहैत तँ कतेको लोक कोरोनासँ नहि, मोन अकुला केँ मरि गेल रहैत! दूरभाषसँ कुशल क्षेत्र आ आत्मीय भरल दू शब्दक आदान–प्रदान लोकमे जीवनी शक्ति द रहलैए।

वात चलल छल–हमर गामक क्वारेन्टाइनक। सरकार द्वारा बनाओल गेल क्वारेन्टाइन एकटा सुविधा विहिन कैदखानासँ किछु बेसी नहि छैक। कोरेन्टाइनमे बैसब ओकर बाध्यता छैक। सरकारी फरमानक पालन छैक। मुदा जे व्यवहार आ भीतरका व्यवस्थापन छै, ओ जेना कोनो अपराधीक संग कएल जा रहल हो।

सभ पत्रकार वीरेन्द्र रमण सन मुखर नहि भऽ पबैत अछि। जकर विरोधक स्वर आइसोलेशनमे रहलकेँ खान–पीनमे सुधार क उपयुक्त बनाओल जा सकल छैक। हमरा लगैत अछि ई रमणेक वार्डक हेतु ने कतौ होइक। सरकारक निकम्मापनक हालत ई छै जे इएह कमजोरी आ अव्यवस्थाक कारणेँ वीरगंजमे कोनो निजि प्रतिष्ठान खान–पीनके सम्पूर्ण जिम्मा आगा बढि क लेलक अछि। ओहिमे कार्यरत सभके बधाइ आ आभार प्रकट कएल जएबाक चाही ।

लगैए इएह अव्यवस्थाक कारण लोक निरन्तर क्वारेन्टाइनसँ भाग चाहैत रहैए। आब तँ आइसोलेशनसँ भाग बलाके गोली धरि मारि देबाक निर्णय भेल अछि कहाँदान... । ई कोनो नव बात नहि.... । ई सरकार भरि छाक खाना देबाक सामर्थ्य नहि रखैत अछि, मुदा गोली....। मधेश आन्दोलनमे तकर ताण्डब लोक देख चुकल अछि। एखनो विगत दू मासक बेरोजगारीसँ त्राहिमाम छैक। राहत अस्तव्यस्त

छैक। तकर चिन्ता मात्र मुह देखा आ हाथ–पयर दुनू बन भऽ गेल छैक मुदा उपचाररत व्यक्तिक होइत अछुत व्यवहार आ दुराबस्थासँ भागबाक उपक्रम गोलीक हकदार बनादेल गेलै। ईहो विशेष आदेश २ नं. मे भेल समाचार आएल छल। बादमे ओकरा स्थगित कए देल गेलै ई बात सेहो तेहने समाचार स्रोतसँ ज्ञाात भेल छलैक।

आब त नेपालोक संक्रमण खतरनाक भेल जा रहल अछि । संक्रमणसँ दू गोटेक मृत्यु भऽ गेलैए। एक महिला, एक पुरुष। दुनू उपचार नहि पौलाक कारणें। एकटाके अस्पताल धरि पहुँचाओल नहि गेल तँ दोसरकेँ देरीसँ उपयुक्त अस्पतालमे पहुँचाओल गेल। दुनूक मृत्यु दर्दनाक। एककेँ कोरेन्टाइनमे रहला पर तँ दोसर अनेरे डिलेभरीक क्रममे अस्पतालेमे संक्रमित भेलापर (जेना ओकर पतिक कथन छैक) । नेपालमे एखनधरि (११ बजे भोर) ३०४ गोटे संक्रमित भऽ गेल अछि। लोकडाउनक अवधि फेर १५ दिन अर्थात २० गते जेठ बढ़ाओल गेल अछि ।

काल्हि प्रदेश नं. २ क मुख्यमन्त्री लालबाबू राउत अपन प्रदेशक जनतासँ प्रत्यक्ष सम्पर्कमे छलाह। सन्देशक मार्फत बहुत किछु उत्साहबर्द्धक घोषणा कएलनि। जनकपुरधाममे १० आ नारायणीमे १० भेन्टीलेटर आ आन कोविड अस्पताल सभमे ५–५ भेन्टीलेटर देल जएबाक बात। प्रत्येक कोभिड आ आनो अस्पतालके स्तरोन्नति कएल जा रहल छैक। सभक संगमे कमसँ एक एम्बुलेंस देल जा रहल छैक। कमजोर आ पीड़ित पक्षक हेतु किछु राहतक घोषणा सेहो कएलनि। सब ठीक–ठाक छलै। मात्र अस्पतालक स्तरोन्नतिक संगहि, तकरा लेल आवश्यक जनशक्ति उपलब्धता बारेमे ओ मौन छलाह । एखन त जे अस्पताल अछि, ताहिमे चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी रोगीके देखबा लेल हिचकैत छैक। बादमे चाप बढने कोन हालत हयत ?

खुटौनासँ लोक साहित्यक मर्मज्ञ डा. महेन्द्र नारायण रामक एकटा आइ भोर सन्देश आएल छल–हुनक पुस्तकक एकटा समीक्षा जँ हम कएने होइ तँ कृपया पठा दिअनि। ओ एकटा संकलन प्रकाशित करताह। हम खोजबीन कऽ रहल छी । भेटत तँ अवश्य पठा देबनि। ओना हम आश्वस्त कऽ देने छियनि...। जँ नहियो भेटल तँ...हाथमे पडबे करतनि।

जनकपुरधाममे एखन जानकी मंदिरक महन्थ आदिक चर्च खूब अछि। कएक दिनसँ मार–सम्हारके खेल भऽ रहलैए। किछु अति कऽ (सही नागरिक लोकनि संस्कृतिविद्, नागरिक समाज, वौद्धिक जमातकेँ एहि महन्थ–महन्थ खेलक रेफरी बनब लेल उत्साहित भऽ सामाजिक संजालमे व्यूहरचनामे लागल छथि ।

ओना हम एहि सवसँ फूट बैसल तरंगकेँ गनबाक उपक्रम कऽ रहल छी। देखी कहिया ई तरंग सप्तरंगी इन्द्रधनुष अथवा सोखाक रूपमे एत्त उदय हयत.. !

२०७७ जेठ ७ गते बुधदिन
२० मइ, २०२०

एम्हर जाहि तरहें घटनाक्रम देशमे बदललैए–ताहिसँ लगैए, कोरोनाक भयावहताक आवरणमे किछु आने खेल सब होबय लागल छैक। जकरा हम सभ कनेक फरिछाक एना देखी–

१. नेकपा भीतर अन्तर कलह जोड़पर छलै। तकरा भोत्थर करबाक लेल एकटा नव मुदा सहसा उठाओल गेल–लिपुलेक आदिक। भारत नेपाली भूमिमे सडक बना कें उद्घाटन कैलक अछि। से नेपालक भूमि किए ओ लेत ? स्वभाविक छैक। कोनो नेपालीक हेतु ई असह्य छैक मुदा एकर चर्च तँ पूर्बोमे कए बेर भऽ चुकल छैक। आ गद्दीपर इएह महानुभाव लोकनि रहथि ।

२. संसदमे सरकारक नीति तथा कार्यक्रम प्रस्तुत भेलैक। विपक्षी सभ एकटा मात्र भाषण बतौलक। तँ प्रधानमंत्री जी एखनुका सरकारक उपलब्धिक दस्तावेज कहलनि। विपक्षिक संशोधन वा धारणाक की महत्व, बहुमत छै पास भऽ गेलै ।

३. एहि बीच कोरोना प्रसारक भयावहता डराओन भेल जा रहल छैक। सरकारक संग जाँच बला प्रशस्त विश्वसनीय ने मशीन छैक आ ने जाँच बला कीट्स। खरीद प्रक्रियाक संदेहास्पद प्रकरण लोकके मनमे जवर्दश्त आशंका उपजा देने छैक–जाँच होइत मशीन कतौ निगेटिभ तँ कतौ पोजेटिभ बना दैत छैक।

४. शंकास्पदके रखबालेल क्वारेन्टाइन आ संक्रमितकेँ उपचारक हेतु आइसोलेशन वार्ड बनाओल गेल अछि। एखन धरि जे जतेक बनल अछि ओ तँ अस्तव्यस्त अछिए, रोगी आ जाँचमे करौनिहारक संख्या बढलाक कारणे पुनः दुनू दिश बेड थप करबाक निर्णय लोकके आश्वस्त नहि कऽ पाबि रहल छैक जे ओकरो व्यवस्था मापदण्ड अनुकूल हयत वा नहि।

५. आब तँ नेपालक क्वारेन्टाइनमे स्वस्थ्यो व्यक्ति बीमार भऽ सकैछ। ने ओकरा रहबाक ठीक व्यवस्था, ने पथ.परहेजक चिन्ता, ने खाना–पीना ठीक। दोसर क्वारेन्टाइनमे जम्मा कएल बहरिया वा भितरियाक जाँच कतेको दिन नहि भऽ पबैत छैक। जँ एहि बीच ककरोमे भाइरस प्रवेश भऽ गेल हो, वा ओ कतौ बाहरेसँ लऽ कें अनने हो तँ ओ एहि अवधिमे बहुतोकें `पसारि सकैछै । एकर जिम्मेवार के ? ई घटना भऽ रहल छैक । एक गोटे तँ क्वारेन्टाइनमे दम तोडि देलक ... ओ निगेटिभ छल।

६. भारतमे कमैनी करैत लाखहु मधेशीके अनबाक तैयारीमे एखन जटही

सीमासँ धमाधम आनल जा रहल अछि। गा.पा. वा न.पा. क बजेट आ व्यवस्थापनमे बनल क्वारेन्टाइनमे ओकरा सभके राखल जाइत छैक। अपन गामघुमब मौलिक आ मानवीय अधिकार थिक। आएल ठीक बात। मुदा ओकर गामक क्वारेन्टाइनमे अपन परिवारसँ भेटघाँट करबाक इच्छा चोराइयो –नुकाकेँ पूरा करबाक इच्छा रोकल तँ जा नहि सकैछ । एहनमे क्वारेन्टाइनमे सुरक्षाक हेतु खटल प्रहरी अथवा स्वास्थ्य कर्मचारी कनेको हूसल तँ केहनो लाहेब भऽ सकै छैक। तकर खिआल के करत ! सरकार तँ तोहर बनरी तोही नचा ! बला बातपर अडि गेल अछि ।

७. १५ दिनक बढल लकडाउनक एहि समयके उपयोग ई सरकार करत से लगैत नहि अछि। एहिबीच जँ क्वारेन्टाइन, संक्रमितक सम्पर्क खोजसँ प्राप्त विवरण अनुसारक जाँच प्रक्रिया जाहि मध्यम गतिसँ बढाओल जा रहल अछि, ओ एहु अवधिकेँ सदुपयोगसँ ई सरकार चूकत से लगैत अछि। लोककेँ भय आ आतंकमे रखने फेर–फेरसँ लकडाउनक अवसर बढैत जाएत, लोक सरकारी निर्देशक बाहुपाशमे बन्हाएल घरेमे अकछैत अंग–प्रत्यंग प्रति अन्याय करैत रहत। जे रोग ककरो नहि रहैक, ओ लकडाउनक कष्टपूर्ण बैसाइसँ भऽ सकैत छैक। सरकार अपन दायित्वसँ विमुख अछि। जनताक कष्टपूर्ण सहयोगके मोजर हो सरकार !!

पत्रकार भेनाइ कतेक झंझटाह आ ओझराह काज होइछै, लकडाउनमे हमरा नीक जकाँ एकर अनुभूति प्राप्त भेल अछि। हमर साहित्य स्वरुप पर पत्रकारिताक घौँघाउज पूर्ण रुपें हाबी भऽ गेल अछि । दिन भरि कोरोना, कोरोना, कोरोना। टीभीमे, अनलाइनमे, पत्र–पत्रिकामे होइत–होइत आब मोबाइलक रिसिभिंग टोनमे सेहो कोरोना....। की मोबाइल बन्न कऽ देल जाए। किछु चतुर सभ एकर टूयुनकेँ आन झमकौआ टूयुनमे बदलि लेलक अछि। हमरा ई सभ नहि अबैत अछि। तएँ बेर–बेर सुनबा लेल विवश छी।

माला कलर प्रेसक कम्प्यूटर अप्रेटर भारत बेर–बेर तगेदा कएलोपर एकमासक अभ्यन्तरो आँजुरक कभर नहि बना सकल अछि। आनक हाथ तँ आनेक भेलै । अपन हाथक टेक्सट भागसँ तँ हम कहिया पूरा कऽ देने रही। मोन अछि एखन अनलाइन रिलिज कऽ दिऐक। वैशाख १० गतेसँ बनल पडल, मुदा भरत बाबूक तिलकोत्सवमे सभ गुड गोवर भऽ गेल अछि। पता नहि कहिया सम्हरैए ।

कथा, कविताक प्लाट माथमे अछि, मुदा ओकरा उतारि सकी, मनक आदेश नहि आबि पाबि रहल अछि। जहिया आओत देखल जएतै।

२०७७ जेठ १० गते शनिदिन
२३ मइ, २०२०

आइ नेपालमे लकडाउनक ठीक दू मास भऽ गेलै। आ हमरा सभकेँ घरमे बन्न रहबाक अविधि सेहो। ओना हम कतेको दिनसँ गाम जएबाक तैयारी करैत छी। मुदा आब तँ गामेक उच्च मा.वि.मे कोरेन्टाइन बनादेलाक बाद मन उचटि गेल अछि। कलकतिया, बम्बैया सबकेँ लाबि ओत राखल गेल छैक। एखन नेपालमे जाहि तरहें भारतमे कमाइत, पढैत वा आन उद्देश्ये गेल सभके आनि आनि कें कोरेन्टाइनक नामपर बनाओलगेल कैम्पमे ठूंसि–ठूंसिकेँ ना भरैत छैक, ओ अत्यन्त खतरनाक आ कोरोना पोजेटिभक उद्गम स्थलक रूपमे बनैत जा रहल अछि। सुरक्षाक न्यूनतम व्यवस्थापनसँ मुक्त कोरेन्टाइनमे तँ आब निर्धारित बेडसँ बेसीएकेँ रखबापर सरकार विवश अछि, कारण ओकरा एखनधरि कोरोनाक एहन भयावहताक कोनो अनुमान नहि छलै हयत। एखन जाहि तरहें कोरोना संक्रमितक संख्या बढि रहल अछि ओ अत्यन्त चिन्तनीय छैक ।

नेपालक स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मंत्रालयक अजुका (भिन्सर ६ बजे) तथ्यांक अनुसार नेपालमे ५४८ गोटेकेँ कोरोना संक्रमणक पुष्टि भेल अछि। एहिमे आइए ३२ गोट जोड़ाएल अछि। एहिमे अजुकामे सभ ५० वर्षसँ नीचेक अछि। एखन धरि ७० गोटे स्वास्थ्य लाभ कऽ घर घुरि गेल अछि तँ तीन गोटेक मृत्यु भऽ गेल हयबाक जानकारी मंत्रालय देलक अछि।

❒❒❒

लकडाउन डायरी–८

अपना बुजुर्ग हयबाक अनुभव

एक तँ विभिन्न समस्यासँ जाँच भऽ नहि पाबि रहल छैक । २ नं. प्रदेश सेहो उच्च जोखिममे अछि। जाँचक घुसकैत आँकडासँ आर खतरा बढि रहल छैक। धन कही प्रदेश सरकारके जे दू टा पीसीआर मशीन कीनि मँगौलक अछि आ जनकपुर आ राजविराजमे ओकरा जोड़ल जा रहलैक अछि। सम्बन्धित पदाधिकारी लोकनि ई मशीन सोमदिनसँ काज करत से कहल अछि। एहिसँ आब जाँचक काज तेजीसँ शुरू हयत । तखन फेर कतौ कीट्स नहि भेटबाक लफडा ने लागि जाइक। संभव थिक तकर व्यवस्थापन प्रदेश सरकार कैने हो....।

कनेक फरक विषय। गत दू मासक लकडाउनमे हमरा दूटा प्रसंग अत्यन्त आकर्षित कएलक अछि। हम तकरा साहित्यमे उतारब–समय अएलापर। एखन प्रसंग धरि...।

पहिल

रेलबे स्टेशनक निचाँक भूमिपर वर्षहुसँ तरकारीक दोकान लगैत छल। जनकपुर भरिक लोक टटका तरकारीक आशामे एत्त अबैत छलाह। रेलवे आ ठीकेदार (जे मन्दिर छल) दुनूक नीक आय होइत छलै। कोरोनाक प्रवेश भेलैक नेपालमे। पसरलैक। भय उत्पन्न भेलै आ तखन तरकारी बाजारक उठा–पटक शुरु भेलै।

बादमे प्रहरी ओत्त एकटा निर्धारित समयक बाद ओकरा सभकेँ विलगाब लगलै। ओ सभ सामान लऽ एत–ओत्त भाग लागल। किछु दिनक बाद हमर घरक आगाँक मुख्य सड़कपर दोकान छानि बेचय लागल। हमरो कठिनाइ बढल। लोक जम्मा भऽ जाइ। ने कोनो मास्कक उचित व्यवस्थापन ने सामाजिक दूरी खिआल। लोक हमरो महल्लाक लुधकल...।

एत्तहु प्रहरी आबय लगलै। लकडाउन बढैत संगै प्रहरी डंटाक चमकब बढैत गेलै। आ प्रहरीक गाड़ी देखिते माथपर तरकारीक छिट्टा, कार्टुन उठाकेँ भगैत

तरकारीबाला आ बाली सभक हेज फेरसँ हमर घरक अगल–बगल आबय लागल। जान सुरक्षाक लेल एकांतमे बैसल अवस्थामे एना केँ हमर खाली जमीनपर अतिक्रमित कऽ अनेरे चिन्ता दिअएबाक काजसँ दुनू परानी निरन्तर दुखित होइत रहलहुँ। बरु भोरे ६ बजेसँ अंगनइमे ठाढ भऽ रखबारी करबा लेल बाध्य होइत रहलहुँ। आ से ई क्रम जारी अछि।

ई तँ भेल एकटा सहज उपक्रम जे कोरोना सुरक्षा आ आतंकसँ जुड़ल अछि। मुदा एकटा बात जे एहि क्रममे हमरा मोनमे उठैत रहल ई जे तरकारी बेचबा लेल रोकबाक मूल कारणमे सामाजिक दूरीक खयाल नहि करब मानल गेल अछि। लोक तरकारी लबैए। घरमे ओकरा साफ कऽ सुरक्षित रुपें किचेनमे ससारैत अछि। सावधानी, कोनो चूक नहि। ठीक बात। मुदा जे तरकारी बेचनिहार सभ अछि, तकरा मुहपर ने मास्क छैक, ने हाथमे पंजा...। दशगोटेक छूअल तरकारी ओ तौलैत अछि। हाथसँ छुबैत, मुह, आँखि पोछैत अपन घर जाइत अछि। सरकार, सहयोगी हाथ, संघ–संस्था एहि दिश किएक ध्यान नहि दैछ जे सामाजिक दूरी लऽ केँ जे जनचेतना जगाओल जाइछ, ओत्त तरकारी विक्रेता सभक सुरक्षा किए छोड़ल जाइछ। सबाल एक गोटेक नहि, ओहिसँ क्रेता आ विक्रेताक परिवार सेहो खतरामे रहैछ। मात्र डंटा मारि केँ भगबैत रहने ओकर समस्याक समाधान नहि हैत। ओ भगैत रहत, डंटा खाइत रहत आ बड करत तँ बाजारमे तीन दोबर भाओमे कोनो असुक्षित मास्क लऽ केँ अपन दोकान सजबैत रहत....। बन्धुगण! ई जमात सभसँ बेसी कोरोना जोखिममे अछि। तकरा लेल सोचू ...।

दोसर

कोरोना दहशतमे जे विधि–व्यवहार अपनाबय पड़ैत छैक आ जाहि तरहेँ विश्वभरि एहिसँ जोखिम हयबाक बात विशेषज्ञ सभ कहैत छथि, एहि सँ हमरा लगैए–ठीके हम सभ बूढ़ भऽ गेलहुँ अछि। घुमि–फिरि जेष्ठ नागरिकक स्वास्थ्यक खिआल राखब जरूरी, जेना घरसँ बाहर नहि निकलब, भेंटघाँट घुमब–फिरब सब बन्द। अति सावधानी...। आदि आदि।

एतेक दिनसँ एकटा उर्जाक बदौलत निरन्तर सक्रिय होइत काज करबाक जे लगनशीलता रहल अछि, ओ हमर उमेरक गणना बिसारि देने छल। ६८ वर्ष कम नहि होइत छैक। से मोन पाड़य नहि चाहै छलहुँ, अथवा तकर जरूते ने बुझाएल। चलैत चलु, बढैत चलु...। तीन–तीन पत्रिकाक प्रकाशन, सम्पादनक भार। घरक व्यवस्थापन। गामपरक परिवारक देख–रेख, जमीन जत्थाक व्यवस्थापन। काठमाण्डूक डेरा आ ताहिमे रहनिहार पुत्र एवं पुत्रबधुक हालचाल, सम्वाद–विचार। पटनाक बेटी.जमाय, नाति–नातिन सभक गतिविधिपर नजरि। भाषा, साहित्यक क्षेत्रमे कएल गेल काजक बदौलक कमाओल भाषा, साहित्य साधक विशाल मित्र

सभक संख्यासँ निरन्तर अन्तरक्रियाक आनन्द...। आ एहि आनन्द आ सृजनात्मक काजमे एतेक माति गेलहुँ जे अपन उमेरक पते ने चलल...।

आ साँच कही तँ हमर उर्जाकेँ जीवन्त रखनिहारि हमर जीवन संगिनीक संग सर्वोपरि रहल। एहिठाम हम स्वार्थी भऽ जाइत छी। हम खूलि केँ साहित्यिक काज करैत रहलहुँ, कतोक लाख टका अपन रुचि आ पेशामे बुकनी कऽ देने हयबै। चारि दर्जनसँ उपर किताब छपबा कऽ रद्दीक टोकरीमे जाकल देखियो केँ हमरा चैनसँ घरमे रहबाक वातावरण बनाकेँ राखि देब कोनो कम हिम्मतिक काज नहि भेलैक। हमर काज प्रेस आ लेखनसँ सम्बद्ध अछि। ओ एतेक प्रबुद्ध नहि छथि जे एकर आन्तरिक काजकेँ गमि सकथि, बूझि सकथि। जँ कहियो मोन कछमछा जाइ छनि तँ हमरा पर उनटि जाइ छथि, अहाँ बैसल–बैसल की करैत छी। हमरा दिन–राति भानस–भात, घर–आंगन करैत–करैत परेशानी बढि जाइए...। साँच बात तँ इएह छैक हमर काज जे लेखन आ कम्प्यूटरसँ सम्बद्ध छैक, ओहिमे बैसबे जरूरी छैक, तकरा ओ बेकार कहैत छथि। मुदा हमरा एहिसँ बेसी फरक नहि पड़ैत अछि। हमर ई बेकारक काज जँ निरन्तर उर्जावान भऽ बढ़ैत रहैत अछि तँ इएह पत्नीक कारणें। ओ घरमे लक्ष्मी भऽ खुश–फैल वातावरण बनौने रहै छथि, जाहि बलें हम केहनो कंटकमे पार करैत एहि स्थान धरिक यात्रा कऽ पाबि रहल छी।

तएँ ई लकडाउन भलें हमरा बढ़ैत उमेरक प्रति सचेत करौने हो, कोरोना आतंकक घेरामे बुर्जुग लोकन्हिकेँ बेसी सतर्कताक बात कऽ डेरबैत हो, हमरा घरक 'लक्ष्मी'क साहचर्य सभ किछु बिसरौने रहैत अछि। तएँ ओ चिन्तित, दुखी भऽ जाइत छथि, तँ हम आर बेसी चिन्तित आ दुखी भऽ जाइत छी। एहिठाम हम तखन एकटा स्वार्थी रूपमे ठाढ़ भऽ जाइछी। पत्निकेँअस्वस्थ्य भेने हमर दिन–चर्या प्रभावित होइत अछि। हमर एसगर हयबाक अनुभूति हमर उमेरक सभ कमी–कमजोरीकेँ अनायासे मोनमे प्रकटीकरण कऽ दैछ। हम अपन स्वास्थ्यक चिन्ता प्रायः पत्नियोक स्वास्थ्यसँ बेसी करय लगैत छी।

६० वर्ष सँ उपरक लोकमे अनेक प्रकारक शारीरिक कमी–कमजोरी आबय लगैत छैक। प्रायः तएँ ओ बेसी सतर्क रहथि। एहन जन–भावना रहैत छैक। एहनमे जँ दूनु प्राणी ताही श्रेणीमे हो तँ उच्च सतर्कताक जरूरति होइ छै। आ से हम सभ करैत छी। आ विभिन्न परिस्थितिक समक्ष दृढतापूर्वक ठाढ रहि आगाँ बढि रहल छी तँ पत्नीक सहज उपस्थिति एक मात्र कारण रहल अछि। तएँ हमर विशेष अवस्थाक कारक तत्वसभ बीच पत्नी एहि संकटमे हमर सबसँ पैघ सम्बल छथि..।

२०७७ जेठ १२ गते सोमदिन
२५ मइ, २०२०

आइयो कैकटा नव सन्दर्भक प्रगति आगाँ आएल अछि। नेपालक नवका

नक्शाके संविधानक अनुच्छेदमे सामिल करबाक लेल संविधान संशोधन करब जरूरी छैक, जकर प्रस्ताव सरकार सदनमे लौने अछि। जेँ कि संविधान संशोधन भऽ रहलैए तँ किएक ने मधेशीक माँगक पूर्वमे भेल सहमतिएक आधारमे ओहि संशोधनमे सामिल कएल जाए। नव गठित जनता समाजवादी पार्टीक नेतागण एहि मादे कसरत कऽ रहलाह अछि। विपक्षक एकजूटताक संग प्रजातांत्रिक शक्ति एकबद्ध भऽ सरकरक गलत काजक विरोध करबाक विगतक सौहार्दपूर्ण वातावरणकेँ भ्रममे पड़ि ई लोकनि काँग्रेसक सभापति देउवासँ भेंट कएलनि आ अपन धारणा रखलखिन्ह। ओ पदाधिकारी बैठकमे राखि केँ एहि सम्बन्धमे निर्णय करबाक बात कहलनि। आ आइ जे खबरि आएल अछि आब कहाँदन ओ मधेशक मुदा बारेमे केन्द्रीय कार्यसमितिमे निर्णय लेताह। माने एखन नक्शाबला प्रसंगमे ओकरा सामिल नहि कएल जाएत। एकर अर्थ नेपाली काँग्रेस मधेशक मुद्दासँ एक बेर फेर छिटकल। आ ई कोनो नव बात नहि छैक।

मधेशवादी आन्दोलन प्रति नक्कली सहानुभूति देखा मधेशमे निर्वाचन जीतबाक प्रपंच केनिहार कोनो दल आइ धरि मधेश आ मधेशीक भावनाक प्रति एकवद्धता जता नहि सकल अछि। अवसर अबिते छिटकबाक प्रवृति नव नहि। आब जनता समाजवादी पार्टी नेतृत्वपर ई दबाब छैक जे ओ संविधान संशोधनक एहि क्षणकेँ कोना उपयोग करत!

देशमे कोरोनाक आतंक बढले जा रहलैक अछि। भारतीय क्षेत्रसँ आबि रहल कमौआ देशवासीकेँ बिना जाँचक भीतर प्रवेश कराओल जा रहल समाचार आबि रहल छैक। सरकारक संगे ने मशीन छैक ने किट्स। कोरेन्टाइनमे राखक जगह नहि छैक। नवका कोरेन्टाइन बनाओत तकर पाई आ स्थान नहि छैक। केन्द्रमे कोरोनासँ बचबाक हेतु प्राप्त २ अरबसँ बेसीक अनुदान रकम ठमकल छैक। प्रदेश सभकेँ किछुओ अनुदान भेटतैक तँ काज आगाँ बढि सकैत छलै। जेँ कि सभसँ बेसी प्रभावित प्रदेश नं. २ आ प्रदेश नं. ५ छैक, जे मधेशी बाहुल्य प्रदेश अछि, ककरो गतगर नजरि एम्हर नहि पडैत हो, से संभव !

प्रदेश नं. २ क सामाजिक विकास मंत्री बजलाह अछि, प्रदेशमे एखन लगभग दू लाख भारतमे कमाइत नेपालीक प्रवेशक सम्भावना अछि। आब एकरा सभक हेतु कोरेन्टाइन, आइसोलेशन आ उचित उपचारक प्रविधिक अभाव तँ हयतै। तखन ने पाइ सकत, ने जनशक्ति अड़त आ ने सरकारेक दम पहुँचत। एहन अवस्थामे एहि प्रदेशक गति की हयतै ? दरमाहा पकौनिहार मौशमी कर्मचारीलोकनि 'कोरोना' बहानामे घरमे सुरक्षित रहबाक सरकारी निर्देशन भले पालन करैत हो, जनता प्रतिक दायित्वसँ जूडल नहि भऽ पएने ओकरा सभक कार्यकारी महत्व सिमित भेल जा रहल छैक।

भारतक बिहार प्रान्तमे मुख्यमन्त्री अनलाइन भिडियो द्वारा कोरेन्टाइन आ आइसोलेशनक प्रत्यक्ष अनुगमन करैत छथि। एक सिरासँ सभ सम्बन्धित हाकिम लोकनि प्रश्नक उत्तर देवाले पतिआन लागल रहैत छथि। तखन ने एतेक कोरोनाक बढैत प्रभावकेँ बिहारमे ओ रोकने छथि ।

नेपालमे एखनधरि (भिन्सर ६:३० बजे) ६०३ गोटेमे कोरोना पोजेटिभ भेटल अछि, जनिक उपचार भऽ रहलैक अछि। ८७ गोटे नीक भऽ घूरि गेल अछि तँ तीन गोटेक मृत्यु भऽ गेल छैक। काल्हि एकटा सुखद समाचार सेहो आएल.वीरगंज महानगरपालिका–३, छपकैयाक एक्के परिवारक ४ महिनाक बच्चासँ लऽ ६६ वर्षक वृद्ध धरिक १८ गोटेके भेल कोरोना पोजेटिभसँ स्वस्थ्य भऽ ओ लोकनि घर घुरि गेल अछि।

प्रदेश २ मे आइसँ दू ठाम नया मशीन काज करत से कहलगेल अछि। चारि घंटामे ६० गोट जाँच देबयबला ई मशीन स्वाव टेस्टक दायरक्रेँ बढाओत से आशा कएल जा सकैछ । मुदा एहि मशीन सँग टेस्ट करबला किट्स कतेक आएल अछि? कोनो सूचना नहि छैक ।

चलु साहित्य दिश...। नेपालोमे एकटा नामी लेखक डा. रामदयाल राकेश अपन फेसबुक स्टेटसमे लिखलनि अछि अंग्रेजीमे जे ओ कोरोना नामक एकटा उपन्यास एक मास लगा तैयार कएलनि अछि। जकर प्रकाशकक खोजी ओ कऽ रहलाह अछि। मैथिलीमे लिखल ओहि उपन्यासकेँ मैथिलीमे केओ छपतनि से विश्वास न नहिएं छन्हि, तएँ ओ अंग्रेजीमे अपन उद्गार आ इच्छा व्यक्त कएलनि अछि। देखाचाही–हुनक इच्छा कहिया परा होइत छनि। प्रायः ई हुनक पहिल उपन्यास हयतनि । से कोरोना किछु बैसल साहित्यकार सभकेँ लेखन दिश अभिप्रेरित करैत रहल अछि ई बात राकेशजीक रचनासँ बूझा पडैत अछि...। बधाइ छन्हि हुनका!

तखन नेपालक साहित्यकार लोकनि सूतल छथि से नहि! किछु फेसबुकमे छथि। तँ हुनक गतिविधि ज्ञात होइत रहैत अछि। अनलाइन लाइभ कविता वाचनमे किछुगोटे भाग लैत अपन प्रतिभा देखा चुकल छथि। किछु गोटे टीक–टाँकमे अपन हुनर देखा रहल छथि तँ किछु लघुफिल्मक कथाझपटकथा लिखैत मस्त छथि। किछु गीत लिखलनि अछि तँ किछु कथा सेहो । पंक्ति लेखक सेहो एकटा गीत लिखलनि अछि, जकर रेकर्डिंग होब चलि गेल छैक। मने किछु ने किछु तँ भइए रहल छैक..।

❑❑❑

लकडाउन डायरी–६

सीमापर दम तोड़ैत सपना

२०७७ जेठ १४ गते बुधदिन
मइ २७, २०२०

आइ कोरोना प्रगति नहि! दिन दिन बढि रहल छैक। सीमा क्षेत्रसँ निरन्तर भारतमे कार्यरत नेपाली सभ अबैत जा रहल अछि। समयपर जाँच नहि भेने संक्रमितक संख्या निरन्तर बढ़ि रहल अछि। सरकार निरिह। मशीन आएल मुदा किट्सक अभाव लगैए । जाँच एखनो सुस्त । संघीय सरकार खुरसी बचाबमे लागल। संविधान संशोधनमे मधेशी मुद्दाकेँ सामेल करबाक जसपाक आग्रह, मुदा से मानल नहि जाएत, लगैए। काँग्रेसो एहिमे ओतेक सकारात्मक नहि...! तएँ हम नहि लिखय चाहैछी जे एखन धरि (भोर ६:३० बजे) जे सूचना अछि ताहिमे नेपालमे ७८३ गोटे संक्रमित भऽ आइसोलेशनमे अछि तँ चारि गोटेक मृत्यु भऽ गेलैए। तखन १७६ गोटे नीकें भऽ घर घुरलाह अछि सेहो। आर.आर बहुत बात। नहि, आइ किछु दोसरे दिश।

हमरा महल्लामे एकटा परिवार अछि भगत परिवार। एकरा सभक पिताजी हमरे घरमे भाड़ा पर रहैत छलाह। बादमे हुनका सभक देहान्त भऽ गेलाक बाद एक परिवार तँ घर बना लेने अछि, दोसर परिवार भड़ेमे रहैए। ओहो हमरे घरमे छल, एखन हमरे गौंआक घरमे एही महल्लामे रहैत अछि। नाम छैक–राजेन्द्र भगत। खूजल विचारक मेहनती लोक। पत्नी, सासु आ अपने। तीन गोटेक परिवार। बेटीक विआह भऽ गेल छै। बेटा भारतमे पढैत छैक। ओ पानक दोकान करैत अछि। कएक बेर उठा पटक भेलै, मुदा एखन सीताचौक पर एकटा कठघरामे पानक दोकान छैक। हम पान तँ आब खाइ नै तएँ कोनो लगार नहि रहल ओकर दोकानसँ। हँ, कहियो काल रिक्शाक पाइ देबाले भजौखा करबा लेल दोकान पर चल जाइत रही। लोक निरन्तर देखल जाइक। लागे जे पानक दोकान छै, लोक जएबे करत।

२०७६ चौत ११ गते लकडाउन लागि गेलै। सौंसे नेपाल कोरोनासँ आतंकित होइत जा रहल छल। लकडाउन ओहि डरकेँआर व्यवस्थित रुपें मोनमे बैसा

देलकै। राजेन्द्रक कठघरा बन्द भऽ गेलै। ओ डेरामे चलि आएल सौंसे दोकान लऽ कैँ। की सौंसे कही.। माल समानक नामपर किछु ढ़ोली पानक पत्ता। जर्दाक किछु डिब्ब, कथ, चूना, मशाला आदि। माने एकटा मध्यम झोरामे अटल राजेन्द्रक संसार। हमरा लागल श्रमजीवी, लघु व्यवसायी जका एकरो निके नोक्सानी भऽ गेलै। लोक की कऽ सकैए..। एखनका समयमे तरकारीयो के चारि पानिसँ धो कैँ भन्साघरमे पैसबैत अछि तँ पान कैँ सोझे काँचे खएबाक बात छै ? लोक किए खाएत? ताहूसँ बुझाएल राजेन्द्रक परेशानी बढ़ि गेल हयतै। हमहु लकडाउनमे घरेमे रही। एखनो छी।

किछु दिनधरि तँ हम ध्याने ने देलिऐ। गतिविधिक गंभीरते पर बेसी ध्यान रहए। नेपाल, भारतक टीभी समाचार पर ध्यान केन्द्रित रहैत छल। स्वयं विचलनमे रही। आब आगाँ की हयतै?

एकदिन एक–दूटा मोटर साइकल बला भोरे हमरा घरक आगाँ सडकपर आबि ठाढ भेल। कानमे मोबाइल लगौलक आ बात करय लागल। सामान्य वात रहै। हमर ध्यान ओहिपर जएबाक कोनो अर्थ नै रहए। ता देखलिऐ, राजेन्द्रकेँ एकटा पन्नीबला झोड़ामे किछु लेने सड़क दिश अबैत। आ जखन मोटर साइकिलबला लग गेल तँ ओ ओहिमेसँ लगाओल पानक बीडा नीकालि कऽ देलकै। तकराबाद ओ सभ पाइ दऽ अपन बाट चलि गेल।

तकरा बादे हमर नजरि गंभीरतापूर्वक राजेन्द्रक व्यवसाय दिश गेल। पान हमहुँ कहियो नियमित खाइत रही। मुदा मीठा पान। जर्दा विहिन। कोनो अमल नहि। मुख शुद्धिक हेतु। तएँ जखन चाहलहुँ, छोड़ि देलिऐक। मुदा राजेन्द्रक पानक गहिकीकेँ देखि हम छगुन्तामे पड़ल छी।

गाड़ी लऽ कैँ, मोटरसाइकल लऽकेँ साइकल पर, पैदलो निरन्तर हमर घरक आगाँक पाछाँ दिश जाइत सड़कक मुहानपर ठाढ भऽ राजेन्द्रकेँ प्रतीक्षा करैत पानक अभ्यस्त लोकनिक दिनचर्या राजेन्द्रक पानक बिक्रीसँ बेसी अमल रखनिहारक बाध्यताकेँ देखैत हतप्रभ छी। पानोक एतेक कड़गर अमली लोक होइत अछि–हम पहिल बेर अनुभवक कैलहुँ अछि।

एखन कोनो खायक सामानकेँ दस बेरि सोचि–विचारि कैँ खायबला समयमे पानक खुजल खिल्लकेँ मुहमे धऽ आनन्दित होइत खौकार सभ घरोमे आन बेर खएबा लेल पन्नीमे दाबि लऽ जाइत देखैत छी तँ ठीके नव अनुभव भेल अछि। दारूक, बीड़ी, सिगरेट अथवा खैनीक अमल तँ देखल–सुनल अछि। चोरा–नुका कैँ ई खाइत रहल अछि अभ्यस्त सब। आ पान ?

तखन राजेन्द्रकेँ पाने किएक नहि भऽ सकैछ। ई लोकनि एकर नियमित ग्राहक सभ छथि। बजारबला सब एहिना दासेरो पान दोकानक मालिककेँ घरेमे

जा पान लऽ अनैत हो। से तँ हम देखल नहि अछि। मुदा राजेन्द्र भगतकेँ भोर ६ बजेसँ राति सात–आठ बजे धरि घरेसँ पान लगा–लगा केँ सड़क पर अनैत हम देखैत रहैत छी। एक पान २०/२५ टयकासँ कमक होइत नहि छैक। ताहूमे पानक पत्ता भेटब दुर्लभ हयतैक। केओ बाजल रहए–लकडाउनमे पान भेटब कठिन छैक। एहनमे राजेन्द्र सोपारी, कथा, मशाला, जर्दा आदिक उचित सम्मिश्रण–पानक शैकियाकेँ अपना दिश घिचौत हयत जरूस। एक दिनमे ५० सँ १०० खिल्ली धरिक व्यवसाय एखन होइत हयतैक। माने लकडाउनक अवधियोमे प्राण बचएबामे सक्षम अछि ई पानक व्यवसाय। आ तएँ राजेन्द्र भगतक अनुहारपर सदैब खिलैत हँसीक पृष्टभूमि अपन हुनर आ जमल व्यवसायक सफलताक हाथ अवस्से रहैत अछि। वास्तवमे जँ मोन लगाए कोनो व्यवसाय पूजाक सदृश आत्मासात कऽ कएल जाए तँ जीवन–निर्वाह अवश्य भेटैत छैक, ई बात राजेन्द्र भगतक पान व्यवसाय देखबैत अछि।

मुदा एहि संगे लकडाउनक अर्थके पानक खिल्ली संगे जाहि तरहेँ लोक चिबा रहलैए से निसन्देह मोनकेँ व्यथित करैत छैक। ने मास्कक उचित उपयोग ने सामाजिक दूरीक खिआल, बस–अम्मलपर जोड़।

२६७७ जेठ १५ गते बृहस्पति दिन
२०२० मइ, २८

प्रत्येक दिन डायरी लिखब जरूरी नहि लगैत अछि। नव कोनो बात नहि, मात्र कोरोनाक दहशत, आतंक आ ताहिसँ दिन–दिन पीड़ित होइत आमलोक।

आइ भोरे भोर प्राप्त समाचारमे प्रदेश नं. २ मे यैह ७६ गोटे कोरोना पीड़ित भेटलैए। आ ताहुमे धनुषामे मात्र 2६ गोटे। अर्थात एखन धरिक सर्वोत्तम स्कोर। आ से प्रायः भारतसँ आएल आ क्वारेन्टाइनमे बैसल लोक सभ छैक। एखन दिनहु हजारहु भारत–प्रवासी सभ घर घुरि रहल अछि, जकरा जाँच धरि करबाक समुचित व्यवस्था नहि छैक।

ई तँ कोरोनाक बढ़ैत ग्राफ। मुदा ई हमर आजुक विषय नहि अछि। जँ कोरोना चर्च भेल छलहे तँ टटका तथ्यांक (भिनसर ११ बजे) हम राखि देल अछि। साँझ धरि की हयत कहब कठिन छैक।

हमरा आइ डायरीक पन्नाक साक्षात्कार करबाक बाध्यता भेल एक दुखद घटनाक कारणें। काल्हि जटहीमे गुजरातमे काज करैत जनकनन्दनी गापाक एक युवक, काज छुटलाक बाद अछताइत–पछताइत अहमदाबादसँ १७ दिन पूर्व अपन गामक हेतु चलल छल, आ जटही नाका पर आबि भीतर प्रवेशक प्रतीक्षा कऽ रहल छल। भूखे–पिआसले। घरमे खबरि कैने रहैक। परिवारक लोक एम्बूलेंस लऽ केँ लाबय गेल रहैक। कहाँदन, ओकरा सभकेँ जटही जाए नहि देल गेल रहै। आ

प्रतीक्षा करैत–करैत ओहि युवकके ठामहि इहलीला समाप्त भऽ गेलै। ओकर फर्शपर पड़ल चित्र सेहो सामाजिक संजालमे भाइरस भेलै। एहन दर्दनाक मृत्युक घटनाक एतेक सहज रुपें एतुक्का राजनेता, सम्बन्धित लोक सभ लेलक जे दू शब्द एखन धरि ठोंठ पर नहि लाबि सकल! ओ यादव युवक कोरोना आतंकमे निरोगी रहितो यातायातक प्रताड़ना, पाइक कमिक कारणें भूख–प्याससँ असक्क होइत जाइत शरीर आ सीमापरसँ स्वदेशमे लएबाक सरकारक झूर व्यवस्थाक कारणें अन्ततः अपन बलिदान दऽ सम्पूर्ण प्रशासनिक व्यवस्थापनकेँ नाङट कऽ देने छैक। ई तँ प्रतिनिधि पात्र अछि। एखनो हजारहुक संख्यामे प्रवासी नेपाली लोकनि नेपालक विभिन्न सीमापर जम्मा भऽ रहल अछि। कोरेन्टाइनक व्यवस्थाक अभाव आ रख–रखावक बदतर अवस्थाक कारणें आबबला काल्हिमे कोनो आर दुर्घटना नहि हयत, से के जवावदेही लेत?

२०७७ जेठ १८ गते रविदिन
३१ मइ, २०२०

इच्छा नहि छल आइ डायरी लिखी। मुदा दूटा कारण एहन भेलै जाहिसँ हाथ रोकि नहि सकलहुँ। एक प्रदेश नं. २ मे बड तामझामसँ बेसी पावरक पीसीआर मशीन किनल गेल। कहल गेलै चारि घंटा नब्बेटा परिणाम दऽ सकैए। तीन शिफ्टमे काज करत तँ एक दिनमे २७० गोटेक परिणाम आबि जाएत। तखन हजारो प्रवासी नेपालीक भेल आगमनकेँ औचित्यपूर्ण ढंगसँ परीक्षण कएल जाएत। जाहिसँ क्वारेन्टाइनमे सडि रहल लोक नीक भेने घर जाएत आ जे कतौ संक्रमित भऽ गेल हो, तँ उपचारमे। से एखन धरि माने गत सोमसँ शुरू हयबाक बात भेल रहै, आइ रवि अछि, कोनो खबरि नहि। एहिसँ भय बढल अछि। सरकारक कमी–कमजोरी देखार भऽ रहल छै। लोकमे खूब टिका–टिप्पणी भऽ रहलैए।

दोसर अछि–मंत्रिपरिषद् फेर लकडाउनक अवधि ३२ गते जेठ धरि बढादेलक अछि । माने १४ दिन फेर थपलक। ई बढ़ौलक आ अन्याय कैलक से नहि, मात्र बढबैत जा रहल अछि। जीवनकेँ सहज बनएबा लेल कोनो सोच नहि छै नेपाल सरकार लग। संघीय सरकार कोरोनाक हेतु नहि, अपन गद्दी बचएबा ओरियानमे सीमा–सीमा खेलि रहल अछि। औजी, अपन देशक भीतरक जमीनक कहत जे ककरो दऽ दिऔ। ई तँ अहीं सब कहियो कालापानी, कहियो कोशी तँ कहियो आन–आन वस्तुक हेराफेरी करैत आबि रहल छी। हम सभ तँ निरन्तर अपन सीमाक सुरक्षा पर ठाढ रहैत छी। तएँ एहि खेलमे देशकेँ किए बेकारमे फँसेबैछिऐ। जे नियम, कानून आ संविधान कहैए–करू ने ! के रोकलक अछि? आम आदमीकेँ सहजतासँ जीबाक की सभ जोगाड़ अछि, तकर व्यवस्था करियौ ने ! मात्र लकडाउन बढैने सभ समस्याक समाधान भऽ जाएत?

पड़ोसी भारतमे लकडाउन जारी छै। मुदा एहि बीच अनलकडाउन १,२,३ क फेज शुरू भऽ गेलै जे ८ जूनसँ शुरू भऽ रहलैक अछि। माने क्वारेन्टाइन जोनक अतिरिक्त क्षेत्रमे चहल–पहल बढत। आ से सामाजिक सुरक्षाकेँ ध्यानमे राखि। जीवनकेँ पटरीपर लएबाक प्रयास शुरू भऽ रहलैक अछि। ओ एहि दुआरे संभव भेलैए–जे ओतुका सरकार कोरोना समस्यापर निरन्तर विचार करैत रहैत अछि। विज्ञ सभक सहयोग लऽ योजना बनबैत रहैत अछि। नेपाल जकाँ अपने मिया मिट्ठु नहि। रेल चललै, हवाई जहाज चललै। आब माल खुजतै, आर बहुत रास किछु खुजतै।

नेपाल मात्र लकडाउनमे समयावधि बढबय जनैए। एकर पीड़ासँ उत्पन्न परेशानीसँ एकरा कोनो सरोकार नहि। बोर्डर पर कनैत–विखलैत भारतीय क्षेत्रमे काज केनिहारक उद्धार करबा ले सामाजिक अभियन्ता (१७ गते जेठ ११ बजे राति दिशक भिडियो रिपोर्ऱ्ट : सरोज राय) लोकनिकेँ जाए पड़ैत छैक। सरकारक मशीनरी नुकाएल छैक। मधुबनीक डीएमकेँ कोरोना पोजेटिभ भऽ गेलै। ओ घरमे बैसल नहि छलाह। निरन्तर सड़कपर देखल गेल रहथि।

लोकमे नैश्यताक संग सरकार प्रति आक्रोश बढ़ल जा रहल छैक। जे लोक प्रहरी गाड़ीक सायरन सुनैत भगैत छल, एखन सड़क पर अड़ैत छैक, बतकही पर उतरि जाइछै। किए ?

हमर घरक आगाँ मुख्य सडकपर भिनसर तरकारी बाजार लगैत छैक। लगभग ४–५ किलोमिटरसँ ३.३०बजे भोरमे चलि साढे चारि बजे जनकपुर बाजार स्थलपर पहुँचौत लोककेँ आइ प्रहरी प्रति आक्रोशित होइत हम देखल अछि। ओकरा सभक तर्क छै.की सरकार हमरा सभकेँ खाय ला देतैक ? तरकारी बेचि नहि दैहै?

प्रहरीक अवरोधकेँओ सब अपन व्यवसायमे रोकाबट बुझै छै। एहिठाम कोरोनाक आतंक हेरायल जा रहल छै। ओकरा आब दिमागमे ई बात घूसय नहि चाहै छै जे प्रहरीक हस्तक्षेप एहि लेल जे सड़कपर जथाभावी रूपमे भीड़ जम्मा कऽ तरकारी बेचब कोरोना पसरबाक माध्यम भऽ सकैछ, तएँ एना नहि बेची। मुदा तरकारी बेचनिहारसब एकरा अपन व्यवसायकेँ रोकब बुझय लागल छै, आक्रोश व्यक्त करैत छै। एहने एकटा युवककेँ एकटा तरकारीबाली डंटा मारि देने रहै, से सब संगठित भऽ हो हल्ला करब शुरू कऽ देने छलैक।

नेपाल सरकार लकडाउन बढ़बैत सेनाकेँ परिचालनक निर्णय कएलक अछि। ठीक छै, आबय सेना सेहो। जरूरीयो छैक। लोक अगुता गेल छैक। लेकिन ओकर दुखक सम्बोधन सेहो सरकारकेँ करबाक चाही। से किए ने भऽ पबैत छै?

❐❐❐

लकडाउन डायरी–१०

मानवीय संवेदनाकेँ छुबैत सीमा

२०७७ जेठ २० गते मंगलदिन

२ जून, २०२०

एखनो कोरोना जाँचक स्तर प्रदेश नं. २ मे अत्यन्त न्यून अछि। कहबा लेल आब तीन–तीन सक्षम पीसीआर मशीन आबि गेल छै। मुदा समानक अभावमे सभ बेकार। कुहरि–कुहरि केँ काज करैत अछि। देशमे लाखो लोक कोरेन्टाइनमे गलित जीवन बिता रहल अछि। ओकरा समय पर जाँच नहि भऽ रहल छैक। कोरेन्टाइनमे बैसला १५–१६ दिन भऽ गेलाक बादहि जाँचक परिणाम अबैछ, आ ओहिमे जखन कोरोना संक्रमित भेटैत छैक तँ आन कथित नेगेटिभ अपनाकेँ स्वस्थ कोना बूझि पाओत, जखन ओ दशो दिनसँ एक्के कारण, एक्के ठाम खान–पीन करैत सरकारी कोरेन्टाइनमे जीवनसँ संघर्ष करैत वितौने रहैछ। तखन एहि जाँचक की अर्थ?

आब तँ प्रदेश सरकारक स्वास्थ्य सल्लाहकार सभ सेहो जुआ खसा देलनि अछि। सुझाओ लागु होइछ नै, केन्द्र पाइ दै छै नै तखन कोना कोरेन्टाइन, आइशोलेशन आ स्वास्थ्य सामग्री समयपर आओत! ओना प्रदेश सरकारक लाइन मंत्रालय स्वयं बेसी काविल लोकक हाथमे छैक–सल्लाहक जरूरति नहि। मंत्रालयक तर्क छैक–साधन स्रोतक अभाव अछि।

जे जेना छैक–ई तँ साफ छै ई प्रदेश सभसँ बेसी गरीब प्रदेश अछि। देशक जनसंख्याक २० प्रतिशत अर्थात जनघनत्वमे सेहो गतगर अछि। वेरोजगारी, उद्योग–धन्धा, कृषिकार्य सभमे पाछाँ छैक। तएँ कोनो आर्थिक काज शुरुएसँ करय पड़ैत छैक। एखन जखन कोरोना संक्रमणक क्रममे कोरोन्टाइन आ आइसोलेशन वार्ड बनएबाक गप भेलै आ प्रदेशक लगभग प्रत्येक आठो जिल्लामे खोज–बीन भेल तँ खोजी सभकेँ अवाक भऽ जाए पड़लै। ने कोनो ढंगक विद्यालय भवन, ने

कोनो सामुदायिक भवन आ ने कोनो धर्मशाला। सल्लाहकार समितिक संयोजक डा. रामकेवल साह बड व्यथित होइत बाजल छलाह–'एहि तरहक पूर्वाधार विहिन अवस्थामे आकस्मिक रुपें कोनो तैयारी करब कठिन तँ भइए गेलै। तएँ मात्र सरकारेकेँ दोष नहि, जनप्रतिनिधिक ध्यानाकर्षण सेहो जरुरी।'

वास्तवमे कोरोना महामारीक एहि विराट संकटमे संसदीय विकास कोषक रकम नहि रोकल जाए ताहि लेल जी–जानसँ लबिंग करैत जनप्रतिनिधिसभ ६ करोड़ टाकाक कोन देखनगर काज कएने छथि से सार्वजनिक करबाक चाही। विकास एहन जे देखाइत नहि हो, स्थायी नहि हो। आयल पानि, गेल पानि, बाटे बिलायल पानि....। ई भेलै विकास। सभ देखार भऽ गेल अछि। गाम–गाम फुटानी, कमिशन आ आपसी वैमनस्य बस। तखन संकटक घड़ीमे त्राहिमाम् नहि तँ आर की ?

विपदा प्रबन्धन व्यवस्थापन संघीय सरकारक जिम्मा होइछ। जकर संचालन ओ प्रमुख जिल्ला अधिकारी हाथें करैत अछि। से बात नुका जाइछ, लोक प्रदेश सरकारकेँ जिम्मेबार बुझय लगैत छैक। प्रदेश तँ वास्तवमे समन्वय आ सहयोग मात्र कऽ सकैत अछि। केन्द्रकेँ फंड प्रदेशकेँ पठएबाक चाही। जे भऽ नहि रहल छैक। ने प्रहरी, ने प्रशासन आ ने फंडक जोगार। तखन अपन साधन स्रोतसँ जे सम्भव भऽ सकैछ करैत अछि। जाहिमे लाख त्रुटि देखाइत छै। बदनाम होइए, फज्जति सुनैए।

स्वास्थ्यक ई एकटा बात पर ध्यान दी, ६० प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाक काज निजी क्षेत्रक हाथमे छैक। ४० प्रतिशत मात्र सरकार अपना जिम्मामे रखने अछि। एहन अवस्थामे जाहि तरहें कोरोना विपदा अएलै, सभसँ पहिने निजी अस्पताल सेवा बन्द कऽ देलक। आनो रोगी सभ घीघरी काटि कें कतेको मरल, मुदा निजीबला कोरोनाक डर देखाय कात लागि गेल।

एखन धरि कोरोना महामारीसँ सफलतापूर्वक लड़बाक श्रेय श्रीलंका आ वियतनामकेँ जाइछै। श्रीलंकामे पूर्वाधारक एतेक सशक्त उपस्थिति छलै जे तत्काल स्वास्थ्य जाँच, उपचार आ पूर्व सतर्कता अपनाओल गेलै। वियतनाममे एखन धरि एक्को व्यक्तिक मृत्यु प्रायः नहि भेल छैक।

एहन अवस्थामे हमसभ कत्त चुकलहुँ, तकर समीक्षा करयबला सरकार नहि छैक। एकसँ एक फण्डा बहार कऽ एहु क्षेत्र लगायत सम्पूर्ण देशकेँ सांसदकेँ काठमाण्डूमे रोकने छैक। प्रदेशमे रहितैक, दवाव बनौतैक, संघकेँ कहितैक, सभ घेरा गेल छैक। एहिठाम ओहि सांसद सभक निर्वाचन क्षेत्रक लोक जे अनेको दुख–तकलीफ कटैत घर आबय चाहैत अछि, तकर क्वारेन्टाइन आ जाँचक

व्यवस्थापनमे जनप्रतिनिधिक सहयोग जरूरी छलै, नहि भेटलै। आ एहिना जटही नाकापर प्रवेश बन्हेजमे पड़ल कोनो वीरेन्द्र यादव भूखे प्राण त्यागबा पर विवश भऽ जाइछ। ओहि क्षेत्रक सांसद, प्रदेश सभासद अथवा नगर–गामक प्रमुख सभ की मुह लऽकेँ आगाँ जएतै ओकरा परिवारकेँ। पाँच–दश लाख टकाक अनुदान भेटलो पर ओकर दूटा गेल्ह, पत्नी आ माय–बापक गुजर चलतै?

एहन अनेको मानवीय संवेदनासँ भरल प्रश्नक उत्तर देबाक सामर्थ्य ने सरकारमे छैक, ने जनप्रतिनिधिमे।

तखन जँ कोरोना आतंकसँ अपने लड़बाक अछि तँ स्वयंमे सामर्थ्य आ विश्वास बढ़ाबी, मुहपर मास्क, सामाजिक दूरीक संग जीवनमे आत्मसात कऽ ली ! बस !!

२०७७ जेठ २३ गते शुक्रदिन
५ जून, २०२०

आइ भोरेसँ वर्षा भऽ रहल छैक। कही तँ रातिएसँ । तैयो हमरा घरक दक्षिणवारी कातक मूल सड़कक दुनू कात टिपटिपाइत मेघक छाँहमे अपन भूख मेटएबाले असुरक्षित तरकारी बेचनिहारहारि किछु–किछु दूरी पर बैसल अछि। गहिंकी सेहो रसे रसे जुमि रहलैक अछि। लगभग अढाइ मासक लकडाउनमे कठिनाइ दुनू दिश छैक। खएनिहार आ बेचनिहार। दुनू स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरा उठा सड़क पर अबैत अछि। सरकार तँ महज सरकारे छैक। हुकुम पर आधारित राज कैनिहार। दुख तँ हुकुमकेँ तालिम कैनिहार आम जनतापर पड़ैत छैक। जे मानैत अछि तकरो जे नहि मानैत अछि तकरो। आ दुनू दशामे निकम्मा सरकार फरमानपर फरमान जारी कएने अछि, लोक तकर बोझ तर दबल अपन जीवन गुजर–बसर करबाक संघर्षमे लागल अछि।

दुर, की आइ फेर निकम्मा सरकार सभक बारेमे उचौर गेल बात...। नहि करी सएह..। आइ नहिएं करब सोचने छलहुँ। कोरोनाक प्रकोपकेँ नियन्त्रणक कोनो ठोस आ व्यवस्थित उपाय नहि कऽ सकबाक आलोचना ढोइत ई संघीय सरकार एखन धरि प्रदेश लगा १० अरब टका खर्च कऽ लेने जानकारी देलक अछि। भेल हयतैक। हम हिसाब लेबयबला के छिऐक। दू तेहाइ वा कही बहुमतक सरकार छिऐ, जेना मोन हो, खर्च कऽ सकैए। से कैलक।

पहिने कहल, आइ सरकारी सामर्थ्यक गुणगान करबाक हमरा कनेको इच्छा नहि अछि। बस, प्रकृतिक चर्चा कऽ देलहुँ अछि। राजा–दैब दुनू बैरीक बात बच्चामे सुनने छलहुँ। प्रायः एहने समयक लेल कहल गेल छल हयतैक। नीचा राजा माने

आजुक सरकार उपर आसमान माने मेघक ताण्डब... । एहि बेर चैत–वैशाख–जेठक कोनो अर्थ नै बुझलकै लोक। जनताक पेट काटि जम्मा कएने रकम पर कमिशन तंत्रक गिरगिटिया नचबैत राजनीतिक मदारी लोकनिक तमाशा मात्र उपयोगी रहलै। जनता तँ भूखे मात्रा टौआ नहि रहल, मृत्युक वरण करय लागल अछि। से दुनू आराध्यदेब एहि बेर बाम छथिन्ह। तएँ सम्हारिए कें रहिह हो, लोकसभ! समैया अएलो भारी !

आ एहन भारी समयमे अपने दशापर किछु कहबाक मोन होइत अछि। ७४–७५ दिनक घर बन्दीसँ देखरगर किछु समस्याक अतिरिक्त आनो कतेक समस्याक दौरसँ लोक गुजरि रहल अछि, जाहिमे हमहुँ छी। आ से अछि केस, दाढि बनएबाक समस्या । हम किछु दिन पूर्व मधुबनीक एकटा नाटककार बन्धुक बढल दाढी–मोछ देखने रहियनि। प्रायः आ अपने बनबैत नहि हयताह। अथवा मोन भेल हयतनि केस बढएबाक। ओहो एकटा फैशन छैक। मजबूरी कहियो काल फैसन भऽ जाइछ। से केसक मामिलामे हमरो सएह अछि। मुदा दाढी तँअपने बनबैत छी।

जखन दाढी बनएबाक प्रसंग आबिए गेल तँ किछु पाछाँ जाइछी । २००६ ई. दिसम्बर प्रायः १८ ता.। अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलनक हेतु मुम्बै जएबाक रहए। हमर पहिल भ्रमण मुम्बैक। नेपालसँ हम आ रेवती रमण लाल आमंत्रित छलहुँ। दरभंगासँ चलबाक रहए–चन्द्रेशजीक संग। हमसभ दरभंगा दिने पहुँचि गेल रही। मुदा हमर चिन्ता रहए–दाढी कोना बनाएब। सभदिन नौआसँ दाढी केस बनौनिहार हम आनठाम कतय की करब!

हमरा चिन्तामे देखि बन्धुबर रेवती रमणजी एकटा सुझाओ देलनि–किएने, अपने बलेड, रेजर कीनि लैत छी। स्वयं बना लेब। हम तत्काल मना कऽ देलिअनि–ई संभव नहि थिक। हमरा बुते नहि हयत ! कहियो ने छूने छी। कटा जाएत सभ तरि। ओ हारि नहि मानलनि। हमरासँ हँ कहा छोडलनि आ बाजारमे जा दाढी बनबय बला सभ सामान किनौलनि आ तकरा रखबाक लेल एकटा छोटका कारी कपडाक हैण्डबैग, जे एखन धरि हमरा लग अछि। तीन दिनक ट्रेनक सफरमे हुनके निर्देशनमे ओरिया–ओरिया दाढी कटने रही। आ आइ १४ वर्ष बीतलाक बादो ई क्रम निरन्तर जारी अछि। ओहुना हम नित्य शेव करयबला प्राणीमे गनल जाइत छी। तखन केस तँ बढले अछि। जकर समाधानक कोनो गुंजाइश हमरा लग सम्प्रति नहि अछि ।

हँ, चर्च आबिए गेल अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलनक तँ आइए भिनसरमे आदरणीय डा. बैद्यनाथ चौधरीक आएल फोनपर भेल बातचीतकेँ एत्त राखब उचित बूझि पडल। डा. चौधरीक अनेको अवतार छन्हि। आ ई जतेक रूपमे लोकक आगाँ

अबैत छथि–मैथिली आ मिथिला मूल कारण होइत छैक। हँ, एहि क्रममे कतेको बेर हिनकापर आरोपो लगैत छन्हि। से ई तकर प्रूफ भऽ गेल छथि। मैथिली मिथिलाक काज कएनिहार एहन–एहन आरोप–प्रत्यारोपसँ डेराए तँ घरेमे बैसी। से ई घर बैसनिहार नहि, फाँड बान्हि आलोचकक दुआरिपर ताण्डव करबामे संकोच कएनिहार नहि छथि। माने असल लड़ाकू लोक छथि।

लगभग दू दशक पहुँचि रहल अछि हुनका संगक सम्बन्धक। ओहिना, अविछिन्न। आइए कोनो प्रसंगमे भाव–विह्वल होइत बाजल छलाह, एहि बीच कतेको अन्हर, बिहाड़ि अएलै, चल गेलै। हमर अहाँक सम्बन्ध ओहिना चलैत रहत। भावुक बना देने रहए हुनक ई वाक्य!

जे–से ओ हमर आ परिवार सभक हालचाल पुछलनि आ प्रश्न कएलनि बोर्डरक की हाल छै? हम कहलिअनि–यथावत् अर्थात् सील छैक। हँ, तखन नेपाली कामदार, प्रवासी सभकेँ प्रहरीक देख–रेखमे आबय देल जा रहल छै आ तकरा क्वारेन्टाइनमे राखि देल जाइछै।

हमरा लागल छल–हुनका जनकपुरधाम अएबाक मोन हयतनि तएँ बोर्डरक चर्च कएलनि। बात उएह फरिछबैत छथि–आगामी १०–११ ता. क एत्त प्रदीप जीक सम्बन्धमे कार्यक्रम रहैक से। अर्थात् हमरा ओत्त जएबाक रहए। ओ निमंत्रण दैत रहथि। तखन हम आशय बूझि आर फरिछा देने रहियेक।

ओ तखन आक्रोशित भऽ बाजल रहथि–अहाँक प्रधानमन्त्री नेपाल–भारत सम्बन्धकेँ बिगाड़ि रहल छथि। प्रचण्डजी तँ एना नहि करैत छलाह। बेटी–रोटीक सम्बन्ध छैक। तकरा एना कऽकेँ नहि देखबाक चाही। आर–आर उपरागक बात। हम नेपालक अवस्थाक चर्च कऽ बातकेँ आर फरिछा देलिअनि।

हुनक बोलीमे आएल पीड़ाक एकटा आर कारण भऽ सकैछ–गत वर्ष ओ अपन बेटीक विआह जनकपुरेमे कएलनि अछि। बेटी–रोटीक सम्बन्धकेँ औपचारिक प्रतिष्ठापन। एह, नीक सरंजाम रहनि। हम तँ बैजूएजीक दिशसँ दरभंगा गेल रही, मुदा बरियातियो भव्य। लगभग सए गोटेक। से भेंट–घाँटक एहि कठिन अवस्थामे पीड़ा तँ हयतनि.... ।

विषय बदली। मेघक टिपटिपौनी जारी छै, मुदा कनेक हल्लुक सन। आसमानपर मेघ लागल छैक। मौसम पूर्वानुमानमे कहलो गेल छै–आइ जमि केँ वर्षा हयत। आबक वर्षापर चकित हयबाक कोनो कारण नहि, मात्र मनसूनपूर्वक ई वर्षा अछि तएँ। से गत तीन माससँ एकर नौटंकी लोक सहि रहल अछि।

लकडाउनमे घरक चहरदिबालीक बीचमे कैदी जकाँ जीवन कटैत हमरा सन लोकक हेतु एहि वर्षाक अएने ने कोनो हर्ष, ने विषाद। जँ बाहर निकलबके नहि

अछि तँ चिन्ता कथीक! एहि बेर मानसूनक कोनो फूट चरित्र नहि देखल जा रहल अछि। सब धान बाइसे पसेरी।

आइ विराटनगरसँ प्रवीण नारायण चौधरी साँझ ६ बजे लाइभ रहताह। एकटा साहित्यिक कार्यक्रमक वेभ मार्फत संगोर कएलनि अछि। जकर प्रत्यक्ष प्रसारण ओ काल्हि फेसबुक मार्फत करताह। तकरे कनेक्टीभिटीक टेस्ट करबाक हेतु ओ सभसँ जुड़ताह। प्राविधिक काज छै–मौकापर कोनो कठिनाइ भऽ गेने कार्यक्रमक स्वरुप पर आघात पड़ि सकैत अछि। तएँ।

हम बहुत उत्साही नहि छी। जे जुटान छन्हि, ताहिमे के सार्थक रूपें अओतनि, देखबाक छैक। हमर उत्साहहीनताक ई कारण नहि अछि। मात्र मुह देखएबाक हेतु एहि सम्वाद कार्यक्रममे उपस्थितिक की अर्थ ! सार्थक सम्वादक संभावना कमजोर देखि कनेक हड़कल छी। मुदा, प्रवीणक प्रवीणतापर भरोस अछि, ओ कोहुना एहि बीड़ा–पानक लाज अवस्से रखताह।

❒❒❒

लकडाउन डायरी–११

कोरोना संकटमे हेरायल जाइत अपनत्व

२०७७ जेठ २४ गते शनिदिन

६ जून, २०२०

आइयो हम कोरोनाक डाटा नहि देब। दिन–दिन बढैत जा रहल कोरोना संक्रमित संख्या सरकारक पूर्ण असफलताकेँ देखार कऽ रहलैए। दोसर दिश विदेशसँ आबयबला नेपाली सभकेँ लएबाक क्रम शुरु भऽ गेल छैक। काल्हि शुक्रसँ ई शुरुआत भऽ गेल अछि। जे लाओल जाइत अछि, ओकरा पहिने सेना द्वारा बनाओल स्थानमे राखल जाइछ । तखन प्रदेश छुटिआ केँ ततए पठएबाक काज कएल जाएत। जत्त ओकरा कोरेनटाइनमे राखल जाएत।

एहि बीच सरकारक निर्णय आर खलबली मचा देने छैक। आब कोरेन्टाइनमे बैसल ककरोमे कोरोनाक लक्षण नहि देखल जाएत तँ १४ दिनक बाद ओकरा घर पठा देल जएतै । इएह निर्णय एतेक डराओन छैक जे आब घरो–परिवार सुरक्षित नहि रहत। काल्हिए आएल समाचारमे सुर्खेतक पञ्चपुरी नगरपालिका–१ हाँसेक २० वर्षीय युवक १४ दिन क्वारेन्टीनमे बैसलाक बाद आरडीटी टेस्टमे निगेटिभ देखलापर घर पठाओल गेल जत्त दोसरे दिन ओकर मृत्यु भऽ गेलै। पीसीआर प्रविधिसँ टेष्ट कएलापर ओकरामे कोरोनाक संक्रमण देखल गेल। एहि तरहें नेपालमे मरनिहारक ई ११ म संख्या छल।

एहन अवस्थमे सरकारक ई निर्णय जे विना जाँच घर पठाओल जाएत, अत्यन्त खतरनाक आ समाजकेँ भयभीत कएनिहार मानल जा सकैछ। सभतरि विरोध भ रहल छैक, मुदा सरकार अपन कमजोरी नुकएबालेल एहन प्रपंच रचि रहल बात विज्ञसभ बता रहल छैक। ने स्वास्थ्य सामग्रीक आपूर्ति, ने जाँचक हेतु प्रयाप्त कीट्स। तएंने चाही विश्वसनीय जाँच मशीन। कोना हयतैक रोगक निदान।

आब तँ इहो शंका उठ लागल छैक आइसोलेशनमे भर्ती भेल कतेको लोकमे कोरोना छलैहे नहि, जे दू सप्ताहक भीतर स्वस्थ्य भऽ वाहर आबि गेल। एखन धरि

आइसीयू अथवा भेन्टीलेटरमे उपचाररतक मृत्यु भेल हो से लगैत नहि अछि। एहिना उपचारक उचित व्यवस्थापनक अभावमे मृत्यु भेलाकबाद कोरोना पुष्टिक कय गोट मामिला आएल अछि ।

एखन नेपालमे कोरोनाक बढैत संख्या भारतसँ आएल लोकक माध्यमसँ देखल जा रहल अछि। अस्तव्यस्त बैसारी, खान–पीन, जीवन पद्धतिक कारणेँ कमजोर क्वारेन्टाइनक कारणेँ कोरोना अपन पसार सुदृढ करैत जा रहल विवरणसँ ज्ञात होइत अछि। एहिमे सरकारके खुलि कँे आगाँ आबक चाही नहि कि पाछाँ घुरि जएबाक चाही ।

जे निर्णय सरकारसँ लेल गेल अछि, ताहिमे तँ आब एक मात्र इश्वरे पर छोडल जा सकैछ ।

२०७७ जेठ २५ गते रविदिन
७ जून, २०२०

काल्हि २ बजे दिनसँ आइ एखन (१०:४०) भिनसर धरि बहुत किछु नव घटल अछि । नै, नै । कोरोनासँ घटित घटना नहि । औजी, जे कतहु नहि से हमर नेपालमे होइत छैक। कोरोनासँ लड़बाक कोनो क्षमता नहि जेना बूझा रहल छै। तएँ आब तँ एकरा बारेमे किछु लिखब पन्ना खराब जकाँ लगैए। आ जँ कहियो लिखबाक जरूरतो हयत तँ आब सरकारक निकम्मापन पर कलम नहि चलाएब ताहीमे नीक। नहि तँ जेठ २४ गते दैलेखक घटना सन दुखद घटनाकेँ लिखबाक हेतु साहस जुटाबए पड़त।

भारतसँ आएल आ नारायण नगरपालिकाक नारायण क्याम्पस आ माध्यमिक विद्यालयमे रहल लोकसभकेँ आरडीटी टेष्ट करैत निगेटिभ निकलल ८२२ गोटेकेँ घर पठादेल गेल रहै। मुदा, घर गेलाक बाद पीसीआरक जे रीपोर्ट अएलैक सभ हतप्रभ भऽ गेल ओहि महक ८६ गोटे कोरोना पीडित निकलल। आब कहु अति अविश्वसनीय आरडीटी टेष्टक भरपर घर पठाएब कतेक सुरक्षित छल। पीसीआर टेस्टक परिणाम धरि रोकल नहि जा सकैत छल? तँ तकर इन्तजाम नहि कऽ सकबाक असमर्थता एतेक पैघ खतरा आनि देने छैक। सौंसे क्षेत्रमे।

ई तँ नमूना अछि। एकसँ एक नायाब तरिका ताकल जा रहल अछि, अपन छुटकारा पएबा लेल। आब विना लक्षणके कोरेन्टायनमे नहि राखल जाएत कहाँदन। खाना, खर्चाक सवाल छै ने !

छोडू फेर बहकि गेलहुँ। आइ दूटा सुन्दर प्रसंग अछि। हम सभ ताहि दिश ध्यान केन्द्रित करब !

विराटनगरमे एकटा हरफनमौला मैथिली अभियानी छथि–प्रवीणनारायण

चौधरी। हुनका जाहिमे मनमे लगैत छनि, कऽ लैत छथि। योजना बनैबामे खूब पारंगत छथि। खूब मेहनत करैत छथि। आ तेहने मेहनतिक परिणाम रहै कल्हुका मैथिली भाषा साहित्यसँ मिथिलाक परिचिती (पहिचान)। छओ सत्रमे बेविनारक आयोजन रहैक आ प्रायः २५ गोटे मैथिली भाषा, साहित्य क्षेत्रक हस्ताक्षर लोकनिक अन्तर सम्वाद कार्यक्रम सम्पन्न भेल। दिनका २ बजे सँ ५ बजेक समय रहितो प्रायः एक.आध घंटा बढियो गेल छल हयत। हमरा बीचेमे छोड़ए पड़ल किछु विशेष काजसँ। ओना एकर युट्यूवमे विवरण देखल। नीक लागल। समयक अभावक पीड़ा सम्पूर्ण वक्ताक अभिव्यक्तिमे बूझि पड़ैत छैक। होइ जेना किछु आर समय रहैत तँ बातकेँ कनेक नीक जकाँ फरिछइतौ। से भेलै नै। जे से आयोजनक अभिभारा प्रवीणे जी लऽ सकैत छलाह आ से सफलतापूर्वक लेलनि। हँ, तखन किछु सहभागितामे कमी रहि गेलनि। नेपाल दिशक आवश्यक हस्ताक्षर लोकनि जूड़ि नहि सकलाह आ किछुतँ प्रायः जोड़बाक प्रयासे नहि भेल छल सन लागल। साँच कही तँ तकनिकी अज्ञानता वा असुविधा सेहो किछु गोटे तें चाहियो कँे जोड़बाक स्थिति नहि पौने हयत–तकरो सम्भावना छैक।

जे से, कार्यक्रम नीक रहल, पुनः बधाइ प्रवीणजीकँे ।

आब एकटा दोसर प्रसंग। लकडाउनमे हमर दैनिकी बूझब जरूरी। भोरे अपने घरक अंगनइक चारू कात आधा घंटा धरि घुमनाइ। एक घंटा कम्प्यूटरमे बैसि देश–विदेशक समाचार देखब–पढब। आवश्यक जानकारी सभक प्रिन्ट निकालि सुरक्षित करब। ६ बजेसँ १० बजेक भीतर जलखै करब। एक गिलास दूध पीअब आ तकरा बाद बरण्डापर बनल हम अपन अध्ययन ओ लेखन–कक्षमे आबि दू घंटा धरि एहि काजमे व्यस्त हयब। १२ बजेसँ १ बजेक बीचमे भोजन करब। नियमित दवाइ खाएब। विछाओन पर आरामक हेतु पलटब वा जरूरी पड़ने बैसले टी.भी. चौनलक आनन्द लेब। खास कऽ दिनमे मूभी चैनलमे दक्षिण भारतीय हिन्दी डब फिल्म देखब। आ से बेसी काल देखले देखि पड़ैत अछि। ५–६ बजे बीचमे बेरहटिया हयत। आठ बजे रातिसँ अदालत सिरियल देखब। के.डी. पाठकक ओकालति नीक मनोरंजन करबैत अछि। कखनो काल अनसोहांत प्रसंग सेहो अबैछ, मुदा सभ जायज भऽ जाइछ जखन ओ मुद्रा जीति लैत अछि।

आ हम ८ बजे एहने समयमे अदालत देखैत छलहुँ कि एक गोटेक फोन देखलहुँ । मानु फोन पूर्वेमे आएल छल। हम उठा नहि सकल रही। बादमे देखलिऐ तँ भारतक फोन रहए। जिज्ञासा तँ भेल, फेर अनजान व्यक्तिक रहने ओकरा महत्व देबाक जरूरति नहि बुझलिऐ। जखन फेर ओएह फोन आएल तँ फोनपर नाम उभरल–मुकुन्द शर्मा। साँच बात ई रहै, अदालत चलैत हमरा ककरोसँ बात करबाक मन नहि होइत रहैए। से हम टारय चाहैत रहिऐ। फेर भेल पता नहि कोन

कारणेँ हो। हम उठा लेलहुँ। तखन ओ अपन परिचय दैत फोन करबाक उदेश्य कहलनि आ जँ हमरा फुरसत हो, तँ बात कर चाहैत छलाह। हम तँ धर्मसंकटमे पड़ि गेल रही। हमर असमंजसक हालतिक अनुमान हुनका भऽ गेलनि ओ स्थितिकेँ सम्हारैत विकल्प देलनि– "यदि आप अभी फुरसतमे न हो तो कल सुवह ६–१० बजे तक फोन करे।" एह हम प्रशन्नतापूर्वक स्वीकृति दऽ देलिअनि। आ निचौनसँ 'अदालत' देखलहुँ।

मुदा भोरे ६–१० बजेक प्रतीक्षा रहए। विषय किछु बुझल रहए तएँ जिज्ञासा किछु बेसीए छल। हम अपन अध्ययन, लेखन कक्षमे ६ बजेक बादे अबैछी। तएँ कम्प्यूटरे कक्षमे रही कि मुकुल जीक फोन आबि गेल। हँ, इएह आठ बजे...। बात कऽ सकैत छलहुँ–सम्पर्क भेल।

ओ अपन बात रखलनि– 'मैं युनिवर्सिटीमे पर्यावरण, लोकगाथा, लोक साहित्य पढाता हूँ। मैं आपकी दीनाभद्री पुस्तक पढ़ा है। उसमें आपका एक लेख भी है और दीनाभद्री से सम्बन्धी नाटक–'भैया अएलै अपन सोराज'। मैं अपने विद्यार्थियों को दीनाभ्रदी के बारेमे पढाना चाहता हूँ तो थोड़ा सा इस वारेमे जानकारी दें। कुछ बताएं अपने वारेमे और नाटक के समय के वारे मे भी।'

आब हमर बारी छल। हम नेपालमे मैथिली नाटकक परम्परा, आधुनिक नाटकक प्रारंभ आ प्रसार आ अपन नाटक लेखनक अवस्थापर कनेक संक्षेपेमे बतौलियनि। २०१० ई. मे छपल 'भैया अएलै अपन सोराज' नाटक संग्रह हमरा आगाँ मे छल–से छपलहा तिथि तकबामे कठिनाइ नहि भेल। हुनका हम दीनाभद्रीक लोकगाथाक अवस्था, गायन परम्परा आ नाट्य अभिनयपर हुनक जिज्ञासाक उत्तर देलियनि। ओ अत्यन्त प्रशन्न भेलाह। आ अपन छात्रलोकनिक हेतु एकर विषय–वस्तु आ सम–सामायिक सन्दर्भिकताक विषयमे किछु कहबाक आग्रह कएलनि। हुनक कहबाक अर्थ रहनि एहि नाटकक विषय–वस्तुकेँ आधुनिक सामाजिक जीवनसँ जोड़ल जा सकैछ कि नहि! हम कहलियनि, 'ई ऐतिहासिक सामग्री पर आधारित साहित्य थिक। एहिमे जेँ कि शोषणक विरुद्ध दीनाभद्रीक विद्रोह आ संघर्षक कथा कहल गेल अछि, ई सभ युगमे होइत छैक, एखनो अछि। एकर कथा आ एहिमे आएल सम्वादकेँ ताही रूपमे व्याख्या कएल जा सकैछ।

प्रो. मुकुल शर्माक प्रशन्नता अनुभव करबा लायक छल। ओ बरोबरि जूड़ल रहबाक बात कहि विदा लेलनि।

<u>२०७७ जेठ २७ गते मंगलदिन</u>

<u>६ जून, २०२०</u>

हे बड भऽ गेल कोरोना, कोरोना। सरकार थाकि गेल, लोक अपस्याँत भऽ गेल। कनेक की ढील भेल, सड़क पर कबड्डी खेल शुरू भेल। कत्त गेल मास्कक

सुरक्षा, कत्त गेल सामाजिक दूरीक अनिवार्यता आ कत्त गेल दोकानमे पैसबा कालक सेनिटाइजर लेपन। माने सब भऽ रहलैए–राम भरोसे। तखन हमही किएक एकरा लेल आमील जीने रहू! आइ राजनीतिक बात! हर चीजमे राजनीति, कोरोनामे सेहो राजनीति। सभ प्रदेशकेँ अरबमे सहायता देलकै संघीय सरकार। मुदा सभसँ बेसी प्रभावित २ नं. प्रदेशमे मात्र २ करोड़। जसपाक सांसद प्रदीप यादव सोझे एहि दुआ–भाओ करबाक हेतु संघीय सरकारक अर्थमंत्रीपर कहाँदन मुद्दा ठोकबाक घोषणा कऽ देलनि अछि।

ओ ठोकथि वा नहि, एकटा एहन नीक काज कैलनि जाहिसँ वर्षहुसँ मधेश आ मधेशीक आशा–आकांक्षाकेँ लदमर्दन करैत अपन–अपन बीन बजबैत राजपा आ सं.स.पा.क नेताकेँ एक्के पतियानीमे ठाढ कऽ देलकनि। माने दलफूट अभियान आ राता–राती एकीकरणक अभूतपूर्व संयोग। एहि लेल काजमे प्रत्यक्ष वा परोक्ष लागल सभ गोटे धन्यवादक पात्र छथि।

निर्वाचन आयोगमे निवेदन दर्ता भेल मुदा औपचारीक दल दर्ताक हेतु आवश्यक प्रमाण जुटा ४५ दिन भीतर आयोगमे पुनः दर्ता करायब जरूरी छल। से अनेको शनिक खीच्चड़ि खएलाक बाद तकरो निकास निकालल गेल आ अन्तिमदिन जेठ २५ गते छओ बजे अन्ततः निवेदन दर्ता भऽ गेलै।

जेना कि आशा रहैक, दर्ता भेलाक बाद विरोध, धमकी आ गुटबन्दीक खेल शुरू भऽ गेल छैक। केन्द्रीय समितिमे नहि पड़ल हयबाक पीड़ा सहन नहि भऽ रहल छैक किछु गोटेकेँ। दुनू दल मिललाक बाद अन्तिम दिन कोहुना दल दर्ता कराएब जरूरी रहैक तएँ संघीय परिषदक अध्यक्षक रुपमे सर्वस्वीकृत डा. बाबूराम भट्टराइ तत्काल चारिम नम्वरक वरियताक संग नाम रखबाक सहमति देलखिन्ह । एम्हर पद आ प्रतिष्ठाक हेतु जम्बो कार्यसमितिमे अपन उपस्थिति मात्र चाहनिहार सभक अरण्य रोहन शुरू भऽ गेल अछि। ओना सत्य तँ ई छैक एखन तँ प्रायः चालिस–पचास गोटेक नाम मात्र गेल छैक। कैक सए लोक समटल जाएत। तखन एखनेसँ खौंझाहटि किएक? नेतालोकनि अपन–अपन सक्रिय कार्यकर्ता लोकनिकेँ अवस्से व्यवस्थापन करताह। सर्वमान्य नेता कहौनिहार महन्थ ठाकुर पर जाहि तरहें कुटुम्बवादक आरोप तत्काल लगाओल गेल, ओ कार्यकर्ता सभक अनुहार पर श्रद्धा–भक्तिक आडंबरी लेपकेँ नीक जकाँ धो देने छैक। जनिकापर भरोस करैछी तँ हुनकर काजो पर भरोसा करब सीखए पड़त। भऽ सकैए–ओ बादमे सभकेँ समेटताह। बड़का काज करबाक अछि। जसपाक घटना नेपालक हेतु एकटा महत्वपूर्ण घटना थिक। एकर आबयबला सुखद परिणामकेँ शुरूहिमे नहि भंगठबियौ। नहि तँ अहाँ दोषी भऽ कठघारामे ठढा कऽ देल जाएब।

❑❑❑

लकडाउन डायरी–१२

प्रज्ञा प्रतिष्ठानक मुंगबा परसब

२०७७ अखाढ़ १ गते सोमदिन

१५ जून, २०२०

एहि बेर फेर मित्र सभक कथा–पिहानी। परसू सबेरमे संस्कृतिविद् डा. रामदयाल राकेशक फोन आएल। वाट्सअप पर आएल हुनक फोनमे जखन नाम देखलहुँ तँ हम अचंभित भऽ गेलहुँ। प्रायः महिनो बाद (२–३ वर्ष) ओ फोन कएने रहथि। आ हम सेहो नहि करैत रहियनि। किएक, तकरो किछु कथा छैक।

जे–से, हुनक फोन हम उठैलहुँ आ की छै सरसँ सम्बोधन करिते ओ पहिल बात कहलनि, 'अहाँकेँ औनलाइन देखि हम फोन कएलहुँ अछि। प्रज्ञा प्रतिष्ठानसँ कोनो खबैर आएल है कि नै?'

'नै, हमरा किए आएत!' –हम कहलियनि।

एह, ओइठामसँ अखुन २ नं. प्रदेशक भाषा, साहित्य, संस्कृति सम्बन्धमे लिखा रहल छै। हमरा सँ उपकुलपति जगमान गुरुङ नाम देबए लेल कहने रहै। हम तँ अपन नाम सहित अहुँक नाम देने रहिऐ, आ बारह गोटेक आर विषय अनुसारे। अहुँकेँ नै देलक, हमरो छाँटि देलक।'

'ठीक छै। ओ सभ अपना अनुसार करैछै। हमरा तँ मतलबो नै है। शायद हम अस्वीकारे कऽ दितिऐ। नीक भेल नै कहलक।'– हम हुनके टोनमे उत्तर देलिअनि।

"मगही बाला बीर बहादुर महतो छै। ओ संयोजक खत्री संगे एकटा संस्थामे जूड़ल अछि। ओ सोसिओलोजीमे एम.ए. कएने कहैत छी, कहैत अछि। एखन तक डिग्री पास भेल कि नै हमरा नै मालूम। सब खेला ओकरे हए। सर्लाही जिल्लाके अछि आ पक्का एमाले है। ओकरा देने छलै समाजशास्त्र। फेर कतौ सँ विरोध भेलै तँ आब कहाँदन ओकरासँ लऽ केँ दोसर एकटा मित्र छै, त्रि.वि.वि.मे ओकरा देलकैअ।' –राकेशजी कहैत जा रहल छलाह।

हुनक कहब रहनि जे सोम दिनक परिषद्क बैठकमे जे निर्णय भऽ गेल छै तकरा मानि लेबाक दोसर कोनो विकल्प नहि छैक। ओ एहिमे डा. योगेन्द्र प्र. यादव आ डा. उषा ठाकुरक हाथ भऽ सकैछ। ओ दुनू गोटे प्रदेश नं. २ क छथि। मुदा.डा. राकेश कहलनि, 'डा. यादवसँ बात भेल तँ ओ एहिमे अपन कोनो सहमतिक बातसँ इन्कार कयलनि। बरु अपन किछु विरोध दर्ज करिबितो नहि मानल गेल से कहलकनि।'जे डा. राकेशकेँ अस्वभाविक नहि लगलनि। हुनक तर्क रहनि डा. यादव दमदार विरोध नहि कऽ सकैत छथि।

डा. राकेशक दोसर शिकायत छलनि–"४०–५० हजार बला अनुसधान कार्यक हेतु देल जाएबला परियोजनामे" वैश्य समुदाय समाज शास्त्रीय अध्ययन हमरा भेटल रहल जकरा विज्ञक परामर्श अनुसार सुधार कऽ प्रस्तुत कऽ देलिऐ। पास भऽ गेल । फेर परिषद् तकरा छापक लेल स्वीकृति सेहो दऽ देने है। तैयो ओकरा झूला रहत है। ओ हमरासँ कुलपतिजीक नम्वर मँगलिनि आ भोरे बात करबाक बात कहैत अपना बारेमे प्रज्ञामे बीमार छथि, लिख नहि सकताह से भ्रम पसारल गेल बात पर दुख व्यक्त करैत तकरा ओ कुलपति लग फरिछएबाक बात कहलनि। एहि सम्पूर्ण वातचीतक भितरिया अर्थ इएह रहनि जे हम किछु बात डा. यादव आ कुलपतिसँ करी जे एहि तरहक भ्रमात्मक बातक प्रचार नहि हो, नहि देबाक छै तँ नहि देल जाए, ई दोसर बात छै... ।

साँच बात तँ इहो अछि–हमरा एहिमे कोनो मतलब नहि अछि। जहिया हम प्रज्ञासँ घुरलहुँ आ किछु व्यक्ति दोबारा पदार्पण कएलनि पदाधिकारी रुपमे, हमरा बूझल छल, हमरा प्रति ओ सभ सहिष्णु नहि भऽ सकैत छथि। हमर चारि वर्षक अवधि 'शान'क अबधि रहए। प्रजातांत्रिक प्राज्ञ समूहक बहुमत रहैक। कोनो एहन निर्णय नहि भऽ सकलै, जाहिमे कतौ बेसी एक तरफा भेल हो। एकर फूटसँ संस्मरण लिखैत हम लिखब हम चारि वर्षक प्रज्ञा प्रतिष्ठानक अविधिमे हम की कऽ सकलहुँ आ कोना कऽ सकलहुँ।

तखन प्रज्ञेक एकटा एहने प्रसंग एतय राखब समीचीन हयत। हम एक बेर नेपाली निबन्ध सभक एकटा संग्रह प्रस्तुत करबाक समझौता डा. तुलसी भट्टराई सदस्य–सचिव रहथि ताहि बेरमे कएने रही आ ओ समये पर प्रस्तुत भऽ तत्कालीन प्राज्ञ परिषद्सँ प्रकाशनक हेतु स्वीकृत भऽ गेल रहैक। मुदा एतेक भेलाक बादहु प्रकाशनक कोनो अता–पत्ता नहि भेलै। कय बेर तगेदा केलिअनि। कोनो खबरि नहि।

जखन हम प्राज्ञ परिषदमे गेलहुँ तँ स्वयं प्रकाशन विभागक प्रमुख संध्या पहाड़ीकेँ खोजबाक लेल कहलिऐ। आब खोजब त आदेश जका भऽ गेलै। उनटौलक पुरना फाइल। भेटलै। हमरा खबर कयलक। हम जखन प्रशासन शाखामे जा देखलिऐ तँ झमा केँ खसिल रही। ई देखि जे प्राज्ञ परिषद्क निर्णयक

बाद ओहि पाण्डुलिपिकेँ प्रकाशनक हेतु प्रकाशन विभागमे पठाओल गेल रहै। प्रकाशनसँ प्रेस विभागमे ओकर इस्टीमेट करबाक लेल। तखन प्रेससँ सम्पूर्ण विवरण सदस्य–सचिव लग पेश भेल रहै। जत्तसँ प्रकाशनक हेतु स्वीकृति प्रदान कऽ प्रकाशन विभागमे पठाओल गेल रहै। बस, एहिठाम जा कँ एकरा रोकि देल गेल। लगभग छपबाक हेतु तैयार ओ पाण्डुलिपि वर्षहु रोकल गेलै। आब हमरा कहल गेल की कएल जाए तँ पाण्डुलिपि खोजल गेल। ओ भेटबे ने कयलै। पाण्डुलिपि हम जनकपुरेमे प्रूफ देखने रही। एकर कम्पोज तत्कालीन समयमे प्राज्ञ परिषद् सदस्य रहल डा. योगेन्द्र प्र. यादवक सहयोगमे भेल रहए। कम्पोज आ सेटिंगक पाइ हम स्वयं बेहोरने रही। मुदा तैयो हमर पाण्डुलिपि हरा देल गेल। कोनो कम्प्यूटरमे नहि पाओल गेलै।

आब समस्या छलै ओकरा छापल कोना जाए। जे प्राज्ञ परिषद्मे रहैत अछि, तकर अवधि भरि कोनो निजी पुस्तक नहि छापल जाएत। हम छपा नहि सकैत छलहुँ। ने पाण्डुलिपि, ने छपबाक अबसर। मन मारि कँ रहि गेलहुँ।

जखन हम सेवासँ निवृत भेलहुँ, मित्रवर विष्णुविभु घिमिरे उपकुलपति भेलाह। भेंटघाँट भेल। ओ हमरा द्वारा कएल सहयोगकेँ अपने स्मरण कएलनि। हुनका पीएचडीक लेल एकटा अनुसन्धान कृति चाहियनि। हम संस्कृति विभागक प्रमुख रही। ओ अन्तिम समयमे प्रोजेक्ट लऽ कँ आएलाह। पाइ लगभग खर्च भऽ गेल रहै। तखन हम एकटा आन विषयक संचित पाइ महक किछु हजार टकाक हुनक परियोजना स्वीकृति कऽ अपने समयमे पास कऽ देलिअनि। भऽ सकैछ तकर उपयोग ओ अपन पीएचडी थिसिसमे अंक प्राप्तिमे कएने होथि। आब तँ डा. विष्णुविभु घिमिरे छथि।

ओ हमरा पुस्तक मात्र छापब कनेक कठिन कहि किए ने एकटा परियोजना अन्तर्गते पुस्तकक पाण्डुलिपि प्रस्तुत कएल जाए। हमरा कोन आपत्ति। तीन मासक परियोजना स्वीकृत भेल। आ समयपर गेल हमर पाण्डुलिपि बन्धुबर घिमिरेजीक तत्परतासँ हुनक पदावधि समाप्त भेलाक बाद छापि कऽ हमरा भेटल–"मैथिल लोक संस्कृतिः विविध आयाम"।

से डा. रामदयाल राकेशक व्यथा कथा सुनैत हमरा प्रज्ञाक गुटबन्दी आ तकर दुषपरिणामक अपेक्षासँ अज्ञानता नहि रहने–कोनो दुख नहि लागल। ओ लगारी लोक छथि। कहैत–सुनैत पार लागियो सकैत छथि। हमरा बुते सएह नहि हयत। तकर एकटा कटु अनुभव साझा प्रकाशनक सेहो अछि। ओ तँ बुझाएल हमरा पाण्डुलिपि वर्षहु बाद स्वयं अध्यक्ष भेलाक बादे प्रकाशनमे गेल। ओना ओकरो अपन अध्यक्ष त्यागलाक बादे प्रकाशन करौलहुँ। एकरो कथा रोचक छैक। कहियो आन सन्दर्भमे।

२०७७ अखाढ १० गते बुधदिन
२४ जून, २०२०

आइ काफी दिनक बाद डायरीक दू शब्द लिखबाक मोन भेल। कैक गोट कारणमे एकटा इहो जे आइ नेपालमे लकडाउन (बन्दाबन्दी–नेपाली अनुवाद प्रचलित अछि) लगैला ठीक तीन मास भऽ गेलै। २०७६ चौत ११ गतेक लागल रहै आ आइ १० गते अखाढ छै। आ हमर घर बन्दीक माने कम्पाउण्डसँ बाहर निकललहुँ अपन नवका स्कूटरसँ जकरा गत आठ मासमे दश दिनसँ बेसी चढल नहि हयब।

मुहपर केएन ६५ मास्क, हाथमे सेनीटाइजर लगा कँ स्कूटरसँ पहिने गाम गेलहुँ, जत्त एतेक दिन नहि गेने कतेको काज पड़ल छल। बाटमे रहए जे विना कोनो रोक–टोक, कुशल–क्षेम निकलैत चल जाइ। से भेल, कोनो तेहन परिचित नहि भेटल। प्रायः भेटबो करैत तँ चिन्हैत नहि। माथपर हेम्लेट, आँखिमे कारी चश्मा आ भरि मुहक उजरका मास्क। चिन्हबा लेल हाथक सिवा छलै की ? आ हाथसँ केओ किए चिन्हत ककरो।

गाम जखन पहुँचलहुँ, घर–आँगन आ बारीमे नातिक रोपल तरकारीक अवस्था देखलाक बाद भैयारीमे लगैत बुलन कापड़ि लग जा धरि लगमे जा हार्न नहि बजौने रहिऐ ताधरि ओ अलमलएमे रहल। हम लगेमे सटल अपन गाछीमे गेलहुँ। ओतहि आमक अवस्था देखैत किछु बात–चीतक बाद जनकपुर आबि गेलहुँ–१०:३० बजे। घरमे नहि जा सोझे माला कलर प्रिटिंग प्रेसमे जा भरत अप्रेटरसँ 'आँजुर'के कभर फाइनल कऽ भीतरी पृष्टक सुधार करबाक निर्देशन दैत पुनः सोझे घरे आबि गेलहुँ। लगभग ११:१५ बजे। माने लगभग२ घंटाक हमर सफर रहल।

एहि क्रममे गाम जाइत–अबैत आठ किलोमिटरक बाटमे कम्मे यात्री हमरा भेटल जे मास्क लगौने छल। बाजारक अवस्था तँ आर दर्दनाक छलैक। कोनो डर, भय नहि। कतहु कोनो सावधानी नहि। दोकान सभ तँ खूजल मुदा गहिंकी जुटान कम, आ जे जूटल से कोनो स्वास्थ्य सुरक्षाक घेरामे नहि। सड़कपर निःशंक घुमैत। बैंकक आगाँ सड़कक कातमे मोटर साइकलक कतार बेस नमहर, नमहर। किए केओ एक्को मिटरक दूरी पर रहैत। मास्क तँ हमरा लागल जेना लोकक मुहसँ उतरि जेबीमे अथवा घरक अलना पर लटकि गेल हो। लागल जेना जनकपुर कोरोना मुक्त शहर घोषित भऽ गेल हो।

से तँ गत दू दिनसँ नगरमे हड़कम्प मचबैत जनकपुर उपमहानगर पालिकाक मेयर साहेब आ हुनक वार्ड अध्यक्ष, सदस्यसभ सेहो कम दल मलितत नहि कैने छै लोककेँ। पहिने नीति तथा कार्यक्रमकेँ पास करबा लेल बोर्ड बैठकमे कहा–सुनी, धकला–धकली आ जोश आ क्रोधमे गेरुआ रंगक प्लास्टिकक खुरसी सभे तोड़ा–तोड़ी। जेना नगरपालिकाक पदाधिकारी बतबैत रहलैए वार्डमे बेसी बजेटक

माँग भऽ रहलापर नहि गेलाक कारणें ई सभ ड्रामा छै! एम्हर उपमहानगरपालिकाक मूल गेटक बाहर धरना देने वार्ड अध्यक्ष सदस्यसभक कथन जे नीति तथा कार्यक्रम विना पूर्व जानकारीक एक्के बेर बोर्डसँ पास करएबाक चक्रचालिक हमसभ विरोध कऽ रहल छी।

एहुठाम कोरोनाक त्रासकेँ बजेटक चासनीमे सभ गोटे पीबि गेल सन बुझा रहल छै। सामाजिक संजाल तँ भरल छै एहि महाभारतसँ ।

बम्बै आम आब गाछ आ बजारोसँ गायब भऽ गेल छैक। हँ, तखन कोल्ड स्टोरबला अबै तँ कहि नहि। मालदहक समय छैक। काँच ५० रु किलो, पाकल सएमे अढाइ किलो। हमहुँ गामसँ काँचे मालदह मंगौने छी। घरोक आम अछि मुदा खुदरा। जतेक खाएब नहि ओतेक सरत ई!

तखन अझुका डायरी बन्न करैत करैत किछु कोरोनाक तथ्यांकपर नजरि राखब जरूरी छैक। पछिला २४ घण्टामे प्रदेश नं. २ मे १ सय ३ गोटेमे संक्रमण देखल गेल अछि। सब मिला प्रदेशमे एखन धरि ३ हजार २ सए भऽ गेल छैक। जाहिमे १ सए ६७ महिला आ ३ हजार ३ सए पुरुष हयबाक जानकारी प्रदेशक सामाजिक विकास मन्त्रालय देलक अछि।

प्रदेशक क्वारेन्टाइनमे एखन ६ हजार १ सए ५ गोटे रहैत अछि तँ होम क्वारेन्टाइनमे १५ हजार ४ सए ५४ गोटे अछि। आइधरि प्रदेश नं. २ सँ १ हजार २ सए ३४ गोटे स्वस्थ्य भऽ घर घुरलाह अछि। ई तँ भेल सरकारी आंकड़ा मुदा जखन धनुषा लगायत आठो जिल्लाक जनसंख्या अछि ५,४०४,१४५ (२०११ जनगणना) तेहन मे से तँ लगैए ई संक्रमण अत्यन्त थोड़ अछि तएँ सन्तोष करी। मुदा नहि......!

<u>२०७७ अखाढ १२ गते शुक्रदिन</u>
<u>२६ जून, २०२०</u>

देशमे लकडाउन हटाओल नहि गेल छै, मात्र हल्लुक कएल गेल छै। तएँ डायरी ताधरि चलत जा धरि मोन मानैत रहत। हँ, तखन तेहने किछु घटित हयत तखन अवश्य किछु लिखायत।

आ आइ लिखबाक कारण थिक जनकपुरधाम उप–महानगरपालिकाक बजेट अधिवेशनमे भेल कुश्ता–कुश्ती, तोड़–फोड़क बाद अन्ततः बजेट पास भऽ गेलै। मेयर साहेवक प्राण पलटलनि । सार्वजनिक काज करब आ एहि तरहें बेइज्जत हयब– किए ? एकर पाछाँक कारण की भऽ सकैछ ? लगभग डेढ़ अरबक बजेट पास करौलनि अछि। एहिसँ पूर्बो कम नै रहै। एक्कोटा ठोस काज जनकपुरबासी नहि देखलक अछि। ने भाषा, ने साहित्य, ने संस्कृति आ ने पर्यटकीय विकासक हेतु कोनो ठोस योजना। पोखरि सभ ओहिना विकासक मुह ताकि रहल अछि। योजना बनैत छैक। दाता दिशसँ पाइयो अबैत छैक, काज कराओल नहि जा रहल

छैक। सालभरिक बजेटक लेल वार्ड अध्यक्ष दिशसँ वाद–विवाद। ई जरूर छैक एहि वाद–विवादक जड़िमे बजेटक माँग रहैत छैक। वार्डमे गंगा बहैत छैक से वात नहि। हमर आगाँक सए–डेढ सए मीटरक सड़क आइ कैक वर्षसँ पीच हयबा लेल हकन्न कनैत अछि। आ वार्ड अध्यक्ष सूतल अछि। राम–राम!!

एकटा हवा चललै जाहिमे घास–फूस, सब उड़ि कें जगह पकड़ि लेलक। आ आब जनताकेँ कीमत चूकब पड़ैत छैक। ने कोनो दृष्टिकोण, ने कोनो योजना। नगरपालिकाक अवस्था तेहने सन भऽ गेल छैक। प्रचारवाजीसँ केहन व्यक्तित्व स्थापित होइत छैक से मेयर साहेब विगत दू अढाइ वर्षमे खूब नीक जकाँ बुझने हयताह। कोनो नव दृष्टिकोण नहि। पत्र–पत्रिकाक प्रकाशनमे नगरक योगदान जरूरी छैक। अरबौक बजेटमे किछु लाख टका सोझसँ खर्च होइ तँ सभ पत्र–पत्रिका जुरा सकैत अछि। मुदा गुणगान आ फोटो छपबाधरि निकलैत पत्र–पत्रिका मालामाल कऽ देल जा रहल छैक आ जे इतिहास निर्माण करैत दशकहुसँ चलि रहल छैक तकर कोनो पूछ नहि!

भाषा, संस्कृतिक नामपर किछु व्यक्ति वा संस्था मात्रकेँ पोसब, निश्चय नगरपिताक पवित्र उपाधिक बदनामी होइत छैक। एहिमे मेयर साहेब कोन खाढीपर छथि–आत्ममूल्यांकन करथि।

करोड़ोक गाडी चढनिहार मेयर साहेब जखन कोरोनाक सुरक्षाक लेल बनाओल धर्मशालाक कोरोन्टाइनमे निरीक्षणक लेल पहुँचल छलाह तँ हुनकर जे ड्रेस रहनि, जमूरा जकाँ कोनो आन ग्रहक वासी जकाँ, की हुनक सोच आ सल्लाहकार, सहयोगी सभक कमजोरी नहि। एक थान नीक पीपीइ कीनल नहि जा सकैत छल। जे सुरक्षित अमर्यादित सेहो रहितैक।

एहि सभसँ व्यक्तिकेँ सोचक परिधि देखबामे, बुझवामे अबै छै। एतेक पैघ महामारीक कारणें जनकपुरक पत्रकार लोकनि सेहो पीड़ित भेलाह। दू तरहें। किछु भौतिक रुपें आ अधिकांश आर्थिक वा मानसिक रूपें। नगर सरकारक हैसियतसँ उप–महानगरपालिका तेहन पत्रकारक हेतु किछु राहतक व्यवस्था तँ कऽ सकैत छलै। लकडाउनमे पत्रिका बन्न छै। विज्ञापन नै छै। आय गायब भऽ गेल छै। मुदा लाखो–करोड़ोक हेतु उप महानगरपालिकामे होइत घमासानमे तमाशवीन भऽ जाए लेल उताहुल पत्रकार बन्धु सभकेँ अपन पेशागत व्यवस्थापन दिश सेहो सोचबाक चाही। आ से व्यक्तिगत नहि, सामूहिक ।

अपना सबकेँ गामघरमे एकटा कहबी खूब चलै छै–हमरा खसौले घोड़ी कतौ जो! जनकपुर उप–महानगरपालिका तेहने सवारी अछि, ककरा खसाओत, ककरा उठाओत कहब कठिन। जकर गन्तब्यक कोनो ठेकान नहि, कत्त भासत, ओंघरायत ठेकान नै। तएँ अपने सम्हरिए कँ चली, से नीक!!

❑❑❑

लकडाउन डायरी–१३

लड़बाक लूरि सिखाओत ई कोरोना

२०७७/३/२४ गते बुधदिन

८ जुलाइ, २०२०

आइ ठीक तीन मास चौदह दिनक बाद हम भिनसर ६:३० बजे टहलबाक हेतु बहराएलहुँ। उदेश्य छल–कनेक अनुभव कएली जे जन–जीवन केहन चलि रहल छैक। पत्र–पत्रिका, सामाजिक संजाल आदिमे नगरक रंगतालक बारेमे निरन्तर देखैत–पढैत रहल छलहुँ। से कनेक लगसँ देखबाक आशामे स्टेशन होइत भानुचोक तक गेल छलहुँ। ओत्त दवाइक दोकान खोलने माडबाई बन्धुसँ दू–चारि गप कऽ पुनः घर दिश घुरि अएलहुँ। बाटमे रेलवे स्टेशनसँ दक्षिण वकिलटोल दिश जाएबला सड़कक पहिल पछिम भरसँ पूर्व मुहेक पूर्वक रेलवे बुकस्टाल जे आब हरेक मालक सामूहिक विक्री केन्द्र बनल राजेन्द्र सिंह कुशवाहाक दोकानपर कनेक काल विलमलहुँ। हुनक पुत्र संजय कुशवाहा आब दोकान सम्हारैत अछि। ओएह छल। किछु गप–सप भेल। फेर ओत्तसँ घर आबि गेलहुँ। आइ रौदो अदभुते छल। मुदा हमरा लेल तँ धनसन। एहि साढे तीन मासमे रौदमे अधो घण्टा बैसल वा घूमल होइ से भऽ नहि सकल छल। पछिम मुहेक घर बनएबाक दण्ड तँ भोगहि पडत ने।

मुदा आइ किछु संतोष भेल। रौदकेँ तँ पकडलहुँ। हँ, हम कहैत छलहुँ हमरा बुझबाक रहए जनकपुरक चालि–ढालि, स्वास्थ्य मंत्रालयक दिनहुँ अबैत अपीलक असरि– घरसँ विना काम बाहर नहि निकलु, जँ आवश्यक काज पडिए गेल तँ मास्क लगा केँ आ जत्त जाइछी ओत्त दू मिटरक दूरी बना केँ काज करू। हाथकेँ साबुन–पानिसँ 20 सेकेण्ड धरि रगड़ि–रगड़ि केँ घोउ, जँ नहि संभव रहय तँ सेनिटाइजरक प्रयोग करू आदि, आदि।

से जाहि तरहक नजारा देखि पड़ल ताहिमे कोनो लागू नहि रहैक। हँ, भानुचौकपर दू तीनटा ट्राफिक प्रहरी मोटर साइकल बालासभकेँ चेक जाँच करैत

देखल गेल छल। लोक ओहुना आब कडाइ कएलापर मास्क तँ लगौने छल मुदा से नाम मात्रक। खाना पूर्तिक लेल। अथवा ई कही प्रहरी सभक डरें। अपन सुरक्षाक लेल नहि। मात्र एकटा कोनो मास्क मुहपर छपने हाथक खुल्ला छोडैत जत–जत हँसोथैत, छुबैत लोकक व्यवहार छगुन्ता आनि देलक। मुह आ हाथ–मात्र एहिमे सतर्क रहे से कहैत छैक। दुनू जखन असुरक्षित तँ सुरक्षाक उपाय ककरा कही!

नेपालमे कोरोनाक अवस्था आंकडासँ ओतेक त्रासदीपूर्ण नहि छैक। ३ मासमे १६ हजार संक्रमित। ई बात सरकारी स्वास्थ्य मंत्रालयक प्रवक्ता बजैत छथि। हुनक मत छन्हि आब क्रमशः संक्रमितक संख्या कम भेल जा रहल छैक। ६६ प्रतिशत रोगी विना लक्षणक देखल गेल अछि। तँ जनिक मृत्यु भेल अछि ओ पूर्वसँ कोनो ने कोनो रोगसँ ग्रसित छल। आदि–आदि।

सरकारी आंकडा आ जानकारी आहलादकारी तँ लागल छल। मुदा तखने एकटा समाचार आएल प्रदेश नं. 2 क प्रादेशिक अस्पताल, जनकपुरधाममे पीसीआर जाँच प्रक्रिया अबरुद्ध भऽ गेल अछि। कर्मचारीक समन्वयक कारण...। दोसर दिश जाँचल सैम्पलक एखनो कतेक दिन धरि प्राप्त नहि भेल छैक परिणाम। तहिना समाचार सभ अबैत छैक बहुतो क्वारेन्टाइनमे रहल लोककेँ विना जाँचे घर पठाओल जा रहल छैक। सामाजिक स्तरपर पसरल हयबाक आशंका मात्र छै, ठोस रुपें सरकारो नहि दाबी कऽ रहल अछि। यद्यपि काठमाण्डूक किछु घटनासँ सशंकित जरूर छथि विज्ञसभ।

एक दिश जाँचक क्षेत्र कम भेल जा रहल छैक। दोसर दिश संक्रमितकेँ कम होइत संख्याक उपलब्धि मानि लोककेँ आर सहज जीवन जीबाक दिश प्रेरित कएल जा रहल छैक। खतरा तँ छैक। तकर खियाल कयल जएबाक चाही।

हम जखन आधा घंटाक घुमाइसँ एहि निष्कर्षपर पहुँचलहुँ, कोरोना महामारीक प्रभावसँ बदहवास आ जर्जर भेल जनसमुदाय एक बेर फेरसँ 'रीस्क' लऽ सडक पर उतरबाक साहस जुटा रहल अछि। जँ जूटत नहि तँ खायत कत्त सँ ? सरकारी आश्वासनपर रहब मूर्खता हयतैक। अपने किछु जोगार करए पडत–इएह घारणा लोककेँ खतरा उठएबा लेल बाध्य कऽ देने छैक।

मुदा एहीठाम लोक चूकि जाइत अछि। काम करय पडतै। व्यवसाय चलाब पडतै। मुदा से स्वास्थ्य सुरक्षा मापदण्डक संग। आब तँ खतरा मात्र अपने नहि छैक, अपनासँ समाजमे पसरबाक डर छैक ने ! तएँ एक व्यक्तिक असावधानी कतोककेँ लाहेब कऽ सकैछै। तएँ कानूनी आ प्रशासनिक दबावक जरूरति पड़ि रहल छैक।

एकटा सर्जिकल मास्क एखन १० टकामे भेटैत छैक। ई बढल दाम छै तथापि जँ दिनमे एकटाक दरसँ खर्च होइछ तँ मासमे ३० गोट अर्थात ३०० टका। तखन

तीन सए टका खर्च कऽ सुरक्षा साथ अपन रोजगारी, काम–धाम चला सकैछी तँ किए ने एहिपर आरूढ़ रही। आब तँ एही अनुसार चलए पडत। माने कोरोनाक त्रासदी एहिसँ लडबाक लूरि धरि सिखाइए देत।

यथावत/अपराह्न ४ बजे

हँ, आइ दू बेर डायरी लऽ केँ बैसए पड़ल। प्रयोजन ततेक 'क्रिटिकल' नहि रहैक जकरा खातिर दोबारा बैसल जाए। तखन मोनमे किछु आबए तँ ककरा की जोड चलतै। से तेहने बात मोनमे तरंगित भेल तँ लागल एहि बैसारीक उपयोग हो।

बास्तवमे बहुतो मित्र शुभचिन्तक ई जिज्ञासा करैत–रहैत छथि– लकडाउनमे की लिखै पढैछै ? आ ई प्रश्न ओतेक बेजायो नहि ! चारू भरसँ निश्चिन्त घरमे रहैत या तँ पढू, लिखु आ कि परिवारक लोकक संग गप्प मारू। कोहुना दिन काटू। बहुत गोटे एहि बीच खूब लिखलनि अछि। देखार भेलाह भाइ विभूति आनन्द। लकडाउनसँ सम्बद्ध दू गोटे किताब डायरीक आ एकटा प्रायः कविताक। ओना एकटा उपन्यास आ कविता संग्रहक कभर सेहो देखल अछि। नीक लागल । तकरा अतिरिक्त लकडाउनमे किछु गोटे आरो किताब लिखलनि अछि। से आओत तखन। मुदा डायरीक सूचना आन कोनो नहि । हम सूचना तँ नहि देने छिऐक, मुदा लिखैत रहलहुँ अछि हमहुँ। ई हमर रुचिक विषय अछि। बहुतो डायरीक पन्ना विभिन्न पत्र–पत्रिकामे छपि चुकल अछि। बरु चीन भ्रमणक हमर डायरी पुस्तकाकार रूपमे तहिये प्रकाशित भेल छल, चीन जे हम देखल।

से लकडाउन डायरी हमहुँ लिखैत रहलहुँ अछि। नियमित नहि। जहिया किछु खिलबाक रहए, तहिये। मुदा जैँ कि लकडाउन बढले चलि गेलै, कमो लिखलापर डायरीक पन्ना बढिते गेलै। आब लगैए, ई छोट–छीन पुस्तकाकार भइए जएतै। एखन ई धारावाहिक रुपें 'गामघर साप्ताहिक'मे छपि रहल अछि। बहुतोकेँ पठाओल जा रहल छन्हि, मुदा प्रतिक्रिया विहिन रुपें।

ओहुना किताबक संख्या बढएबासँ फायदा नहि छैक। भारतमे तँ साहित्य अकादमी सन संस्था छैक जे किताव पर पुरस्कृत करैत छैक। तएँ पुस्तक प्रकाशन अर्थ रखैत अछि। निजीयो क्षेत्रसँ पुस्तकपर पुरस्कृत कएल जाइछ ।

नेपालमे से नहि छैक। दू लाख टकाक पुरस्कार छैक सरकारी, मुदा ओ पार्टीक कार्यकर्ताक हेतु। साहित्यिक इतिहास अनिवार्य नहि। आ जे नहियो अछि तकरो पुरस्कार भेटि सकैछ जँ ओ कोनो लौबीक लोक होथि। अपन–अपनौती, भैयारी–दियादी के रोकि सकैछ? एकटा नेपालक मैथिली साहित्य अनुरागीक बाजल ई बात मोनमे बैसल अछि–किताबे छापि कऽ की हयतैक। वातावरण अनुकूल बनाबक चाही। चाही से भेटि सकैत अछि। आ ठीके ओ सभ किछु पाबि रहलाह अछि आ, हमरा सन चारि दर्जन पुस्तकक लेखक–सम्पादक निधेस जकाँ

थैरमे कतौ पाड़ल गेल अछि, जँ बेसी भूख लगतै तँ निघेसोकेँ झाड़ि केँ खुअएबाक परम्परा मैथिल समाजमे रहलैए, तकर पालन करबा लेल काज लगैछ।

एकबेर एकटा अध्ययनार्थी हमरा वारेमे किछु लिखैत 'तीन दर्जनसँ उपर' पुस्तकक रचयिता कहि की लिखि देलखिन्ह, एकटा ठीकदारक मोन कछमछा गेलनि। तुरत प्रतिउत्तर देलखिन्ह–हमरा नहि बूझल अछि। जँ छन्हि तँ नाम दियौक...। हम ओ दुनू पोस्ट देखने रही। तुरन्त अपन पुस्तकक नाम पहिल पोस्टकर्ताकेँ पठा देलियनि..। ओ तकर की उपयोग कएलनि पता नहि!

हम अपन पुस्तकमे प्रकाशित समस्त किताबक प्रकाशन मिति समेतक संग लिखैत रहल छी। जनिका चीत नहि बुझै छन्हि, तनिका लेल अपन आँजुर पत्रिकामे कभरक संगे छपैत छी। जे लोक तँ ई नहि बुझाइ जे ई अनेरे लिखैत रहैत छथि। तैयो ई प्रश्न?

आ जनिक एकसँ दू–तीन पुस्तक कथा–पिहानी, कविता–गीतक छन्हि आ जखन हुनक बायोडाटा छपैत छन्हि तँ ओएह दू–तीन पुस्तकक नामक संग एकर अतिरिक्त 'दर्जनहु पुस्तक' प्रकाशित छन्हि लिखैत गौरवान्वित भेनिहार कहियो ओ परिचय लिखनिहारसँ पुछलकनि अछि जे ई दू–तीन पुस्तकक अतिरिक्त आन कोन विधाक कतेक पुस्तक अछि ?

मुदा हमरा अग्निपरीक्षा देबय पड़ैत अछि–किएक तँ ने हमर कोनो जातीय गुट अछि, ने हम कोनो ठीकेदार सम्प्रदायक लोक छी। एकटा सोह लागल, मैथिली क्षेत्रमे आबि गेलहुँ । तखन १६६४ ई.सँ 'मिथिला मिहिर' सन कसल पत्रिकासँ लेखन प्रारम्भ कएलहुँ, जे ओकरा बन्न हयबा धरि जारी रहल। हमर एहि तरहें सन्तावन वर्षक साहित्यकेँ एखनका धरिक यात्राक हेतु ओहन व्यक्तिकेँ स्पष्टीकरण देबाक आवश्यकता भऽ गेल अछि जकरा हम अपन पत्रिका सभसँ साहित्य क्षेत्रमे प्रवेश करौने छी।

नेपालक मैथिली पत्रकारिता पुस्तक लिखैत धमेन्द्र झासँ एही सम्बन्धमे भेल सम्वादमे हम कहने रहिअनि–'अर्चना', 'आँजुर' आ 'गामघर साप्ताहिक'मे छपल साहित्यिक रचनापर जँ केओ शोध करथि तँ हजारहु पृष्टक पुस्तक तैयार भऽ सकैछ आ नेपाल–भारतक बहुतो साहित्यकारक विविध रचना मैथिली संसारक समक्ष आबि जाएत। खास कऽ नेपालक हेतु तँ वरदाने हयतैक ओ रचना सभ।

साँच बात तँ इएह छैक। ताम–झाम आ लोकमे बैसि गुटबन्दीसँ साहित्यकारे एकमात्र साहित्यिक सिरमौरक उपाधिसँ अलंकृत कएल जा सकैछ, शर्त इएह जे किछु जातीय आ अन्धभक्त चेला–चपाटी सभक जोर रहैक। ई लकडाउन हमरा एहि सभ पक्षपर विचार करैत काल मोनकेँ आश्वस्त कयलक अछि. हम जत्त छी, ओत धुरफन्हीसँ नहि, अपन कृति आ परिश्रमसँ छी। देरीए सही, जते पैलहुँ, तकरो पाछाँ तँ लेखनक इएह निरन्तरता अछि। असन्तोष किए??

❑❑❑

लकडाउन डायरी–१४

मूल मुद्दासँ बहराइत सरकार

२०७७/०३/२६ गते शुक्रवार
१० जुलाइ, २०२०

आइ नेपालमे घटित किछु महत्वपूर्ण घटना सभक दस्तावेजीकरणक हेतु फेर डायरीक सहारा लेबय पड़ल अछि। ओ चाहे कोरोनाक सम्बन्धमे हो, संघीय सरकार सम्बन्धमे हो, प्रदेश सरकार सम्बन्धमे हो, अथवा नेपाल–भारत सम्बन्धमे हो। बहुत किछु नव भेलैए। से मोन रखबाक हेतु तकरा शब्दमे उतारय तँ पड़तै।

हमरा अपन एकटा कथा मोन पड़ैत अछि, किछु मास पूर्व लिखल आ बादमे हमर कथा संग्रहमे छपल कथा 'सीमापरक भूत'। एकटा स्कूलिया बच्चाक माध्यमसँ सीमापर होइत खटासक चित्र उपस्थित करबाक प्रयास रहए। दुनू देशक प्रेमक बीचमे सीमापरक सुरक्षा–निकाय सभक कड़ा जाँचक आवरणमे यात्री सभकेँ प्रताड़ित करबाक घटनासँ बच्चाकेँ ओहि पारमे रहैत अपन कक्षाक संगीसँ भेंट करबाक इच्छाकेँ कोना दबएबाक लेल कहल जाइछ, तथापि ओ जीद पकड़ने रहैछ। एहि बाल सुलभतामे दुनू देशक बेटी रोटीक सम्बन्धकेँ जीवंत आकार लैत देखल जा सकैत अछि।

आइ लगभग एक वर्षक बाद ओहने परिस्थिति सरकार द्वारा बनाओल जा रहलैक अछि। 'राष्ट्रवाद'क नामपर एकटा एहन माहौल बनि रहल छैक, जाहिमे सौंसे देश एकजूट होइतो मनमे आशंका पालने अछि लोक–की ठीके एकताक हेतु छैक कि सरकारमे गद्दी बचाबक लेल?

एखन नेपालमे भारतक किछु महत्वपूर्ण समाचार चैनल बन्द कराओल गेल अछि। आरोप छैक–प्रधानमन्त्री आ चिनिया राजदूतक बीच अनर्गल प्रचार कऽ दुनू

देशक बीचक मर्यादाक उल्लघंन कएल गेल अछि। संभव थिक ई ठीको होअए। भारतीय चौनल सभ बात बनबमे बहादुर अछि। जोड़ि जाड़ि कऽ टीआरपी बढेबाक लेल किछुओ कऽ सकैत अछि। मुदा आम दर्शक जे तराइ–मधेशसँ बेसी अबैत अछि–भारतीय चैनल देखैत अछि। तकरा ई नीक नहि लगलैए। जेना कि समाचार देखल अछि जनकपुरमे एहि बन्दीक विरुद्धमे जुलूस सेहो निकालल गेल अछि। मुदा एहिसँ हयत की? कतेक समस्या लऽकँ जुलूस, प्रदर्शन करब। चारू कात तेहने अवस्था छैक।

केन्द्रमे नेकपाक दूटा गुट आपसमे भीड़ल अछि। चिनिया राजदूत सभ नेताक डेरामे जा कँभेंटघाँट कऽ रहलीह अछि। तकरो विरोध काठमाण्डूमे प्रदर्शन कऽ भेल अछि। समाचार चैनल आ सामाजिक संजाल सभमे आलोचना भऽ रहल छैक। पता नहि एहि भ्रमणसँ आगाँ की हयत। भऽ सकैए बात मीलि गेल हो। मुदा तुरंत एकर घोषणा भने चिनिया राजदूतक भेंटघाँटक परिणाम बुझल जएबाक डरसँ दुनू पक्षक अड़ानक बात आएल जाइत हो। आ किछु दिनक बाद नै स्थायी समितिसँ तँ केन्द्रीय समितिसँ एकताक निर्णय कऽ सभ समस्याक समाधान कएल जा सकैत अछि। जे करी, देशक हितमे होए से सोचैत जाउ।

एकटा मित्र आइ भोरे वीरगंजसँ फोन करै छथि–प्रदेश नं. २ क मुख्यमन्त्री होबयबला कोनो दोसर नाम अपने कही तँ। हमरा उत्तर देबामे एक्को सेकेण्डक विलम्व नहि भेल –एखन प्रशासन, मंत्रालय आदि देखनिहार व्यक्तिसँ महत्वपूर्ण छैक संघीय नेपालक एकमात्र इतर कम्यूनिष्ट प्रदेश सरकारक रूपमे स्थापित ई २ नं. प्रदेशक संघक पक्षपात आ विभेदपूर्ण नीतिक विरुद्ध कसि कँदृढ़तापूर्वक ठाढ होबयबला व्यक्तित्व आ से लालबाबू राउत देखल गेलाह अछि। हिनकर विकल्पक रूपमे आन हमरा नहि देखि पडैत छथि।

ओ स्वीकार कयलनि। प्रसन्नता भेल। माने तरे–तर सरकार परिवर्तनक लेखा–जोखा शुरू भऽ गेल अछि। होउ, हमरा एहिसँ की ? की देलक अछि जे छीना जाएत।

नेपालमे मानसून जोड़पर अछि। ओना वर्षा तँ मासो दिन पूर्वसँ भइए रहल अछि मुदा मौसमविज्ञान विभाग एहि बेर कनेक गंभीरतापूर्वक मानसूनक पहिल कड़गर बारिस हयबाक चेताओनी देलक अछि। ओकर अनुमान छैक–बृहस्पतिसँ रविधिरि घनघोर वर्षा हयत जाहिमे प्रदेश नं. १,२, वागमती आ गण्डकी बेसी प्रभावित रहत। एहि क्षेत्रमे बहयबला कन्काइ, कोशी, कमला, बागमती, आ एकर सहायक नदीमे बाढि अएबाक प्रबल संभावना छैक तएँ धन–जनक सुरक्षार्थ आवश्यक व्यवस्थापनक हेतु, प्रमुख जिल्ला अधिकारी मार्फत गृहक परिपत्र आएल

छैक। आ जखन एहि नदी सभमे बाढि आओत तँ नेपालमे तबाही तँ हयबे करत भारतीय सीमावर्ती क्षेत्रमे सेहो त्राहिमाम मचतै। एहिबेर कोरोना सबकेँ आँखि आ बुद्धि दुनू चोन्हिया देने छलै तएँ बाढ़िक उचित प्रबन्ध नहि कऽ सकल छल, तकर फल भोगत लोक।

एकटा प्रसंग पड़ोसिया देशक मैथिली–भोजपुरी अकादमीक मादे। ओतए कार्यकारिणी समितिक नामसँ निकलल एकटा सूचनापर भेल भयंकर घोल–फचक्काक बीच कार्यकारिणी समितिमे रहल मैथिली साहित्यकारक कोनो प्रतिक्रिया प्राप्त नहि हयब आ एकर विरोधमे कोनो तरहक मनाशाय व्यक्त नहि करब–मैथिल स्वभावक परिचायक बूझल गेल आ से कहबाक साहस ककरो नहि छलैक। जँ आइ एहि कार्यसमितिमे केओ आन रहितथि तँ की ओ एहिना छोड़ल जा सकैत छलाह! ओना नेपालक लेल केओ रहथि की मतलब ? गुटबन्दी आ नाता..पावादक ताण्डव विगत किछु समयसँ हम देखैत अएलहुँ अछि। ओतुक्का संग्रह सभमे नेपाल किए बारल जाइछ, जखन परीक्षणमे हमरे कय गोट रचना छपल अछि। मैथिली अकादमी पटना १९८४ ई.मे हमर कथा संग्रह छपलक। कविता संग्रहमे हमर कविता छपलक जे एखनहु पढाइ होइत छैक। तखन ई दूरी के ठाढ कएने अछि? कोन मनशायसँ। तकर खोजबीन केओ करताह नहि। से एहि दुआरे जे तखन हुनका सभक गुटक दण्डबैठकीबला चेला–चाटी किंवा भैयारी भोज खाएबला नहि पड़ि सकैत छलाह। हँ, तखन आब देखैत छी–किछु गोटे सभा सम्मेलनमे आमंत्रित होब लागल छथि। अपन लोकक संस्थामे गेने किछु तँ लाभ होइते छैक से बेजाए कोन। काल्हि धरि सीमा बान्हि अपनाककेँ पौसैत रहलहुँ। आब अपन लोक ताहि कृतिम सीमाकेँ तोडैत एम्हरके प्रतिभाकेँ सामेल कऽ रहलाह अछि। तखन पात्रक चुनाव करबाक हक तँ सम्बन्धित अपन लोककेँ देबाक चाहिऐक। आ कि नहि !

आउ, आब अन्तमे नेपालमे कोरोनापर विचार करी। ई लकडाउनक वास्तवमे बहुतो तरहक उपयोग कएल जा सकैत छैक। बैसारीमे घुसकुनिया। जएह हाथ सएह साथ.। से ई हमर डायरी.।

नेपालमे कोरोना संक्रमितक संख्या आब विगत शनिदिन अर्थात २० गते अखाढ (४ अप्रैल २०२०)सँ क्रमशः घटि रहल छैक। एहि सप्ताहमे घटैत–घटैत काल्हि बृहस्पतिदिन ४ हजार ५ सय ८८ गोटेक जाँच परिणाम अएलापर मात्र १ सए ८ गोटे संक्रमित बहरायल अछि। ई एखन धरिक सभसँ कम अछि। ई तथ्यांक अपन नियमित प्रेस भेंटमे स्वास्थ्य मंत्रालयक प्रवक्ता देलनि अछि। अढाख 2 गते

धरि १ लाखसँ बेसी क्वारेन्टाइनमे छल, एखन ब्रहस्पतिकऽ मात्र 2४ हजार ४ सए २५ रहल अछि। नीक भऽ घर घुरल संख्या ७ हजार ८ सए ६१ अछि तँ संक्रमितक संख्या १६ हजार ५ सय ३१ पहुँचल अछि।

ई तथ्यांक मोनकेँ प्रसन्न कऽ सकैत अछि। मुदा विज्ञ सभकेँ एहिपर भरोस नहि छनि। एखन जाँचक गति अत्यन्त मन्द अछि। जनकपुरधामक पीसीआर जाँच मशीन सामान सभक अभावमे रुकल पडल अछि। सामान के कीनत तकर झगडा छैक आ तकर जडि खोजबै तँ उएह गंगा नहयबाक ललक। काठमाण्डूमे संक्रमित बढलैए। एखन लकडाउनमे छूट छैक। तएँ लोक बेफिकिर घुमि–फिर रहलए। ने मास्क, ने सामाजिक दूरी आ ने हाथमे सेनेटाइजर आदि। तखन कखन की हयत कहब कठिन।

बहुतो क्वारेन्टाइन बलाकें बिना जाँचक घर पठाओल गेल छैक। ओ कतेक लाहेब करत से के कहत! ओहुना नेपालमे जे जतेक संक्रमित भेटलैए ओ ६६.७ प्रतिशत विना लक्षणक छैक। विज्ञ सभक कहब छैक ई आर खतरनाक होइछ। समाजमे संक्रमण पसारय बला काजक हेतु । खास कऽ टारगेट ग्रुपक लेल तँ आर जे ६० वर्षसँ उपरक हो, कोनो पुरान रोगी हो, १० वर्षसँ निचांक बच्चा हो आदि।

भारत लगायत आनो देशसँ लोक आएल अछि आ अएबाक क्रम जारी अछि। जाँचक वर्तमान नतिजा सन्तोषप्रद नहि। जँ जाँचे नहि तँ संक्रमित कतेक कोना कहल जाए। तीनू सरकार कोरोना महामारीक भयावहता प्रति गंभीर लगैत नहि अछि।

❑❑❑

लकडाउन डायरी–१५

तखन ओएह–जेहे विधि राखे राम, तेही विधि रहियो !

२०७७ श्रावण ५ गते सोमदिन
२० जुलाइ, २०२०

संघीय सरकारक कोरोना नीति बुझवामे नहि आबि रहल अछि। जाँच तेज करबाक पर जोड देबाक बदलामे एकर जाँच घटा देने छैक। कहै छै संक्रमण कम भऽ गेने जाँचक गति कम कऽ देल गेल छैक। जँ जाँचे कम हेतै तँ संक्रमण कम भेटबे करतै। आ तकरा कारणेँ अपन पीठ थपथपएबाक कोनो कारण नहि देखि रहल छी। जे सरकार करैछै। औजी, खतरा तँ आब अनदेखार रुपें लोकमे पसरि रहल छैक। अपन कमजोरी नुकएबाक लेल जाँचक मात्रा कम करबाक भलहि जे तर्क देल जाइक, साँच बात छै–पीसीआर कतेक विगडि गेल छैक। जाँचक लेल लाओल करोडो टकाक कीट अनफीट आ गलत किनायल पडल छैक। से संभव छैक कीटक कमी भऽ गेल होइक । ताहू सँ जाँच कम कऽ देल गेल होइ।

विदेशसँ प्लेनमे लाओल जाइत नेपाली कामदार वा प्रवासी सभकें क्वारेन्टाइनमे बैसा जाँचक बाद गन्तव्य दिश छोड़ल जएबाक निर्णय भेल छल। मुदा से कार्यान्वयन नहि भऽ सकल आ जखन संक्रमणक खतरा बढलै तँ आब सरकार फेरसँ निर्णय कैलक अछि–विदेशसँ आबय बला कें पाँच दिन धरि होल्डिङ एरियामे बैस पडतै। जखन पीसीआर जाँच भऽ निगेटिभ निकलत तखने घर जाएल देल जएतै। माने एक्के बातके बेर बेर कहैत–करैत अनेरे समय बीति रहलैक अछि। लगैछै एना जे एहि ठाम कोनो सरकार जेना काजे ने कऽ रहल हो ।

आ काज करौक तँ कोना। गद्दी बचाओ, गद्दी अपनाओ अभियानमे जूटल देशक भाग्य विधाता दलक नेता लोकनिक मुखारवृन्दसँ कोरोना संकट पर सम्वाद, कार्य निर्देशन अथवा स्वयं पीडित क्षेत्रमे जा दुखीक घर परिवारसँ सम्पर्कक बात दूर, सरकारी निणर्यमे सुरक्षात्मक प्रवन्धक अवस्था अत्यन्त कमजोर अछि। तखन

किछु ने किछु एहन अवस्थाक निरुपण भऽ जाइछ जाहिसँ एहि माहामारीमे लोक सुरक्षित घरमे रहितो सरकारक विरुद्धमे सडकमे आब पडि जाइत छैक बिरोधमे। काठमाण्डूक मण्डला हो अथवा अन्य स्थान, निरन्तर नारा, जुलूसा, अनसन, धरना जारी अछि तँ जनकपुरधाममे सेहो अयोध्याकाण्डक प्रभाव खुबे पड़ल छै। आ एतुक्का धार्मिक संघ संगठन सड़कपर उतड़ल अछि।

केहन दुर्भाग्य छै लोककें लेल जकरा जनताक बीच जा कें स्थिति स्पष्ट करबाक चाही ओ सुरक्षा साथ घरमे अछि, आ जे घरमे बैसि जान जोगबैत ओ झंडा, नारा आ बैनरक संग पूर्ण असुरक्षित अवस्थामे देशमे सार्वभौम नागरिककरूपमे जीबाक हेतु संघर्षकऽ रहल अछि।

नेपालमे अयोध्या भेटैक कि लंका। कुरुक्षेत्र भेटैक कि द्वारिका, मथुरा–एहिसँ नेपालक लोकके कतेक सरोकार भऽ सकैछै। ओ हजारो वर्षसँ जाहि सत्यके स्वीकार कऽ निरन्तर आस्थावान रहल अछि, तकरा भंग होइत एतेक जल्दी कोना तैयार हयत। आइ समय एहन प्रसंगक छलैक जखन सरकार पर उठल जाइत भरोसाकें एक मात्र ओएह ईश्वर लोकनि थम्हने छथिन्ह। ताहु भरोसाकें स्थानक नामपर विवादमे आनि मानसिक आ संवेदनात्मक स्तरपर विचलित करबाक कोनो प्रसंग कतेक सार्थक भऽ सकैछ।

हरेक वस्तुक समय होइत छैक। तराइ मधेशक सीमा तीरमे ईशापूर्वक कतेक ऐतिहासिक दस्तावेज पाथर, खपटा, ईट अथवा मूर्तिक रूपमे माटिमे दबल छैक, जकर सम्यक उत्खनन आ विश्लेषण कएलापर ई इतिहासक तगेदा कएलापर पुरातत्व विभागक नजरिमे अएलापर मठेर देल गेलै। मुदा दू हजार वर्षसँ मान्यता प्राप्त आर्षवचनक रूपमे पूजित रामायणक कथापात्र, स्थानपर नव विवाद ठाढ कऽ देशक भीतर महामारीसँ लड़ैत लोककें ओहिना असहाय छोड़ि देब कतेक उचित मानल जाएत?

उत्खनन जरूरी छै, तथ्य सभ बहार हयतै। नै अयौध्या त कोनो प्राचीन राज्य वंशक अबशेष भेटतैक। ताहिसँ एहि क्षेत्रक प्राचीन इतिहास मजबूत हयत। हम सभ तँ लालायित छी, ठोरीए किएक विराटनगरसँ मूर्तियाधरिक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक आ पुरातात्विक सम्पदा सभके तत्काल उत्खनन करबाक हेतु सरकार योजना बनाबए । नव–नव बात अएतै । देश आर सांस्कृति, धार्मिक अथवा ऐतिहासिक सम्पदा रुपमे धनी भऽ सकैछ। चीन सीमानक ऐतिहासिक संग्रहालयसँ सालकें अरबौ डलर कमाइ करैत अछि। सरकारके इहो एकटा महत्वपूर्ण काज छै।

से जखन आग्रह कएल जाए तखन करत नै। कारण भाषा, साहित्य, संस्कृति, पुरातत्व सरकारक नजरिमे निम्न प्राथमिकताक विषय छैक। प्रदेश सरकार सेहो

एही नजरियाक पृष्टपोषक देखल जा रहल छैक। लेखा परीक्षण प्रतिवेदनमे प्रत्येक साल अरबोके बेरुजु भले अबैत रहओ, बाचा कऽ कऽ भाषा, साहित्य प्रतिष्ठानकें अस्तित्वमे लायब जरुरी नै बुझैत अछि। एकर कारण की भऽ सकैछ–अनुमान मात्र कऽ सकैत छी ।

गतेक हिसाबसँ चारिम मासक हिसावसँ पाँचम महिनामे लकडाउन जा रहल अछि। जँ एक–आध मासमे लकडाउन हटाइयो लेल गेल तँ एहि क्षेत्रक हेतु कोरोना संकट बनले रहत। आ एहू कारणसँ भारतक संग सीमा खोलल ने जाएत। उएह बेटी रोटी आ स्वास्थ्य उपचारक कोनो तरहक सुविधा लोक भोगि नहि पाओत। ओहुना अयोध्याक विवाद दुनू देशक सीमाकें गरम कऽ देने छैक। जकर पूर्ण असर मधेशी पर पडि रहल छैक। पश्चिमी नेपालमे आनो समुदाय प्रभावित भेल अछि, जे भारतमे रोजगारी करैत आएल अछि।

एखन रातिएसँ वर्षा भऽ रहल छैक। नदी सभमे बाढि अओतैक से पक्का छैक। कोरोनासँ तवाह जनजीवन आब बाढि पानिसँ तवाह हयत। कत्तौ जएतै, मुहमे मास्क, हाथमे सेनेटाइजर आ लोकक संग दू मिटरक दूरी। जान तरहत्थीपर राखि घर दुआर, अन्न–पानि, धीआ–पूता, खेत–पथार, माल–जाल सबकें बचाबक हेतु अपस्यात रहत लोक। आ फेर सरकारक राहतक लेल मुह बबैत रहैत।

विकराल स्थितिमे लोक अछि। पढबला, सोचबला लोक बेसी फिरीशान अछि–चिंतनसँ। आब की हयतै। घरमे चारि माससँ बन्न भेल बहुत बात मनमे उठैत छैक। कतेक दिन धरि? घरमे बैसा कऽ रखबाक तँ ककरो 'ग्रैण्ड डिजाइन' नै छै। कहल जाइछ एहन एहन अवस्थामे सामर्थ्यवान् लोक खूब लडु झाडैत छथि। से कतौ तकरे जोगाड तँ नै।

दुर की–की सोच लागल छी। आइ भिनसरे भिनसर द पब्लिक हिन्दी मासिक पत्रिकाक सम्पादक बीणसिंह जी फोन कैने छलीह। मोन प्रशन्न भेल। हमर काठमाण्डू प्रवासक एकटा इहो कमाई छथि। हम साझामे अध्यक्ष रही तहिएसँ सम्पर्कमे रहलीह आ अपनत्व बढैत गेल। आब तँ। खूबे व्यस्त भऽ गेल छथि। खूब परिचय बढलनि अछि। किछु मित्र सभक अपना बोरेमे असहयोगक बात कहैत छलीह। कहादन हुनका किछु साहित्यिक मित्र ने भोजपुरी, ने हिन्दी आ ने नेपालीक रचनाकार मानैत छथिन्ह, ताहिपर रोष छलनि। हमरो गलत बुझाएल। ओ तीनू भाषामे लिखैत रहैत छथि। पुस्तको छनि । मानि लेबामे हर्ज की ?

आइ एहि वर्षक पहिल श्रावणी सोमबारी, कोरोना आतंकमे पशुपतिनाथक दरबज्जा नहि खूजल अछि। भारतमे देवघरक हाल पता नहि। ओना देवेन्द्र मिश्र

राजविराजसँ वालपर लिखलनि अछि गत वर्षे जका साइकल बला वोलवम टीम एहु बेर प्रस्थान कैलक अछि। से कतहु एम्हरे सन।

हम कतौ जा त नहि सकलहुँ, हँ तखन एकटा ४०–५० वर्ष पूर्व नाटक खेलाइत कालक शुभारम्भ प्रार्थना गीतक स्मरण रहल एकटा मुखडापर शिव चनारी तैयार कएल अछि –

हे शिवशंकर, हे त्रिपुरारी,
जगत पिता छी महान
कि हमसभ थिकहुं अहंक सन्तान।
भूलचूक सब माफ करी प्रभु
हम अज्ञानी नदान।
कि हमसब थिकहुं अहंक सन्तान।
बैर भाव जगमे छै पैसल
काम, क्रोध, मद, लोभ छै बैसल
मनक विकार सब दूर करु प्रभु
भैयारी बनैक जहान । कि हम..........!
चलु, अहु बहन्ने बाबा भोलेनाथक चरणस्पर्श त भइए गेल .... ।

❑❑❑

नेपालमे खतम भेल लकडाउन आ हमर डायरी सेहो !

२०७७ साल साओन ७ गते

जुलाइ २२, २०२०

हँ, आइसँ नेपालमे लकडाउन खत्म कऽ देलगेल अछि । सम्भवतः ई समाचार सुनिते हमर भारतीय मित्र सभके हमरासँ ईर्ष्या होब लागल हयतनि–हमरा ओहिठाम छूट देलाक बादो फेरसँ ३१ जुलाइ धरिक हेतु लकडाउन कऽ देलगेल अछि। आ नेपालमे .... ।

आ अहाँ सभके बूझब बेजाए नहि अछि । लकडाउन खत्म माने कोरोना खतम अथवा निचाँ महा उतरैत । आ जँ ई भऽ गेल हो तँ हमसभ भाग्यशाली तँ छीहे । मुदा बन्धुगण, हमरा ओत्त अहुँस बेसी दुर्गति छैक। लकडाउन कोन कारणे खतम कएल गेल अछि ई सरकारे जनैत हयतैक। कोरोनाक प्रकोप रूकल नहि अछि, बरु समुदायमे पसरि रहल अछि। कहबाक अर्थ ई जे सरकारी नियंत्रणसँ बाहर चलि आएल अछि। कोरोनटाइनमे २०–२२ हजार एखनो छैक, जकर जाँच कछुआक गतिसँ भऽ रहल छैक । एखनो दिनहु हजार पन्द्रह लोक भारतसँ एत्त लौटि रहल अछि, जकर जाँचक व्यवस्था नहि छैक। घरेमे रहु कोरेन्टाइन बना कऽ जँ, मोन खराब भेल तँ जाँच आ अस्पताल । आ बुझू एहि बीच जँ मोन बेसी खराब भेल, जे भेलैए। एकाएक तबियत गिगडलै, ताबे जाँच पास, औषधि उपचार होई होइ, ताबे तँ लाहेब भऽ गेलै । से अपने आशा पर घरमे रहु। बँचि गेलहुँ तँ कमाउ आ टैक्स सरकारके दिऔ। नहि तँ लेखालिअ... ।

नेपालमे लकडाउन खतम करबाक मतलब प्रशन्नता नहि, लगैए सरकारोके कोनो मजबूरी हयतै। अर्थमंत्री सरकारी खजानाक बदहाल कएबेर बाजि चुकल छथि। ने लोक कमायत तँ पाइ आर्जन कोना हयतै। आ जँ पाइ आर्जन नहि तँ सरकारकें के पालतै ?तएँ चलु एकबेर खतरे उठाओल जाए–सार्वजनिक यातायात खूजल, कार्यालय सभ दू शिटमे नहि आब १०.५ बजे धरि चलत, आगामी साओन १५ गतेसँ होटल आ रेस्टोरेन्ट खूजत, भादो १ गतेसँ आन्तरिक आ बाह्य हवाइ उड़ान शुरू कयल जाएत। भादो १ गतेसँ विद्यार्थी भर्ना, रूकल परीक्षा–संचालनक छूट देल गेल अछि।

लोक एखनो कोनो कोरोनासँ डेराइत छल एत्त ! एह, एम्हरका छूटमे ने मास्क लगौने, ने सामाजिक दूरी कायम करैत। जकरा जेना मोन होइक चलैत, किनैत, बेचौत। सभ स्वास्थ्य निर्देशिकाकँ खोम्चा बनाकँ नून पिआज राखि बेचि देने रहैक। ककरा फुरसत छलै जे प्रत्येक दिन ४ बजे स्वास्थ्य मंत्रालयक बुलेटिन

सुनैत जाहिमे कमो जाँचमे निरन्तर बढैत कोरोना संक्रमितक संख्या कहल जाइछ। देश–विदेशक डाक्टर लोकनि जे स्वास्थ्य सल्लाह दैत रहैत छथि–तकरो गौरसँ देखबाक, सुनबाक जरूरति केओ अनुभव कैलकै। जखन लोक सरकारक कनेक छूट देलापर अपने निर्देशिका बना ओहिपर चल लागल तँ सरकारो बुझलक–ले बूडिबक, हमही कैला बेहाल रहू । तों जे चाहै छें सएह कऽ दै छियौ। फेर हमरा नै कहिहें जे।

से खतरा पहिनेसँ बढ़ि गेल छैक। ओना लकडाउन समाप्त करैत सरकार किछु प्रतिबन्धकँ कायमे रखने अछि। जेना सामूहिक भोज–भात नहि हयत। स्कूल सभ नहि खूजत। सभा, गोष्ठी, प्रदर्शन, मेला, जमघट, सम्मेलन, सिनेमा हौल, डान्सवारक संगहि सैलून, ब्युटीपार्लर, जीमखाना, हेल्थ क्लब, समूहमे खेलल जाइत खेलसब, धार्मिक स्थलसब, पुस्तकालय, संग्रहालय, चिडियाखाना आदि सेहो बन्न रहत!

मुदा जेना हम कहल, एहि मध्य कतेको एखनो चालू अछि। लोक रोजगारीक नामपर काम शुरू कऽ देने अछि। हँ, तखन भारतीय मित्रसभक हेतु ई जानकारी सेहो नेपाल प्रवेशक २० नाकासँ नेपाली नागरिक वाहकक आएब आगामी ३ गते साओन धरि लागल रोक कायमे रहत। माने एखनो सीमाक आगमन अनिश्चित अछि। औजी आइए आबि कँ की करब। बिहारक सीमावर्ती नगर–ग   ाम क्षेत्र धरिमे कोरोना प्रकोप जारी अछि तँ नेपालोक कैक ठाम एहन अवस्था छैहे। नाहकमे रिस्क किए लेल जाए? बरु ३२ गते धरि अर्थात १६ अगस्त २०२० धरिक मात्र बन्दीक संकेतसँ मधेश क्षेत्रक वासिन्दा चौंकल अछि। ओ सब स्तब्ध अछि.नहि, एखन नाका नहि खुजै बरु। खतरा सीमाक्षेत्रमे आर बढल छैक। ओना एखन सरकारेक कृपासँ सीमाक्षेत्रमे अविश्वास आबि गेलैए तएँ एखन प्रिय नहि रहल सीमाक भूगोल आ संस्कृति। बरु धीरज धएल जाए, जाधरि दरभंगाक मिथिला सेनानी डा. बैधनाथ झा 'बैजू' माँ जानकीक शरणमे माथ निहुरा श्रद्धा–पुष्प अर्पण नहि कऽ लेताह आ समधियानाक तरुआ–सचारक मनोयोगपूर्वक विन्यासरत नहि हयताह। तहिना जनकपुरधामक कवियित्री, मैथिली जागरण अभियानक अभियन्ता पूनम झा 'मैथिल', विजेता झा लोकनि दरभंगा, मधुबनी जाए अपन सखी–बहिनपासँ दिल खोलि भेंट–घाँट, हालचाल पूछि माँ कँ भरि पोख पूजा–अर्चा कऽ सन्तुष्ट नहि भऽ जएतीह।

आ हमरा लगैए ई दुनू ऐतिहासिक घटना घटित हयबामे कतेक समय लागत ई दुनू देशक सरकार ठीक–ठीक उत्तर नहि दऽ सकैए। ताधरि हम सभ अपने सावधान रही। अपन सुरक्षामे दोसरोक सुरक्षा जोड़ल रहैछै। तएँ....एखनतक एतेब!

❒❒❒

उपसंहार

चीनसँ उपजि सौंसे संसारकेँ अपन पंजामे लऽ त्राहिमाम् मचा देनिहार कोरोना भाइरसक एखनधरि पहिचान नहि भऽ सकल अछि। जहिया नेपालमे एकर पहिचान भेल रहैक तहिया एकरा केओ गंभीरतासँ नहि लेलक। चिकित्सकसँ लऽ स्वास्थ्य मंत्रालय, कार्यकारी पदाधिकारी लोकनि कोरोना नेपालमे कमजोर अवस्थाक अछि, कोरो खास नोक्सानी नहि कऽ सकैत अछि, सन कथा बाजि जनसामान्यकैंमनमे तोष–भरोस दैत रहलैक। शुरूक लक्षण आ अवस्था ठीके सामान्य रहैक।

जखन भारतमे ई तेजीसँ पसर लागल तँ नेपाल सरकार २०७६ साल चौत ११(२४ मार्च २०२०) गतेसँ देशमे लकडाउन लगा देलक। ठीक कएलक। पूर्व सुरक्षाक उपाय रहैक। दुनू देशक बीच खुल्ला सिमाना, निरन्तरक अबर–जातसँ कोरोनाक घुसपैठ भऽ सकैत छलै। से थोड़बे संक्रमित भेटलापर लकडाउन लगलैक। आब लोक घरमे बैसबा पर वाध्य भेल। चलु एकटा फेज इहो शुरु भऽ गेल। एकरा लोक नीक मानलक। सौंसे देश एकाएक ठप्प भऽ गेल। काम–काज, उद्योग–व्यवसाय, पढाइ– लिखाइ, अड्डा–खाना सभतरि बन्दी। बैंक सभ बन्द। तखन एटीएम खूजल, मुदा ततहु कोरोनाक डर बनल रहल। वातावरणमे आदंकक प्रसार शुरु भऽ गेल छलै।

एही बीच जाँच मशीन, ओकर आवश्यक सामान खरीदक बात उठलैक। चीनसँ मंगाओल गेल। ताहूमे व्यापक अनियमितताक आरोप लगलैक। देश भरिमे व्यापक प्रतिक्रिया भेलैक। कोरोनाक नामपर आर्थिक अनियमितताक आरोप लगितो आइ धरि पूर्ण रूपेण चित बुझयबला कोनो काज सरकार नहि कऽ सकल। माने कोरोनाक बहन्ने फेर एक बेर अन्हारमे राखल गेल।

एम्हर जाँचमे कमीसँ कोरोना संक्रमण कम देखल गेल। भारतसँ नेपाली सभ हजारहुक संख्यामे स्वदेश आबय लागल। बोर्डरक हालति तेहने, जथाभावी प्रवेश। शुरूमे क्वारेन्टाइनमे रखबाक बात। वादमे ओहुना अएनाइ नहि रूकल। आइसोलेसनक व्यवस्था कएल गेल। दुनू ठाम राखल जाए लगलै। मुदा दुनू ठाम बैल–बकरी जकाँ कोंचल जाए लगलै। खाना–पीनाक नामपर जथाभावी खोराक देब जाए लगलै। कतेक तँ कोराइन्टाइनमे अपने बीमार भेल। कतेक बादमे प्राणो त्यागलक।

कोरोनाक जाँच सुस्त छल। कतेको भूखोसँ मरल, उचित दवाइ–दारु समय पर नहि भेटलै तें मुइल। चिकित्सक सभ रोगी सभकेँ अस्पतालक प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगा देलकै। निजी चिकित्सालय सभ बन्द कऽ देल गेल छल। कोरोनाक

अतिरिक्त आनो बीमारी सभक उपचार हास्पीटलमे नहि भेने मरल। लोकमे आतंक बढैत गेलैक। सरकार एकसँ एक खेलमे लागल रहल। तखने संघीय सरकारक मुखिया दलमे विभाजनक लेल विधेयक लौलक । प्रयासो भेलैक। अपनो आ आनो दल हल्ला कएलक। सरकारी प्रयास असफल भऽ गेल। मुदा एहिसँ जन्म भेल एकटा नया दल–जनता समाजवादी पार्टी। माने राजपा आ संघीय समाजवादीक एकीकृत रूप।

२०७६ साल चौत ११ गतेसँ लकडाउन खुललाक दिन २०७७ साल साओन ६ गते धरिक अवधिमे बहुत किछु लोक देखलक। मुदा कोरोनाकेँ कमजोर करय बला लोकक मनमे पैसल डरकैँ निकालयबला कोनो खास काज नहि भऽ सकल। लकडाउनक उपयोग महज सरकारक सुरक्षा जकाँ भऽ गेलैक। जाहि तरहें संघीय सरकारक दल मध्य प्रधानमंत्रीक राजीनामा मंगबाक, बहुमत–अल्पमत सिद्ध करबाक खेल सभ चलैत रहल अछि, ओ निश्चय देशक हितमे नहि, ने नेपाली जनताक हितमे रहलैक। कोरोनाक वीपतिमे सरकारी निर्णय आन्तरिक विवाद आ क्रिया–प्रतिक्रियाक बन्दी भऽ कऽ रहि गेल । लकडाउनके जे प्रशस्त समय भेटलैक ताहूमे ने कोरोन्टाइनक नीक व्यवस्था कऽ सकल ने आइसोलेसनक प्रशस्त बेड व्यवस्थित कऽ सकल। ने दबाइ, दारुक कोनो जोगार, ने भेन्टीलेटर आदिक पूर्ति।

एहि सभ कारणेँ लकडाउन खुजलाक बाद जाहि तेजीसँ संक्रमण बढ़ल अछि ओ आतंककेँ बढएबा लेल काफी छैक। नेपालमे कोरोनाक भाइरस कमजोर कहनिहार विज्ञ लोकनि हताश भऽ सभकेँ सुरक्षित रहबाक आग्रह कर लागलाह अछि। मृत्यु दर सेहो तहिना तेजीसँ बढ़ि रहल छैक। संक्रमितकेँ उपचारक हेतु आइसोलेशन बेड नहि छैक। लोक घरेमे रहैत अछि।

विराटनगर, सप्तरी, वीरगंज आ आब जनकपुरो उच्च जोखिममे पड़ि गेल अछि। कोरोना समुदायमे पसरि चुकल छैक। जाँच कतहु नहि पूर्ण रुपें आब भगवाने भरोसे नागरिककेँ छोड़ल जा रहलैक अछि। फेरसँ एम्हर निषेधाज्ञा जारी छैक। प्रायः साओन भादो मसाक अन्त धरि रहत।

से नेपालमे कोरोना कालक अवधि बढिए रहल छै। ओना औपचारिक लकडाउन साओन ६ गतेसँ समाप्त भऽ गेल छै, तथापि आबय बला समय कोनो तरहें सन्तोषप्रद नहि । जाहि तरहें संघ सरकार चलि रहल अछि, ताहिसँ कोरोनाक भयावहता बढबे करत, ताहिमे सन्देह नहि लगैत अछि।

लकडाउनमे गुनधुनीकेँबेसी अवसर भेटल छै। की करी, कोना करी, ककरा लेल करी आदि पर मनहिमन विमर्श। पूर्व लकडाउन आ उत्तर लकडाउन धरि ई गुनधुनी छूटल नहि। तखन अपन पत्र–पत्रिका जनकपुर 'एक्सप्रेस' होए, 'गामघर साप्ताहिक' होए अथवा 'आँजुर' द्वैमासिक पत्रिका हो। तकर व्यवस्थापन, लेखन,

रचना संकलन, आदि काज तँ करहि पड़ल तकरा अतिरिक्त नेपाल–भारतक किछु नव–नव क्षेत्रक लोकक आग्रहपर किछु थप काज कऽ केँ पढ़ाबय पड़ल। आ ई काज मोनकेँ जुरएबो कैलक।

काठमाण्डूक एकटा महिला अनुसन्धाताकेँ हमर नेपालीमे छपल यात्रा संस्मरण चाहिअनि,से पठाओल। पटनाक महावीर मंदिरक मासिक पत्रिका 'धर्मायण'क हेतु सम्पादक पं. भवनाथ झा जीक अनुरोधपर जानकी नवमीपर हिन्दीमे आलेख पठाओल आ छपल सेहो। काठमाण्डूसँ 'दी पब्लिक' हिन्दी मासिकक सम्पादक वीणा सिंहाक पुरजोर आग्रहकेँ मानैत नेपाल–भारत बीच एखन चर्चित अयोध्या मामलापर आलेख लिखय पड़ल जे पत्रिकामे आमुख कथाक रूपमे छपल। बन्धु चन्द्रेशकेँ किछु रचना आग्रहे पठाओल जे प्रायः छपि चुकल हयबाक सूचना अछि। दिल्लीक एकटा विश्वविद्यालयमे लोकसाहित्य आ अंग्रेजीक प्राध्यापककेँ दीनाभद्रीसँ सम्बन्धित जानकारी आ हमर आलेख चाहैत छलनि, से पठाओल। तहिना भारतक गोवा लगक दमनमे रहैत शैलेन्द्र मिश्रजीक फोन आएल। ओ सम्प्रति भारतीय तटरक्षक, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकारमे वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी छथि। मैथिलीसँ अंग्रेजीमे अनुदित उपन्यास, कथापर ओ पीएच.डी कऽ रहल छथि। एम्हर भारतीय क्षेत्रक बहुतो कविक कविताक अनुवाद अंग्रेजीमे कएने छथि जे फेसबुक पर रखैत रहलाह अछि। ताही क्रममे हुनका कोनो स्रोतसँ हमरो सन्दर्भमे जानकारी भेटलनि से फोन कऽ अपन रचना पठएबाक आग्रह कएलनि। हम पठा देलिअनि। एहने अवस्थामे डा. रामदयाल राकेश 'कोरोना' नामसँ एकटा उपन्यास लिखलनि तकर जानकारी दैत तकर पाण्डुलिपि पठौलनि रायक लेल। हम पढलहुँ आ अपन जे राय छल सेहो दइए देलिअनि।

एहि सभक अतिरिक्त घर–परिवार, धीआपूता जे एकटा काठमाण्डूमे छथि, एकटा विराटनगरमे, हिनका सभसँ निरन्तर कुशल–क्षेम लेल सम्पर्कमे रहबे करैछी। आ एकरा संगे मैथिली, नेपाली, अवधी भाषा साहित्यक मित्र लोकनि निरन्तर सम्पर्कमे रहै छथि।

मतलब लकडाउन लोकमे जाहि तरहक कठोर जीवन–शैली अनलकैक, ताहि मध्य एहि तरहें समय आ अवसरकेँ उपयोग किछुओ मात्रामे करबाक अवसर सेहो देलक अछि। लकडाउन आ तकर पूर्व आ उत्तरक वातावरणक माहौलमे अपन अनुभूतिकेँ राखब स्वयं हमरा लेल नव अनुभव रहल। आब एकर सीमा समाप्त होइछ छै। ओना कोरोना आ ताहिसँ उपजल भयावहता जारी छैक। पता नहि आर कतेक दिन...।

❐❐❐

प्रसंग–अप्रसंग

एखन कोरोनासँ दोसर कोन विषय हयत यौ!

दरभंगासँ एकटा मित्र अपन फोनवार्तामे आग्रह कएलनि अछि, एकटा रचनाक लेल, जे ओ कोनो पत्रिकाक हेतु मंगलनि अछि। कोरोनाक एहि भयंकर त्रासदीमे एकटा ओएह छथि जे पत्रिकाक लेल चिन्तित छथि, सक्रिय छथि। सेहो अपन प्रकाशन–सम्पादन नहि। कोनो आन अपेक्षितक लेल।

से सेल्फ वा कही होम क्वारेन्टाइनमे बैसल हमरा सभ साठि वर्ष उपरक जीवक हेतु कोनो बाहिरी चहल–पहल बन्न कऽ देल अछि, आ जकरा चारू भर एक्केटा समस्या छैक–कोरोना, समाचारपत्र देखु–कोरोना, मात्र कोरोना। टीभी खोलू कोरोना, अनलाइन देखू–कोरोना, फेसबुक देखू–कोरोना, घरमे रहू तँ चर्चा कोरोना, बाहिरी मित्र वा शुभचिन्तक लोकनिसँ बात करू तँ कोरोना। एहन स्थितिमे साहित्यक कोनो रस काज नहि आबि सकैछ, मात्र करुणरस छोड़ि। आ से जँ सएह लिखबाक रहत तँ बेसी तामझाम किए!

नेपालमे ई पंक्ति लिखैत कालधरि पाँच गोट कोरोना पोजेटिभ भेटल छैक। आ क्वारेन्टाइन आ होम क्वारेन्टाइनमे कतेक छैक तकर लेखा–जोखा नहि। साँच कही तँ एतए जाँचक उचित सुविधा नहि रहने ई कहब ठीक नहि हयत जे एतेक दिन वितलाक बादहु मात्र पाँचटा किए भेटलै? औजी जँचतै तखन ने रोगी भेटतै। किटक अभाव, जाँचबला मशीनक अभाव आ सभसँ उपर सामानक प्राप्तिक अभाव। अन्ततः चीनसँ सामान सभ लाओल जा रहलैक अछि। तखन एकर प्रयोग हयत आ तखने देखल जाएत जे नेपालक अवस्था की केहन अछि?

२०२०, २४ मार्च

हमरा सभ ओइठाम चौत ११ गतेसँ १६ गतेधरि लकडाउन कएल गेल छैक। भारतमे हमरा सभसँ बादमे लकडाउन भेल। हम तँ अपनाकेँ 21 ता. सँ लकडाउन कऽ लेने छी। स्थिति भयावह छैक। लोक लकडाउन नीक जकाँ पालन नहि कऽ

रहल अछि। प्रहरीक जोरपर कोहुना घरमे रहबाक अभ्यास कऽ रहल अछि। विदेशसँ आ भारतसँ आएल हजारहु नेपाली एखन देशमे प्रवेश कएने अछि। ताही माध्यमेँ किछु देखार भेल अछि आ किछु शंकामे रोकल गेल अछि। कहब कठिन अछि जे भविष्यमे की हयत?

हमर इच्छा कतहुने छल जे साहित्य दिश एखन किछु लिखी। जा धरि देशक अवस्था की भऽ रहल छैक तकर पूर्ण संज्ञान बाहर नहि आबि जाइ छै, ताधरि ताही दिश चिंतन होअए।

मुदा जीवन सएह ने ! एहि बीच घर बैसले–बैसल दू गोट महत्वपूर्ण घटना एहन भेल जे तकरा वारेमे जिज्ञाशा बढल आ तखन किछु विचार करबाक मोन भेल रहए। आ दुनू विषयक सूत्रधार रहलाह पटनाक अध्ययेता विद्वान पं. भवनाथ झा। महावीर मंदिरमे कार्यरत छथि। निरन्तर भाषा, साहित्य आ पूर्वीय दर्शनपर चिंतनरत रहैत छथि । संस्कृति, पुरातत्वपर नीक अध्ययन छन्हि। आ हमरासँ पूर्वेसँ स्नेह पूर्ण आत्मीय सम्बन्ध।

हमर फोटो संकलनमे एकटा फोटो भेटल। एकरो नमहर कथा छैक। काठमाण्डूक एकटा बहुरंगी नेपाली पत्रिकाक लेल रामनवमी पर आलेखक हेतु एकटा सम्पादक मित्र आग्रह कएलनि–हमरा दू दिनक भीतर एकटा आलेख चाही। अहाँ कऽ सकैछी। आशामे रहब।

निश्चित रूपसँ लकडाउनक पूर्वक अवस्था रहैक। मुदा हल्ला पसरि गेल रहैक। लोक सावधान होबय लागल रहय। हम ताही क्रममे राममंदिरमे गेल रही. ..तँ फेर हमरा मोन पड़ल ओत्त अवस्थित एकटा मूर्ति, जकरा पुरातत्वविद् लोकनि अत्यन्त महत्व दैत रहलाह अछि। हम ओकरो चित्र पुनः खीचल। सएह चित्र जखन लकडाउन बैसारीमे भेटल तँ मोन भेल एकर फेरसँ साध–पूछ करी आ एकरा लेल पं. भवनाथ झाजीसँ उपयुक्त हमरा एखन केओ नहि बुझाएल। हम फोटो पठा देलिअनि आ ओकरा बारेमे जिज्ञासा राखल। ओ तकरा बारेमे अपन विचार लिखलनि– "ई सद्योजात मूर्ति कहबैत अछि। गणेशजीक जन्मक कालक ई दृश्य थीक। कार्तिकेयकेँ जन्म देलाक बाद माता पार्वतीक ई छवि थीक। पार्वतीक एक हाथक उपर शिवलिंग देखल जा सकैत अछि। एहन प्रतिमा मिथिला क्षेत्रमे बहुत भेटलैक अछि। मुदा दूध पीबैत कार्तिकेय आ परिचारिका सभक अंकन एतए विशिष्ट अछि। कतोक ठाम केवल बच्चाक संग मूर्ति अछि। कतहु बच्चो ने छैक। मुदा ई मूर्ति सभ प्रकारें विशिष्ट अछि। एकर समय दशम्–बारहम् शदी हयबाक चाही।"

नेपालमे एहि मूर्तिकेँ बुद्धक जन्मकालक मानैत अछि। मायादेवी आ बाल

बुद्ध। किछु गोटे योगमाया कहैत छथि। हमरा जनिते गंभीरतापूर्वक चर्चे ने भेल सन लगैत अछि। नेपाल सरकार अन्तर्गतक राष्ट्रिय अभिलेखालय २०२८ साल (१६७२ ई) मे चारि सदस्यीय अनुसन्धान टोली गठन कऽ जनकपुर अंचल पठौने छल। ज्योतिषाचार्य देवी प्रसाद लम्सालक नेतृत्वमे गेल उक्त टोली एतुक्का प्राचीन शिलालेख, दानपत्र, मूर्ति आदिक गंभीरतापूर्वक अध्ययन कएने रहए। जकर प्रतिवेदन नेपाल सरकारमे प्रस्तुत कएल गेल रहैक। ताही प्रतिवेदनमे राममंदिरक चित्रक जानकारी सम्भवतः पहिल बेर आएल रहैक। ओ अनुसन्धातालोकनि उपर चर्चित मूर्तिकेँ मायादेवीक मानलनि। ओ मूर्ति २०१० साल (१६५३ ई. दिश) मे जनकपुरधामक सुप्रसिद्ध पोखरि 'गंगासागर'क सफाइ क्रममे भेटल रहैक जकरा एहिठाम राखि देल छैक से बात अनुसन्धाता लोकनि स्थानीय बासी सभक कथनकेँ उद्धृत करैत लिखने छथि(जनकपुर अंचलक पुरातात्विक सर्वेक्षण २०२८, प्रस्तुतकर्ता : देवी प्रसाद लंसाल, राधेश्याम भट्टराई। प्रकाशनः प्राचीन नेपाल, संख्या : २६,माघ २०२० साल)

आइसँ अठतालिस/उन्चास वर्ष पूर्व जाहि वातक उल्लेख कएल गेल तकरा बारेमे गहिराइसँ खोज–बीन करबाक आवश्यकता नहि मानल गेल। ओतबे नहि, एकटा दोसरो सर्वेक्षणमे जे २०१६ सालेमे भेल छल तत्कालीन अनुसन्धान अधिकृत (तहिया फिल्ड एकस्क्याभेटर कहल जाइक) जनक लाल शर्माक नेतृत्वमे। हुनको प्रतिवेदनमे राममंदिरक चर्चा तँ अछि, मुदा मूर्तिक नहि। मात्र ओ लिखने छथि. "राम मंदिरके पुरातात्विक दृष्टिकोणसँ आ ओहिठाम भेल इशाक एगारहम शताब्दी धरि पहुँचब सेहो कठिन अछि। ओ आगाँ लिखैत छथि– भित्रि भागमे किछु मूर्ति छैक जे घसा केँ नष्टप्रायः छैक। राममंदिरक बगलमे एकटा वटवृक्ष छैक जे किछु प्राचीन भग्नावशेष ओत्त हयबाक संकेत करैत अछि। (मैथिली अनुवाद. ले) (चितवन देखि जनकपुर सम्मका केही पुरातात्विक स्थल : जनकलाल शर्मा। प्रकाशन स्रोतः प्राचीन नेपाल, संख्या : २, माघ, ०७४ साल)

आब कनेक हम अपनो बुद्धि घुसिआब चाहैत छी। माय–पुत्रक ई अद्भूत मूर्ति सम्बन्धमे भविष्यमे विस्तृत चर्चा करबाक स्थिति बनतैक जरूर, मुदा एखन जँ कि मूर्तिक स्वरुप आ निर्माण वैशिष्ट्यक आधारपर जेना भवनाथ झाजी ११–१२म शताब्दीक अनुमान कएलनि अछि ताहि दिश हम ध्यान केन्द्रित करब। ई ओ समय थिक जखन एहि क्षेत्रमे कर्णाट वंशी न्यान्यदेव अपन राज्य स्थापित कऽ सुदृढ कऽ चुकल छलाह। आ ई सम्पूर्ण क्षेत्र हुनके अधीन पड़ैत छलैक। वर्तमान जनकपुरक ई क्षेत्र तखनो सिमलगढ अर्थात वर्तमानक सिम्रौनगढ जकाँ जंगल छल हयत। मुदा ई क्षेत्र तहियो महत्वपूर्ण छल हयत–एहि मानेमे जे ई मूर्ति२०१० सालमे गंगासागरक

जिर्णोद्धारक क्रममे भेटल रहैक,जकरा लगक मंदिर राम मंदिरमे राखि देल गेल रहैक। ई पता लगएबाक केओ प्रयास नहि कएलनि जे ई मूर्ति आखिर अएलै कत्तसँ।

सिम्रौनगढक हिन्दू राजालोकनि मंदिर–मठ प्रति उदार छलाह जे सिम्रौनगढक निर्माणसँ स्पष्ट होइत अछि। एखनो ओत्त घर–गृहस्थीक हेतु कएल जाइत उत्खननमे मूर्तिक भण्डार भेटैत छैक। तखन जनकपुरधाममे तहिया आन कोनो दोसरो देवी देवताक मंदिर ओ सभ बनौने होथि। शिवमंदिर, तुलजाभवानी सन देवी मंदिर अथवा आने कोनो। आ ई मूर्ति ओहि मंदिरमे स्थापित कएने होथि।

ततबे नहि, जनकपुरधाममे अवस्थित बावन कुण्डक निर्माण के करौलक आइ धरि स्पष्ट नहि अछि। जेना कहल जाइछ–जीन वा आन कोनो अलौकिक शक्तिक लेखा–जोखा ककरा लग रहत। एहनमे एहि बातकँ बल भेटैत छैक जे कर्णाटवंशी राजा लोकनि जनकपुरमे कुण्ड सभ खनौने होथि। धर्माप्रिय लोकक हेतु स्थान, पूजाक हेतु सुलभताक हेतु।

जखन १३२५–२६ ई. मे गायासुद्दीन तुलकक आक्रमण सिम्रौनगढपर भेल तखन ओ एही बाटे जाइत काल एतुक्का मठ–मंदिरकँ ध्वस्त करैत चल गेल हो। जनक मंदिरक खण्डित मूर्ति एही कालक भऽ सकैछ। एखन राम मंदिरमे प्राप्त मूर्ति सेहो ताही क्रममे सैनिक सभद्वारा 'पानि' (गंगासागर) मे फेकि देने होइक। आ तकरा बाद ई क्षेत्र पुनः विरान भऽ गेल हो।

खोजबीन करबाक लेल बहुत विषय छैक। ग्रन्थ उनटएबाक प्रयोजन छैक। आ से ग्रन्थ होइतो मोन उनटएबा लेल आतुर होइत कहाँ अछि। ई तँ ओहिना प्रसंगवश लिखा गेल। कही तँ हमरा घरक आगाँक मुख्य सड़क दऽ सुदूर पूर्वसँ लाखोक जनसंख्या बला घनगर बस्तीसँ अबैत दिन भरि एम्बुलेंसक हार्न सुनैत–सुनैत मोनमे उचाट लागि जाइए। पता नहि कत के बीमार भऽ गेल होइक। कोनो स्त्रीकँ प्रसव पीड़ाक छटपटाहटि बीच अस्पताल पहुँचला पर उपचार भऽ सकैछ कि नहि। कहैत अछि चिकित्सक सभ अपन–अपन क्लीनिक बन्द कऽ चुकल छथि। निजी अस्पतालो कतेक गोटे बन्न कऽ लेने छथि अथवा सेवा कम कऽ देने छैक। जखन कोनो सर्दी, खाँसी आ बोखार(सीजनल फ्लू)क लक्षण देखि चिकित्सक सभ जान लऽ कँ पड़ा जाइत छथि आ सेवाग्राही एहि अस्पतालसँ ओइ अस्पताल दौगैत–दौगैत अधमरु भऽ जाइत अछि। कतेक जानो चत जाइत छैक। मिडियामे अबैत एहन–एहन खबरि घरमे बन्द रहितो आतंकित कऽ दैत अछि।

लकडाउन हमरो ओत्त सात दिनक लेल बढा देल गेल छैक। ३१ मार्चकँ समाप्त हएबाक छलै आब ७ अप्रैलक मध्य रातिमे समाप्त हयत। नेपालमे सरकार

चीनसँ आवश्यक जाँचक सामग्री सभ मंगौलक अछि। सातो प्रदेशमे बाँटल गेल अछि। एखन धरि जाँच प्रभावित छलै। टुघरि कँ जाँच भऽ रहल छलै, जाहिसँ कोरोना प्रभावितक संख्या ठमकल छैक। हँ, तखन निगेटिभ सेहो प्रशस्ते आबि रहल अछि। खुशीक बात।

आब जाँच शुरू हयतै तेजीसँ। तखन स्थिति स्पष्ट हयतै। जाँचेक आधारपर लकडाउनक अवधिकँ रोकब वा बढायब निर्भर करैत अछि। लगैए आबयबला एक दशकमे कोरोना साहित्य लिखल जाएत। ई विचित्र आतंक पसारनिहार भाइरस असगर सौंसे विश्वकँ तहस–नहस कैने छैक। लगैए ई अघोषित विश्वयुद्ध हो, जत्त निशाना पर ताकि–ताकि कँ भाइरस मारल (हीट) जाइत हो!

चलू अहाँकँ धन्यवाद, जे कोरोना प्रसंगक एहि गहमा–गहमी वातावरणमे हमरा किछु लिखबा लेल प्रेरित कएल।

❑❑❑



राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर'

जन्म : 2008 साल, साओन, बधचौड़ा, जि. धनुषा

शिक्षा : एम.ए. (त्रि.वि.वि.)

काव्य : बन्न कोठरी औनाइत धुआ (कविता संग्रह) : 2029 साल, नहि, आब नहि (दीर्घ कविता) 2036 साल, मोमक पघलैत अधर (गीत, गजल), अप्पन अनचिन्हार (कविता संग्रह): 1990 ई. भयो अब भयो (नेपाली अनुवाद) बस अब नही(हिन्दी अनुवाद) । अन्हरियाक चान (गजल संग्रह) 2070 ई.), युद्धभूमिक एसगर योद्धा (कविता संग्रह, 2017 ई.)

कथासंग्रह : तोरासंगे जएबौ रे कुजवा (कथा संग्रह) 1984 ई., हुगली ऊपर बहैत गंगा (कथासंग्रह) 2065 । एण्टीभायरस (कथा संग्रह) 2076 साल, 2019

उपन्यास : घरमुहाँ 2069 ।

नाटक : रानी चन्द्रवती : 2045 साल, एकटा आओर वसन्त : 2052 साल, महिषासुर मुर्दावाद एवं अन्य नाटक : 2054 साल, भ्रमरका उत्कृष्ट नाटकहरू (नेपाली अनुवाद) 2064 भैया अएलै अपन सोराज (नाटक) 2067 । एकटा आओर वसन्त एवं अन्य नाटक (नाटक संग्रह) 2069 साल, साझा प्रकाशन, नेपाल। सूलीपर इजोत एवं अन्य नाटक, (नाटक संग्रह) 2072 ई.

यात्रा संस्मरण : चीन जे हम देखल (2070 ई.), सीमामे आर–पार (2073 ई)।

शोध आलेख संग्रह : जनकपुरधाम र यास क्षेत्रका सांस्कृतिक सम्पदाहरू : 2056 साल, राजकमलक कथासाहित्यमे नारी : 2064 साल, लोकनाट्य : जट–जटिन : 2064 : Cultural Heritage of Janakpur रू 2062 साल। मैथिली लोकसंस्कृति (आलेख संग्रह) 2066 । तराईको फांट देखि हिमालको कांख सम्म (आलेख संग्रह), प्रकाशकः साझा प्रकाशन, 2067 । मिथिलाक सपूत : राजा सलहेस, 2075, प्र. भोर, । मैथिल लोकसंस्कृति : विविध आयाम (नेपाली आलेख संग्रह) 2075, नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान, नेपाल

विविध : आजको धनुषा : 2039 साल, जनकपुर लोकचित्र : 2046 साल । समयको अन्तराल पछ्याउदै (आलेख संग्रह, 2066 साल) ठेकान पर (विचार संग्रह),समय–सन्दर्भ (निबन्ध संग्रह) 2068, अह्रां जे कहलहुं (अन्तरर्वाता संग्रह) 2071 ई.

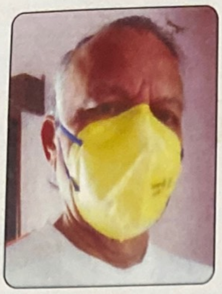
सम्पादन : मैथिली पद्यसंग्रह : (नेपाल राजकीय प्रज्ञाप्रतिष्ठान) : 2051 साल, लाबाक धान (कविता संग्रह) 2051 साल, त्रिशूली (स्व. माथुर द्वारा लिखित खण्डकाव्य) 2049 साल, नेपालक मैथिली पत्रकारिता : 2044 साल, मैथिली लोकनृत्य : भाव भंगिमा एवं स्वरूप (नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान) 2061, अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन आ नेपाल : 2065 साल, हम और तुम (हिन्दी कविता संग्रह) 2066 साल, मैथिलीनाटक–संग्रह (नाटक संग्रह) 2067, महाकवि विद्यापति आ नेपाल (निबन्ध संग्रह) साझा प्रकाशन, काठमाण्डू, नेपाल, 2068, मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी प्रतिवेदन, 2069, लोकनायक सलहेस (निबन्ध संग्रह) 2069। लोकनायक सलहेस, द्वितीय खण्ड (निबन्ध संग्रह) 2070, लोकगाथा नायक दीनाभद्री–निबन्ध संग्रह (2070 साल) अबधी संस्कृति विविध आयाम (निबन्ध संग्रह, 2070 साल) सोन्हगर गन्धक अन्वेषीः डा. प्रफुल्ल कुमार सिंह मौन (कृतित्व–व्यक्तित्व, 2073 साल) ।

प्रधान सम्पादक : गामघर साप्ताहिक (मैथिली), आँजुर (मैथिली द्वैमासिक)

सम्मान : नेपाल राजकीय प्रज्ञा–प्रतिष्ठान द्वारा प्रदत्त प्रथम मायादेवी प्रज्ञा पुरस्कार द्वारा सम्मानित : 2052 साल, विद्यापति सेवा संस्थान, दरभंगा द्वारा मिथिला विभूति सम्मान, (22 दिसम्बर, 1996 ई.) शेखर प्रकाशन, पटनाद्वारा शेखर सम्मान, (3 नबम्बर, 2007 ई.) ने. मैथिली साहित्य परिषद्, जनकपुर द्वारा 'वैदेही प्रतिभा पुरस्कार', अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन मुम्बई द्वारा 'मिथिलारत्न' सम्मान, '22 दिसम्बर, 2006 ई.) मधुरिमा नेपाल द्वारा 'मधुरिमा सम्मान', चेतना समिति, पटना द्वारा यात्री चेतना पुरस्कार (2011 ई.), साझा प्रकाशन द्वारा 'साझा लोक संस्कृति पुरस्कार (2068), नेपाल विद्यापति भाषा, साहित्य पुरस्कार (2069), रायपुर (छत्तीसगढ़, भारत) द्वारा मिथिला विभूति सम्मान (2069) मैथिल समाज, रहिका द्वारा सम्मानित (मधुबनी, बिहार) (8, अप्रिल 2018 ई.) केशवलाल वाखं सिरपा कथा पुरस्कार (2070 जेठ 21 गते), घरमुहाँ उपन्यासक लेल गंकी धुस्वां बसुन्धरा पुरस्कार प्राप्त (2071) आदि दर्जनो सम्मान, पुरस्कार प्राप्त।

पत्रकारिता : 2027–28 सालसं बेदेही साप्ताहिक, जनकपुरधामसं पत्रकारितामे प्रवेश। तकराबाद कान्तिपुर, गोरखापत्र, नागरिक, अन्नपूर्णापोस्ट दैनिकसभमे, अनलाइन सभमे, साहित्यिक पत्रिका मधुपर्क, गरिमा, परिवार, शिक्षक रचना लगायत अनेकहु पत्र–पत्रिकामे लेखन।

विशेष : पूर्व अध्यक्षः साझा प्रकाशन, ललितपुर, पूर्व सदस्य, प्राज्ञ परिषद, नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान, कमलादी।



राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर'

जन्मः २००८ साल, साओन, बघचौरा, जि. धनुषा, शिक्षाः एम.ए.(त्रि.वि.वि.)
पूर्व अध्यक्ष, साझा प्रकाशन, नेपाल, पूर्व सदस्य, प्राज्ञ परिषद्, नेपाल प्रज्ञा–प्रतिष्ठान, कमलादी
स्थायी पताः हंसपुर नगरपालिका, वार्ड नं२, बघचौरा

सम्प्रतिः जनकपुरधाम उप महानगर पालिका, वार्ड नं १ शिबपथ

२०७७ वैशाख ६ गते मंगल दिन

ओह! एहि अबधिमे लेखन काज हमरा लेल कनेक अबूह जकाँ बुझाएल। से साहित्यिक मात्र। पत्रकारक हैसियतसँ निरन्तर कोरोना गतिविधिसँ अपडेट होइत रहबाक कारणे चारूभर कोरोनाक चर्च छोड़ि आन कोनो वस्तु घुसबे ने करैत अछि। एहनमे साहित्यिक काज कनेक कठिन अछि हमरा लेल। ओना बहुतो साहित्यिक मित्रलोकनि उपन्यास, कथा, कविता, खण्डकाव्य, महाकाव्य, नाटक आदि, लिखबाक गप सामाजिक संजाल मार्फत प्रचारित करैत रहैत छथि।

सरिपहुँ हमरा हुनका सभसँ इर्षा होइत रहैत अछि। एहन भयावह परिवेशमे निचैनसँ अपन साहित्यकर्ममे लीन रहि पबैत छथि। टी.भी., पत्र.पत्रिका, अनलाइन खबरि सभ जत–तत्त कोरोना, कोरोनाक प्रहार आ आतंक । एक तँ ओ सभ टी.भी. समाचार नहि देखैत हयताह । पत्र–पत्रिकासँ कन्छी कटैत हयताह। कम्प्यूटरसँ संगति नहि हयतनि। आ जँ एहि सभमे लागियो केँ कोरोनाक आतंक आ तकर प्रभावसँ ग्रसित समाज ओ राष्ट्रक हालतिसँ अपनाकेँ किछुओ कालक हेतु मुक्त कए साहित्य–लेखनमे लागिपबैत छथि तँ निश्चय हम हुनक दृढता आ निरपेक्षताकेँ सलाम करैत छियनि। ई गुण दुर्भाग्यसँ हमरा नहि भऽ पौलक अछि। हम तएँ एहि लकडाउनक वितैत समयमे हूसि गेल छी। ककरो अनुरोधेँ एक–आध टा आलेख लिखि कँ पठा देब मात्र हमर शौर्यमे गनल जाएत।

जेना एहि बीच काठमाण्डूक नागरिक दैनिक पत्रिकाक साहित्यिक परिवारिक पत्रिका परिवारक सम्पादक महोदयक आग्रहपर रामनवमीपर आलेख पठाओल आ ओ चैत अंकमे छपल। पटनाक प्रसिद्ध महावीर मन्दिरसँ प्रकाशित होबयबला पत्रिका 'धर्मायण' क बैशाख अंकक हेतु जानकी नवमीपर रचना मांगल गेल छल। तकरा पठाओल। अनलाइन पर आइए प्राप्त भेल अछि। दरभंगासँ भाइ चन्द्रेश सेहो एहि बैसारीमे संच–मंच नहि छथि। आग्रह कऽ देने छलाह एकटा आलेखक, से हम दू–चारि दिन पूर्वे पठा देने छियनि, जकर पावक स्वीकृति आइ फोनपर देलनि अछि।

एकर अतिरिक्त चैत ११ गतेसँ आइ धरिक लगभग एक मासक अवधिमे प्रकाशित भेल स्थानीय 'डेली एक्सप्रेस'क सोमबारक अंकक हमर साप्ताहिक स्तम्भ 'सत्य–सम्वाद'क पाँचटा अंक प्रकाशित भऽ गेल छैक जे निश्चित रुपेँ कोरोना गतिविधिपर आधारित अछि। साहित्यिक लेखनक नामपर कोरोना प्रभावपर केन्द्रित हमर एक मात्र कविताकेँ मात्र लेल जा सकैछ।

एहि पुस्तकसँ

जनकपुर ललित कला प्रतिष्ठान
जनकपुरधाम